राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

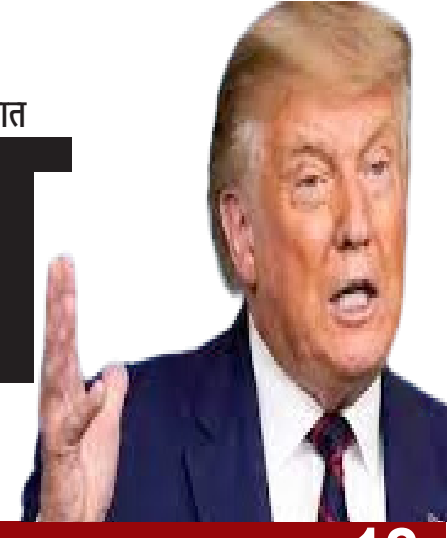

11 नीरज चोपड़ा की हिमानी मोर से मुलाकात कैसे हुई, ऐसी है नव विवाहित जोड़े की लव स्टोरी....

ट्रंप ने विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका के हटने की घोषणा की.... 12

वर्ष : 12 | अंक : 278 | पटना, बुधवार, 22 जनवरी, 2025 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम अधिकतम तापमान 14.0°C न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 75,920

चांदी 91,900

सेंसेक्स 83,584 ▲

निफ्टी 25,698

संक्षिप्त खबरें

महाकुंभ में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री भी लगाएंगे डुबकी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में देश-विदेश से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। इस बार महाकुंभ में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पवित्र संगम में डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे। जानकारी अनुसार महाकुंभ में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 10 फरवरी को संगम में स्नान करेंगी, जबकि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 1 फरवरी को महाकुंभ में डुबकी लगाने पहुंचेंगे। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 फरवरी को प्रयागराज पहुंचेंगे और महाकुंभ में स्नान करेंगे। प्रयागराज महाकुंभ में इन विशिष्ट हस्तियों की यात्रा को देखते हुए विशेष तैयारियां की जा रही हैं। प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं, और इन दिनों श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

शामली: यूपी एसटीएफ ने चार बदमाशों को किया ढेर

शामली। उत्तर प्रदेश के शामली में यूपी एसटीएफ और अपराधियों के बीच मध्य रात में मुठभेड़ हो गई। इस कार्रवाई के दौरान एसटीएफ ने एक लाख के इनामी अरशद और उसके तीन साथियों मार गिराया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह मुठभेड़ शामली के झिंझाना क्षेत्र में हुई। दोनों तरफ से हुई फायरिंग में मुस्तफा कग्गा गैंग के सदस्य अरशद और उसके तीन साथी मनजीत, सतीश व एक अज्ञात गंभीर रूप से घायल हो गए। हालांकि, बाद में सभी की मौत हो गई। अरशद सहारनपुर के थाना बेहट से लूट के एक मामले में वांछित था। एडीजी जोन ने उसके ऊपर एक लाख का इनाम भी घोषित किया था। अरशद के ऊपर लूट, हत्या और अन्य समेत सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर और हरियाणा में 17 मुकदमे दर्ज थे। मुठभेड़ के दौरान एसटीएफ टीम का नेतृत्व कर रहे इंस्पेक्टर सुनील को कई गोलियां लगी हैं। उन्हें इलाज के लिए करनाल के अमृतधारा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें गुरुग्राम के मेदांता रेफर कर दिया गया है।मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार देर रात एसटीएफ मेरठ को गुप्त सूचना मिली थी

प्रगति यात्रा : सीएम ने किशनगंज जिले में 235 योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

मुख्यमंत्री ने किशनगंज जिले को दी 514 करोड़ की सौगात

बिहार के विकास के लिये किया काफी काम : नीतीश

प्रात: किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को प्रगति यात्रा के तीसरे चरण में किशनगंज जिले के महेशबथना स्थित नवनिर्मित जिला आपातकालीन प्रतिक्रिया सुविधा-सह-प्रशिक्षण केंद्र से 514.26 करोड़ रुपये की 235 विकासात्मक योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 151.17 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विभागों की योजनाओं का उद्घाटन तथा 363.09 करोड़ रुपये की लागत से शिलान्यास शामिल है। इस दौरान पत्रकारों से बात करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के विकास के लिये हमने काफी काम किया है। सरकार में आने के बाद से ही बिहार के सभी क्षेत्रों में विकास के कार्य किये जा रहे हैं।

महिलाओं की आर्थिक स्थिति में आया सुधार

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की महिलाओं की आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आया है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। उनका पहनावा और बोलचाल भी काफी अच्छा हो गया है। वे लोगों से बेहिचक होकर बातें करने लगी हैं। स्वयं सहायता समूह के स्टॉल का निरीक्षण के दौरान जीविका दीदियों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने उक्त बातें कही। स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, उद्योग विभाग, समेकित बाल विकास परियोजना, कृषि विभाग, परिवहन विभाग के स्टॉलों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जीविकोपार्जन हेतु 11 हजार 486 स्वयं सहायता समूहों को 137 करोड़ रुपये, 2305 स्वयं सहायता समूहों को 14 करोड़ 33 लाख रुपये और 305 स्वयं सहायता समूहों को 5 करोड़ 40 लाख रुपये का सांकेतिक चेक जीविका दीदियों को प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री चौर विकास योजना के तहत लाभार्थी को 4 लाख रुपये का चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री प्रखंड परिवहन योजना के लाभार्थियों को गाड़ी की चाबी भी प्रदान की।

खूब मन लगाकर पढ़ें और अच्छे से रहें

मुख्यमंत्री ने गोवर्द्धन प्लांट का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने महे शबथना स्थित जिला आपातकालीन प्रतिक्रिया सुविधा-सह-प्रशिक्षण केंद्र का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कोचाधामन के डेरामारी अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं एवं छात्रों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने छात्रों द्वारा तैयार किए गए शैक्षणिक कार्यों से संबंधित विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया और छात्रों से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने छात्रों से कहा कि खूब मन लगाकर पढ़ें और अच्छे से रहें। मुख्यमंत्री ने अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय के आवासीय परिसर एवं शैक्षणिक परिसर के बीच 318.58 लाख रुपये की लागत से फुटओवर ब्रिज के निर्माण कार्य का शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया।

ठाकुरगंज बाईपास का निर्माण कार्य यथाशीघ्र शुरू कराएं

मुख्यमंत्री ने ठाकुरगंज प्रखंड के ग्राम पंचायत पटेश्वरी स्थित ग्राम कटहलडांगी में प्रस्तावित ठाकुरगंज बाईपास रोड संबंधी समस्याओं का स्थल निरीक्षण कर अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ठाकुरगंज बाईपास का निर्माण कार्य यथाशीघ्र शुरू कराएं। इस बाईपास के बन जाने से लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी। साथ ही आसपास के इलाकों से संपर्कता बढ़ेगी। प्रस्तावित ठाकुरगंज बाईपास की कुल लंबाई 4.01 किलोमीटर तथा चौड़ाई 10 मीटर है, जिसकी अनुमानित लागत राशि 41.30 करोड़ रुपये है। अधिकारियों ने 65.350 किलोमीटर लंबी पूर्णिया एवं किशनगंज जिला अंतर्गत राज्य उच्च पथ संख्या-99 (बायसी-बहादुरगंज-दिघल बैंक) पथ के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य तथा प्रस्तावित असूरा-निश्नद्रा घाट पुल एवं पहुंच पथ निर्माण कार्य के संबंध में भी मुख्यमंत्री को साइट प्लान के माध्यम से वितृस्त जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने ग्राम कटहलडांगी ठाकुरगंज का भ्रमण कर विकासात्मक कार्यों का जायजा लिया तथा स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याओं से भी अवगत हुए। ग्राम कटहलडांगी में जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत निर्मित तालाब का मुख्यमंत्री ने निरीक्षण कर तालाब के चारों ओर सीढ़ीनुमा घाट बनाने का अधिकारियों को निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से किशनगंज जिला अंतर्गत कई योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 6 मवेशी आश्रय स्थल का उद्घाटन, पटेश्वरी पंचायत के वार्ड संख्या-5 में सार्वजनिक शौचालय का उद्घाटन, जीविका संगठन कार्यालय भवन का शिलान्यास, पटेश्वरी स्वागत द्वार-सह-पेवर ब्लॉक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य का उद्घाटन, आंगनबाड़ी केंद्र भवन का शिलान्यास शामिल है। मुख्यमंत्री ने मोतीहारा के हालामाला ग्राम पंचायत के वार्ड नंबर 4 में आदर्श ग्राम पंचायत के मॉडल को देखा। इस आदर्श ग्राम पंचायत मॉडल के बनाए गए विभिन्न भवनों का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने परिसर में बनाए गए खेल मैदान, सरोवर, अपशिष्ट प्रबंधन यूनिट का निरीक्षण किया। सरोवर के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत अच्छा बना है। इसके बगल में सीढ़ी बना दें ताकि लोग यहां घूम सकें। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया।

ये रहें मौजूद :

इस अवसर पर जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री सह किशनगंज जिले के प्रभारी मंत्री जमा खान, लोक स्वास्थ्यअभियंत्रण मंत्री नीरज कुमार सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं वरीय अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने पूर्व राज्यपाल स्व सिद्धेश्वर प्रसाद की प्रतिमा का किया अनावरण प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी

सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 16 नक्सली ढेर

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के छत्तीसगढ़-ओडिशा बॉर्डर पर स्थित भालू डिग्गी के जंगल में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में बड़ी कामयाबी मिलने की संभावना जताई जा रही है। इस मुठभेड़ में एक करोड़ के इनामी नक्सली जयराम उर्फ चलपती सहित 16 के मारे जाने की रायपुर संभाग के आईजी ने पुष्टि की है। इन सभी 16 नक्सलियों के शव और हथियार बरामद किए जा चुके हैं। इस मुठभेड़ में अब तक 20 से अधिक नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। इसमें एक जवान भी घायल हुआ है, जिसे एयरलिफ्ट कर रायपुर लाया गया है। रविवार की रात से शुरू हुई मुठभेड़ में मंगलवार सुबह तक 16 नक्सलियों को मारे जाने की पुष्टि हुई है। मुठभेड़ अभी खत्म नहीं हुई है। इसमें लगभग 1000 जवानों ने करीब 60 नक्सलियों को घेर रखा है। इसके लिए बैकअप पार्टी भी भेजी गई है और ड्रोन से नजर रखी जा रही है। इससे पहले सुरक्षाबलों ने 15-20 किमी के इलाके को घेरा था

नक्सलवाद पर एक और करारा प्रहार है : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को ओडिशा-छत्तीसगढ़ सीमा पर संयुक्त अभियान में 14 नक्सलियों को मार गिराने के लिए सुरक्षा बलों की सराहना करते हुए कहा कि यह नक्सलवाद पर एक और करारा प्रहार है। श्री शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा, नक्सलवाद पर एक और करारा प्रहार। हमारे सुरक्षा बलों ने नक्सल मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में बड़ी सफलता हासिल की है। सीआरपीएफ, एसओजी ओडिशा और छत्तीसगढ़ पुलिस ने ओडिशा-छत्तीसगढ़ सीमा पर संयुक्त अभियान में 14 नक्सलियों को मार गिराया।

एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन : जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने आपसी संवाद पर दिया जोर

साझा प्रयासों से मिशन 225 का संकल्प निश्चित होगा साकार : उमेश

प्रात : किरण

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने मंगलवार को सिवान जिला के गांधी मैदान में आयोजित एनडीए जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आपसी संवाद को स्थापित करने पर खासा जोर दिया। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि संगठन के हरेक स्तर पर समन्वय और बेहतर तालमेल के साथ लक्ष्य की प्राप्ति हेतु काम करें। हमारे साझा प्रयासों से मिशन 225 का संकल्प निश्चित ही साकार होगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राजद के शासनकाल में लूट, हत्या, अपरहण और रंगदारी की आपराधिक घटनाओं से तंग और तबाह सिवान आज शांति और सुशासन के सौहार्दपूर्ण वातावरण में सर्वांगीण विकास की नित नई सीढ़ी चढ़ रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 में सत्ता की बागडोर संभालने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जंगलराज को जड़ से समाप्त कर प्रदेश में सुशासन का राज स्थापित किया। श्री कुशवाहा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सत्ता को सेवा का माध्यम बनाकर समाज के सभी वर्गों तक जनकल्याणकरी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाया है। वहीं, दूसरी ओर विपक्षी पार्टियों को केवल अपने परिवार के भरण पोषण की चिंता है। जनता के सुख-दुख से उन्हें कोई एहसास नहीं है, उनका राजनीतिक इतिहास और भूगोल परिवार से शुरू होकर परिवार में ही सिमट जाता है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन के प्रति पांचों घटक दलों के तमाम कार्यकताओं में काफी उत्साह का माहौल है। सभी कार्यक्रमों में उमड़ रहे हुजूम का आत्मविश्वास, उल्लास और अपार ऊर्जा 2025 में प्रचंड विजय का स्पष्ट संदेश देता है। 2025 में 225 और फिर से नीतीश के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने को लेकर एनडीए परिवार पूरी तरह से कमर कस चुकी है। उक्त मौके पर भाजपा के माननीय प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल, हम से के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अनिल कुमार, लोजपा आर के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी एवं रालोमो के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी, सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, विधानपार्षद विरेन्द्र नारायण यादव, एनडीए प्रदेश कार्यक्रम संयोजक एवं जदयू के प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी स्थापना चंदन कुमार सिंह सहित एनडीए के कई वरीय नेतागण उपस्थित रहे।

भीषण ठंड के कारण पटना में आठवीं तक के सभी स्कूल 23 जनवरी तक बंद

पटना। लगातार बढ़ती ठंड और शीतलहर को देखते हुए पटना के तमाम स्कूलों में शैक्षणिक गतिविधियों पर 23 जनवरी तक रोक लगा दी गई है। जिलाधिकारी डॉ चंद्रशेखर सिंह ने सभी सरकारी और निजी स्कूलों में कक्षा 1 से 8 तक की शैक्षणिक गतिविधियों पर 23 जनवरी तक रोक लगा दी है। अब स्कूल 24 जनवरी से खुलेंगे। आदेश के अनुसार कक्षा 1 से 8 तक की सभी कक्षाएं 23 जनवरी तक बंद रहेंगी। प्री-स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र भी बंद रहेंगे। जिलाधिकारी डॉ चंद्रशेखर सिंह ने मंगलवार को इस संबंध में आदेश जारी किया। इस आदेश से कक्षा नौ से ऊपर की कक्षाएं मुक्त रहेंगी। हालाँकि कक्षा 8 के ऊपर की कक्षाओं में शैक्षणिक गतिविधियों को सुबह 9 बजे से साढ़े 3 बजे तक खोलने के आदेश दिया गया है। इसके पहले रविवार को जिलाधिकारी ने स्कूलों को खोलने का आदेश दिया था। सोमवार से पटना जिले में सभी स्कूलों में शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन भी हो गया था। हालाँकि इसके बाद सोमवार से मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। सोमवार और मंगलवार यानी 20 और 21 जनवरी को पटना में न सिर्फ तापमान में गिरावट आई बल्कि कोहरे का असर भी देखा गया है। मौसम के इस बदलाव के बादही जिलाधिकारी ने एक बार फिर से कक्षा 8 तक की शैक्षणिक गतिविधियों पर 23 जनवरी तक रोक लगा दी है।

लोकतांत्रिक संस्थाओं में कार्यकुशलता को बढ़ाना होगा : बिरला

सम्मेलन 85वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन सत्र में बोलें लोस अध्यक्ष

प्रात : किरण

पटना। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विधानमंडलों के तकनीकी उन्नयन पर जोर देते हुए आज कहा कि बदलती टेक्नोलॉजी के इस युग में अपनी लोकतांत्रिक संस्थाओं में कार्यकुशलता को बढ़ाना होगा। श्री बिरला ने मंगलवार को यहां 85वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा, बदलती टेक्नोलॉजी के इस युग में हमें अपनी लोकतांत्रिक संस्थाओं में कार्यकुशलता को बढ़ाना होगा। मुझे खुशी है कि भारत की संसद दुनिया के सभी संसदों से टेक्नोलॉजी में आगे है। हम 22 आधिकारिक भाषाओं में से 10 में भाषांतरण कर रहे हैं। शीघ्र ही हम सभी 22 भाषाओं में यह सुविधा सदस्यों को उपलब्ध करायेंगे। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि संसद के अंदर सभी प्रकार के संसदीय कागजातों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से 10 क्षेत्रीय भाषाओं में सदस्यों को दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में भारत ही एक मात्र ऐसा लोकतंत्र है जिसमें सारी बहसों और चचाओं को एआई के माध्यम से फ्लोर लैंग्वेज के अलावा अधिकतम भाषाओं में अनुवाद की ओर बढ़ रहे हैं। श्री बिरला ने कहा कि लोकसभा की कुशलता और उत्पादकता बढ़ाने के लिए मेटा डेटा एवं अन्य उभरती प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा, संसद में हमने एआई के माध्यम से संसद भाषिणी के टूल्स बनाये हैं। हम उनको राज्यों के साथ भी साझा करेंगे ताकि राज्यों की विधानसभाओं में भी इनका उपयोग हो। चचाओं का डिजिटलीकरण होने से सदस्यों की कार्यक्षमता, कुशलता और उत्पादकता बढ़ेगी। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा के सदस्य पुरानी चचाओं का उपयोग करके सदनों में और अच्छा संवाद करेंगे। उन्होंने कहा, आज हम पटना की इस ऐतिहासिक धरती पर यह सामूहिक संकल्प ले रहे हैं कि हम अपनी लोकतांत्रिक संस्थाओं की कुशलता और दक्षता को बढ़ायेंगे, सदस्यों की कार्य क्षमता को बढ़ायेंगे ताकि हमारी लोकतांत्रिक संस्थाएं जनता के प्रति और जवाबदेह हो तथा उनकी अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को पूरा कर विकसित भारत के निर्माण का माध्यम बनेगी। श्री बिरला ने कहा कि पाटलिपुत्र शाश्वत भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का उद्गम स्थल, गौरवशाली इतिहास परंपरा एवं संस्कृति, ज्ञान, शिक्षा, सभ्यता और लोकतंत्र की जन्म एवं कर्मभूमि है। उन्होंने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि यह पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन निर्णायक होगा, यहां जो संकल्प लिये गये हैं

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

विश्व गौरैया दिवस 2025 की प्रतियोगिताओं के लिए शुभंकर "जुबी" का अनावरण

● हमारी गौरैया तथा एनवायरनमेंट वारियर्स ने इस वर्ष के विशेष थीम होप फॉर स्पैरो पर स्टिकर भी किया जारी

प्रात :किरण संवाददाता

पटना । हमारी गौरैया तथा एनवायरनमेंट वारियर्स टीम ने विश्व गौरैया दिवस 2025 के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए शुभंकर जुबी का अनावरण पटना में किया। विश्व गौरैया दिवस 2025 पर एक विशेष थीम ह्लहोप फॉर स्पैरोह्व अर्थात ह्लगौरैया के लिए आशाह्व भी रखा गया है। इसी को लेकर हमारी गौरैया के संयोजक संजय कुमार ने बताया कि इस वर्ष गौरैया संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहे है, जो गौरैया संरक्षण की दिशा में एक नई आशा के रूप में सामने आएगी। उन्होंने कहा कि गौरैया संरक्षण में जनभागीदारी जरूरी है,इसलिए यह अभियान अहम है ।

वहीं शुभंकर के बारे में एनवायरनमेंट वारियर्स के अध्यक्ष निशांत रंजन ने बताया कि यह शुभंकर समाज के हर वर्ग को जोड़ने का कार्य कर रहा है। शुभंकर को कोट और टाई में दिखया गया है, जो आज के कॉपरेट समाज के सहयोग तथा युवाओं में आत्मविश्वास को प्रदर्शित कर रहा है, पैरों में जूते इसे समाज के सतत विकास के साथ आगे बढ़ने और स्फूर्ति को प्रदर्शित करता है तो सर पर हरी टोपी, बच्चे और पर्यावरण संरक्षण से इसे जोड़ता है। सर पर लगे पंख संरक्षण में आने वाली चुनौती के प्रति सजगता को प्रदर्शित करती है।

इस मौके पर, शानू कुमार, निशान्धिता राज, अभिरूद्ध सिन्हा, अमित कुमार पांडेय, ऋषिकांत आर्या मौजूद थे. एनवायरनमेंट वारियर्स टीम ने बताया कि टीम के द्वारा अब से ले कर 20 मार्च 2025 तक 50 से अधिक जागरूकता कार्यक्रम और 120 से अधिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना सुनिश्चित किया गया है। जिसमें प्रमुख होंगे गौरैया ब्राउसर, पंपलेट स्पैरो बुक, गौरैया संबंधित कार्टून पोस्टर एवं वीडियो, वेस्ट से स्पैरो, स्पैरो सांग, गौरैया मास्क, गौरैया संरक्षण से संबंधित गेम, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, होपथोन,डोकोमेंट्री, चॉक आर्ट, क्ले आर्ट एंड रॉक पेंटिंग,नुक्कड़ नाटक आदि है।

महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने विभागाध्यक्षों के साथ की बैठक

प्रात :किरण संवाददाता

हाजीपुर।पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा मुख्यालय, हाजीपुर में विभागाध्यक्षों एवं अन्य अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की गयी । इस बैठक में महाप्रबंधक द्वारा उपलब्ध यात्री सुविधा, रेल संरक्षा सहित पूर्व मध्य रेल पर चल रहे यात्री सुविधा एवं आधारभूत संरचना के विकास से जुड़े कार्यों की समीक्षा की ।परियोजनाओं की समीक्षा के क्रम में महाप्रबंधक ने निर्माण परियोजनाओं तथा रेल विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने का दिशा-निर्देश दिया ।बैठक को संबोधित करते हुये महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने कहा कि गाड़ियों का समय-पालन, इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास एवं विस्तार, अमृत भारत स्टेशनों के कार्य में तेजी लाने, माल लदान, राजस्व में वृद्धि, स्वच्छता एवं कर्मचारी कल्याण हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। बैठक में मुख्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, अन्य उच्चाधिकारीगण उपस्थित थे । महाप्रबंधक ने संरक्षा सर्वोपरि के महत्व को रेखांकित करते हुए ठंड के मौसम में रेल परिचालन के प्रति अतिरिक्त सतर्कता बरतने का भी निर्देश दिया ।

संक्षिप्त खबरें

नीतीश यादव बने जन सुराज के जिला युवा अध्यक्ष

फतुहा। मंगलवार को जन सुराज जिला कार्यवाहक समिति के पदाधिकारियों की सूची जारी की गई। जन सुराज के पटना जिले के प्रभारी पूर्व डिप्यूटी कलेक्टर अनिल कुमार आर्या इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर बांकीपुर मछरियावां पंचायत के जफराबाद निवासी नीतीश यादव को जिला युवा अध्यक्ष बनाया गया। पार्टी के जिला युवा अध्यक्ष ने कहा कि युवाओं के आवाज को मजबूती देने का कार्य किया जाएगा और उनकी भागीदारी को मजबूती सुनिश्चित किया जाएगा। जन सुराज पार्टी के पटना जिला प्रभारी अनिल कुमार आर्या ने सभी पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की। इस अवसर पर समिति ने जन सुराज पार्टी की आगामी रणनीतियों और संगठन को मजबूत बनाने के लिए नए कार्यक्रमों की योजना पर भी चर्चा की।

ट्रेन से कटकर अधेड़ की मौत

मसौढ़ी !पटना गया रेलखंड के पोठही स्टेशन पर मंगलवार की सुबह ट्रेन से कटकर अधेड़ की मौत हो गई, मृतक की पहचान पुनपुन थाना क्षेत्र के बसुहार गांव निवासी गुरुचरण पासवान के 50वर्षीय पुत्र दिनेश पासवान के रूप में की गई है। इधर घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची तारेगना जीआरपी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

चोरी के बाइक के साथ एक युवक गिरफ्तार

दानापुर नगर के खगौल थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस ने दानापुर रेलवे स्टेशन के पास नेउरा रोड में विशेष वाहन चेकिंग के दौरान चोरी के बाइक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया। जिसकी पहचान शाहपुर थाना के सरारी खदलपुरा निवासी सरुराज आलम के रूप में किया गया। पुछताछ के आधार पर उसके घर से चोरी की एक और बाइक बरामद किया गया। बताया जाता है कि बीते रात पुलिस विशेष रूप से दानापुर रेलवे स्टेशन के पास नेउरा रोड में वाहन चेंकिग कर रही थी। इसी दौरान एक युवक बाइक से आते दिखा। पुलिस को देख वो बच कर भागना चाहा पर पुलिस ने उसे पकड़ लिया। छानबीन में बाइक चोरी का पता चला। पुछताछ के आधार एक और बाइक उसके घर के पास से बरामद किया गय। थानाध्यक्ष ने बताया कि वाहन चेकिंग के दौरान चोरी के बाइक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया। उसके निशान देही पर उसके घर से चोरी की दूसरी बाइक बरामद किया गया। है

पंचमुखी हनुमान जी की अनुकृति का कराया गया नगर भ्रमण

पटना सिटी, चार दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान के तहत दूसरे दिन मंगलवार को पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति की अनुकृति का नगर भ्रमण कराया गया। सैकड़ों की संख्या में महिलाएं और पुरुष नाचते, गाते, झूमते व जयकारा करते चल रहे थे। कीर्तन मंडली कीर्तन कर रही थी। शोभायात्रा में ऊंट, बैंड बाजा भी था। गायक-गायिका अपनी मधुर आवाज में श्री गणेश, हनुमान जी व अन्य देवी-देवताओं का भजन गा रहे थे। पुलिस प्रशासन की मौजूदगी ने नगर भ्रमण को सफल बनाया। इसका नेतृत्व कमेटी के अध्यक्ष रंजीत कुमार उर्फ गगु, संरक्षक रामजी मेहता, शंकर चौधरी, सीता सिन्हा, संजय सिंह आदि कर रहे थे। मीडिया प्रभारी अनिल रश्मि ने बताया कि बुधवार को प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी। इसमें सांसद सहित अनेक गण्यमान्य लोग उपस्थित रहेंगे।

मनसा पुरण देवी साईं शिव कृपा मंदिर के 15 वें वार्षिकोत्सव पर विशाल भंडारा कार्यक्रम का आयोजन

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। दानापुर क्षेत्र अंतर्गत राजाबाजार में मनसा पुरण देवी साईं शिव कृपा मंदिर के 15 वें वार्षिकोत्सव के दौरान विशाल भंडारा कार्यक्रम में साई आंगन के साई सेवक और सेविका कोशामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ। इस दौरान माँ मनसा पुरण देवी का दर्शन एवं पूजन का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ । दानापुर साई अगन के दीपू केशरी छोटे लाल संजय पाठक रामबाबू सोनू चंदन बंटी किट्टू दिलीप पप्पू शर्मा विजय अनिल नीरज अशोक पप्पू मालाकार अविनाश शानू मनदीप धीरज साई सेविका में बबली केशरी पूनम लाल शीतल गुप्ता और अन्य साई सेवक उपस्थित रहे इस भव्य आयोजन के लिए मंदिर समिति का हृदय से आभार। माँ मनसा देवी आप सभी की मनोकामनाओं को पूर्ण करें, यही कामना है ।

रोटरी सिटी सम्राट ने ऑपरेशन के बाद जरूरतमंदों को दिए कंबल

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

क्षेत्र में पड़ रही भीषण शीतलहर के मद्देनजर रोटरी क्लब ऑफ पटना सिटी सम्राट ने मारूफगंज, पटना सिटी, श्री बड़ी देवी स्थान परिसर में सामुदायिक कंबल वितरण शिविर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 500 असहाय और जरूरतमंद व्यक्तियों को कंबल वितरित किए गए। अध्यक्ष देवराज बल्लभ की अध्यक्षता में कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि प्रदेश भाजपा कार्यसमिति के सदस्य शिशिर कुमार, श्री बड़ी देवी जी मंदिर न्यास समिति के उपाध्यक्ष संत गोलवारा और कोषाध्यक्ष सुनील बंका द्वारा शिविर के उद्घाटन के साथ हुई। अध्यक्ष देवराज बल्लभ ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया और मानवता की सेवा के लिए क्लब की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। श्री शिशिर कुमार ने इस पहल की सराहना की और रोटरी को दुनिया भर में मानवता की सेवा में अग्रणी संगठन के रूप में स्वीकार किया। कार्यक्रम में रोटरी पटना सिटी सम्राट के सचिव देवेश नवाडिया और अन्य प्रमुख सदस्यों सहित सम्मानित अतिथियों ने भाग लिया। यह प्रयास रोटरी सिटी सम्राट के सामुदायिक सेवा के प्रति समर्पण और जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक प्रभाव पैदा करने के उसके अथक प्रयास का प्रमाण है। मंच संचालन दिनेश भदानी ने किया। मौके पर चार्टर अध्यक्ष विजय कुमार यादव, संजीव यादव, बीएन कपूर, संजय सिन्हा, राजेश कुमार, विनोद कुमार, संजय कुमार, ओम प्रकाश, राम कुमार, राजेन्द्र प्रसाद, भोला केशरी, जेपी जायसवाल, ललित अरोड़ा, नीतिन मुकेश, एमई हक, त्रिभुवन कुमार, नीरज कुमार आदि मौजूद रहे। विदित हो कि क्लब के द्वारा मोतियाबिंद से पीड़ित सैकड़ों आदि देकर मरीजों का निशुल्क ऑपरेशन कराने के बाद दवा, चश्मा आदि दे एक दिन पूर्व विदाई मरीजों को दी गई थी।

मादक पदार्थों की तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा पर क्षेत्रीय सम्मेलन

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। केंद्रीय गृह मंत्री की अध्यक्षता में मादक पदार्थों की तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा 11 से 25 जनवरी, 2025 तक हो रहे क्षेत्रीय सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण एजेंडा मादक पदार्थ का निपटान है। इस सम्बन्ध में केन्द्रीय अप्रत्यक्ष एवं सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा यह निर्देश दिया गया कि सीमा शुल्क विभाग के सभी क्षेत्रीय संरचनाओं को उपरोक्त अभियान के तहत एनडीपीएस का निपटान करना सुनिश्चित किया जाय। उपरोक्त अभियान के मद्देनजर डॉ यशोवर्धन पाठक, आयुक्त, सीमा शुल्क (निवारण) पटना के दिशा-पिंकी कुमारी, संयुक्त आयुक्त के नेतृत्व में, अन्य अधिकारीयों की मौजूदगी में सीमा शुल्क (निवारण) आयुक्तालय, पटना द्वारा नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (जब्सी, भंडारण, नमूनाकरण और निपटान) नियम, 2022 के तहत निर्धारित मौजूदा नियमों का पालन करते हुए हेरोइन 1.226 किलोग्राम (जप्ती मूल्य रु. 3,14,69,000/- तीन करोड़ चौदह लाख उनहत्तर हजार रुपये), गांजा 3835.682 किलोग्राम (जप्ती मूल्य रु. 7,74,09,260/- सात करोड़ चौहत्तर लाख नौ हजार दो सौ साठ रुपये), मेथाखालोन 1724 किलोग्राम, चरस 59.964 किलोग्राम (जप्सी मूल्य रुपये 25,23,900/- पचचीस लाख तेईस हजार नौ सौ रुपये) कुल 5620.897 किलोग्राम मादक पदार्थ (जप्सी मूल्य रु. 11,14,02,160/- ग्यारह करोड़ चौदह लाख दो हजार एक सौ साठ रुपये) का अनुमोदित स्थान मेसर्स संगम मेडिवेर्स प्रा. लि., बैरिया, पटना (क्रडः 14001ः 2015‸) में नष्टीकरण किया गया। ये सभी मादक पदार्थ की जब्तियाँ कुल 19 भिन्न मामलों में आसूचना महानिदेशालय के व क्षेत्रीय यूनिट, पटना, मुजफ्फरपुर एवं कस्ट्म पटना, हाजीपुर फारबिसगंज तथा मुजफ्फरपुर के अधिकारीयों के द्वारा जब्त किये गए थे। करीब पंद्रह घंटे तक चले उपरोक्त मादक पदार्थों के नष्टीकरण कार्यक्रम में सीमा शुल्क के अधिकारीगण के अलावे ड्रग डिस्पोजल कमिटी के सभी सदस्य उपस्थित र हे। नष्टीकरण की सम्पूर्ण प्रक्रिया का वीडियोग्राफी भी किया गया। विदित हो कि सीमा शुल्क पटना के आयुक्त के निदेर्शानुसार पूर्व में भी 28.10.2024 को प्रतिवंधित मादक पदार्थ गांजा लगभग 1051.77 किलोग्राम (जप्ती मूल्य रु. 3,24,87,000/-) (तीन करोड़ चौबीस लाख सत्तासी हजार), 53,570 स्टिक सिगरेट (जफी मूल्य रु. 9,92,000/-नौ लाख बानवे हजार) एवं 12,063 पैकेट मेडिसिन (जफी मूल्य रु. 21,69,850/- इक्कीस लाख उनहत्तर हजार आठ सौ पचास) को नष्ट किया गया था। डॉ यशोवर्धन पाठक, आयुक्त, सीमा शुल्क पटना ने बताया कि मादक पदार्थों का सेवन सिर्फ व्यक्ति ही नहीं बल्कि पूरे समाज को दुस्प्रभावित करती है। सीमा शुल्क (निवारण) आयुक्तालय पटना प्रतिबंधित मादक पदार्थों के तस्करी/खरीद-बिक्री एवं सेवन रोकने के लिए प्रतिबद्ध है और नियमित रूप से प्रतिबंधित मादक पदार्थों की जब्ती और निष्पादन कर रहा है।

रेलकर्मियों ने महाप्रबंधक के समक्ष रखीं अपनी समस्याएं

प्रात :किरण संवाददाता

हाजीपुर ।03 रेलकर्मी,उनके आश्रितों ने पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह से मुलाकात की तथा अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया । महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में केस निष्पादन के निर्देश दिए। विदित हो कि रेलकर्मियों की विभागीय समस्याओं के निष्पादन के उद्देश्य से महाप्रबंधक से मुलाकात हेतु प्रत्येक मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है। इसके लिए रेलकर्मी अपना नाम पूर्व में कार्मिक विभाग में पंजीकृत करवाकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकते हैं ।

एनएमसीएच में इंटर्न ने स्टाइपेंड न मिलने पर किया अनिश्चितकालीन हड़ताल

रजिस्ट्रेशन काउंटर को कराया बंद, एक दिन पूर्व मिलने पर समझाए थे अधीक्षक

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इंटर्न ने स्टाइपेंड न मिलने के विरोध में मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दिया है। पिछले चार-पांच माह से इन डॉक्टरों को उनका स्टाइपेंड नहीं मिला है। इससे वे आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इसे लेकर एक प्रतिनिधि मंडल सोमवार को अधीक्षक डॉप्रो अलका सिंह से मिला था और अपनी बात रखी थी इस पर उन्होंने कहा था कि न केवल स्वास्थ्य विभाग बल्कि अन्य विभागों का भुगतान भी नया सॉफ्टवेयर डेवलप होने के कारण लंबित है इसे फरवरी के दूसरे सप्ताह तक पूरा होने की बात कही गई है फिलहाल आप सभी धैर्य रखें ऐसा नहीं है कि अस्पताल प्रशासन ने आपका छात्रवृत्ति रोक रखा है।

इंटर्न डॉक्टर पिछले तीन-चार माह से लगातार सुपरिटेंडेंट कार्यालय से संपर्क कर रहे थे और अपनी समस्या रख रहे थे। लेकिन हर बार उन्हें सिर्फ एक-दो सप्ताह का समय देकर आश्वासन दिया जा रहा था। ऐसे में मजबूर होकर डॉक्टरों ने हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया। उन सबों का कहना है कि जब तक उनका लंबित स्टाइपेंड जारी नहीं किया जाता या उन्हें भुगतान की एक निश्चित तिथि नहीं दी जाती, वे काम पर वापस नहीं लौटेंगे। बताया जाता है कि सत्र सत्र 2019 चिकित्सा छात्र के हड़ताल के चलते अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ने की आशंका है। डॉक्टरों ने प्रशासन से अपील की है कि उनकी समस्याओं का जल्द समाधान निकाला जाए, ताकि वे अपने काम पर लौट मरीजों की सेवा जारी रख सकें। सेंट्रल इमरजेंसी के पास प्रदर्शन में डॉ शुभम पांडेय, डॉ तथागत, डॉ विशाल सिंह, डॉ सौरभ, डॉ ऋषय, डॉ निकिता, डॉ विश्व प्रकाश, डॉ वेद, डॉ शालिनी आदि शामिल थे।

अधीक्षक ने सभी विभागाध्यक्ष से इंटर्न की उपस्थिति मांगी

● सुरक्षा के बीच नया-पुराना 1841 मरीजों का बना पर्चा, 34 भर्ती

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में छात्रवृत्ति की मांग को लेकर सत्र 2019 के इंटर्न छात्र-छात्राएं मंगलवार से हड़ताल पर चले गए। हालांकि इंटर्न ने रजिस्ट्रेशन काउंटर को भी जबरन बंद करा दिया था। वहीं रजिस्ट्रेशन काउंटर का संचालन कर रहे एजेंसी के अमित कुमार ने इसकी सूचना अधीक्षक और उपाधीक्षक को दी। इसके बाद यहां सिक्योरिटी गार्ड की सुरक्षा में फिर से रजिस्ट्रेशन काउंटर को शुरू कराया गया। यही कारण रहा कि मंगलवार को नया 1732 और पुराना 109 पर्चा का नवीकरण किया गया। यानी कुल 1841 मरीज ने इस अस्पताल में चिकित्सकीय लाभ लिया। इस दौरान 34 मरीजों को इलाज के लिए भर्ती भी किया गया। दूसरी ओर अधीक्षक डॉप्रो अलका सिंह ने पत्रांक 219 सोमवार को जारी किया। इसमें उन्होंने कहा है कि इंटर्न छात्र-छात्राएं जो 2019 बैच के द्वारा हड़ताल पर जाने की सूचना दी गई है। इन लोगों की प्रतिदिन उपस्थिति अधोहस्ताक्षरी को विभागाध्यक्ष के द्वारा उपलब्ध कराई जाए। अपने-अपने विभाग में कार्यरत इंटर्न 2019 बैच की उपस्थिति विवरणी डेली नियमित रूप से उपलब्ध कराएंगे। किसी भी परिस्थिति से निबटने के लिए अपने अधीनस्थ डॉक्टर को भी अलर्ट रखेंगे। इंटर्न के एक सत्र के छात्रों के द्वारा हड़ताल किया गया, इस कारण से इसका बहुत असर चिकित्सा सेवा पर नहीं देखा गया। ओपीडी आंशिक रूप से बंद होने के बाद फिर से शुरू हो गया। हालांकि इस दौरान सबसे अधिक मरीज मेडिसिन के विभागाध्यक्ष डॉप्रो अजय कुमार सिन्हा के यहां 396, स्कीन वीडी में डॉ आरआरके राहुल ने 333, आर्थो में डॉप्रो ओमप्रकाश ने 164, आंख विभाग में डॉ ओजस्विता सिंह ने 145, ईएनटी में विभागाध्यक्ष डॉप्रो सत्येंद्र शर्मा ने 139 और सर्जरी में डॉ मनौव्वर अहसन ने 110 मरीजों को चिकित्सीय सलाह दिया। मगर सवाल यही उठता है कि करीब चार घंटे चलने वाले ओपीडी में 240 मिनट होता है। ऐसे में 396 और 333 मरीजों को कैसे देखा जा सकता है, यह सोचनीय विषय चिकित्सकों व अस्पताल प्रशासन के लिए निश्चित रूप से है।

प्रैक्टिकल परीक्षा से वंचित छात्राओं की परीक्षा व यूजी के सभी सेमेस्टर में नामांकन फ्री लेना होगा

● छात्रहित में आइसा का प्रतिनिधिमंडल छह सूत्री मांगों को ले प्राचार्य से मिला

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

आइसा ने आरपीएम कॉलेज में प्रैक्टिकल परीक्षा से वंचित छात्राओं का पुनः परीक्षा लेने व यूजी के सभी सेमेस्टर में नामांकन निःशुल्क हो, साथ ही लिए गए शुल्क वापस किया जाए सहित अन्य मांगों को लेकर प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा। विदित हो कि ऐसे अनेक मौके आए, जब प्राचार्य मेधावी छात्राओं की समस्याओं के प्रति लगातार असंवेदनशील बनी रहीं। समस्याओं को लेकर आइसा केंद्रीय अध्यक्ष नेहा ने कहा कि सार्वजनिक संस्थानों का निजीकरण कर डबल इंजन की सरकार समाज के शोषित व वंचित समाज से पहले से ही छिनने में लगी है। इधर प्राचार्य सरकार के इस साजिश में अपने को शामिल कर मेधावी छात्राओं का शोषण करती रही हैं। बिहार सरकार बेटियों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने की बात करती है, दूसरी तरफ पढ़ रही बेटियों को फीस वृद्धि, कॉलेज मेंटेनेंस चार्ज के नाम पर अवैध उगाही का प्रचलन बना दिया गया है। यहां तक कि कैंपस में प्रोफेसर की कमी बता कर कॉलेज प्रशासन द्वारा निजी प्रोफेसर को बुला कर शिक्षण संस्थान को संचालित करने की बात की जा रही है प्रतिनिधिमंडल में राज्य अध्यक्ष प्रीति कुमारी व सचिव सबीर कुमार, भाकपा माले सिटी के सचिव अनय मेहता, चौक सचिव मुजफ्फर आलम, राम नारायण सिंह, ऐपवा से राखी मेहता, राधा देवी, आरवाईए के नेता मुजफ्फर आलम, आशना कुमारी, इशिका कुमारी मौजूद रहे। गौरतलब है कि सत्र 2023-27 के तीसरे सेमेस्टर प्रैक्टिकल में अवैध शुल्क 300 रुपया लिया गया है। छात्राओं की समस्याओं को दूर करने के लिए पाटलिपुत्र विश्वविद्यायल के कुलपति को ज्ञापन सौंपा जाएगा। आज के कार्यक्रम में आइसा नेता सहित तनीषा, सोनी, मुस्कान, सिमरन, जूली आदि शामिल रहीं।

होंडा सिटी से टेट्रा पैक व रम के 12 बोतल, दो लाख की शराब बरामद

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

उत्पाद विभाग की टीम ने गोपालपुर थाना क्षेत्र के कनौजी गांव स्टेडियम रोड के पास से होंडा सिटी वाहन पर रहे विदेशी शराब और रम को जब्त किया है। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। साथ ही वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। यह जानकारी उत्पाद विभाग के सहायक आयुक्त प्रेम प्रकाश ने मंगलवार को दी। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद उत्पाद निरीक्षक अजीत कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन कर पटना-मसौढ़ी रोड में भेजा गया। इसी दौरान गोपालपुर थाना क्षेत्र के कनौजी गांव स्टेडियम रोड के पास वाहन की निगरानी की जा रही थी। तभी एक होंडा सिटी, जिस पर रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 01बीवी 2255 को रोक कर जांच किया गया। उस पर तीन लोग सवार थे। इस दौरान उक्त वाहन से 1146 टेट्रा पैक विदेशी शराब और 12 बोतल रम यानी कुल 213 लीटर शराब बरामद किया गया। जब्त शराब की कीमत करीब दो लाख रुपया आंकी गई है। वाहन पर सवार तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। गिरफ्तार लोगों में खेमनीचक रहने वाला मनीष कुमार, जगनपुरा का आदित्य पासवान और गोपालपुर थाना क्षेत्र के कनौजी बेईमान टोला का रहने वाला अशोक कुमार है। यह तीनों पूर्व में भी उत्पाद विभाग की टीम के द्वारा अवैध शराब के धंधे में लिप्त पाए जाने पर जेल भेजा जा चुका है। छापेमारी टीम में उत्पाद निरीक्षक अजीत कुमार के अलावा एएसआई शमशाद हुसैन, सिपाही शशि ऋषि व सुरेंद्र कुमार शामिल थे।

मत्स्य, विभाग ने सारण, खगड़िया, मधुबनी, सिवान एवं दरभंगा में संचालित केन्द्र एवं राज्य योजनाओं की प्रगति पर की समीक्षात्मक बैठक

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। सारण , खगडिया ,मधुबनी , सिवान , दरभंगा का निदेशक मत्स्य, बिहार, पटना की अध्यक्षता में राज्य एवं केन्द्र प्रायोजित योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक निदेशक, महोदय के कक्ष में आहूत की गई। सर्वप्रथम ठत्रछ्ह पर निबंधन संबंधित समीक्षा की गई।

निदेशक मत्स्य ने प्रत्येक प्रखंडवार लक्ष्य निर्धारित कर निबंधन करने का निदेश दिया। वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के राज्य एवं केन्द्र प्रायोजित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनाओं की समीक्षा की गई। निदेशक मत्स्य, के द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनान्तर्गत विभिन्न अवयवों की समीक्षा की गई। समीक्षा में जिला के उपलब्धि पर निदेशक मत्स्य द्वारा असंतोष प्रकट किया गया। तथा जिला मत्स्य पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनान्तर्गत सभी अवयवों का जनवरी माह के अंत तक पूरा करे। निदेशक महोदय के द्वारा निदेश दिया गया कि उक्त जिला अपने क्षेत्रीय प्रभारी (मत्स्य प्रसार पदाधिकारी एवं मत्स्य विकास पदाधिकारी) को शत-प्रतिशत आवेदन सृजित करने का निदेश दिया गया। साथ हीं टक्र ढङ्ग१३' पर लाभुकों की विवरणी उपलब्धि के अनुरूप सभी मत्स्य प्रसार पदाधिकारी एवं मत्स्य विकास पदाधिकारी को अद्यतन करने का निदेश दिया गया। नोडल पदाधिकारी, मत्स्य प्रसार पदाधिकारी, मत्स्य विकास पदाधिकारी एवं जिला मत्स्य पदाधिकारी, सारण, खगड़िया, मधुबनी, सिवान एवं दरभंगा एवं मत्स्य प्रसार पदाधिकारी, मत्स्य निदेशालय, परियोजना समन्वयक, पीएमयू उपस्थित थे।

85 वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन सत्र को उपमुख्यमंत्री ने किया संबोधित

राजनीति व विधायी विषयों के प्रति युवाओं में अभिरुचि बढ़ाने की जरूरत : विजय

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने 85वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सही मायने में लोकतंत्र की जननी यानी मदर ऑफ डेमोक्रेसी रहा है। आज जबकि देश में अपना संविधान लागू हुए 75 वर्ष होने को हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री की पहल पर इस साल को संविधान गौरव वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। इस अवसर को संविधान और संवैधानिक मूल्यों के प्रति सामूहिक कर्तव्य के पर्व के रूप में लेने का संकल्प हमें लेना है। इस कार्य में निश्चित रूप से हमारे विधायी संस्थाओं की भूमिका सबसे निर्णायक है। बीते 75 वर्षों में हमारी विधायिका ने संविधान में लिखे शब्दों को धरातल पर साकार करने में सराहनीय भूमिका निभाई है। आज जब हम 2047 में विकसित भारत बनाने के संकल्प के साथ बढ़ रहे हैं। ऐसे में हमें अपनी वैश्विक पहचान के साथ अपनी लोकतांत्रिक परिपाटी को भी सशक्त करना है।

कोई आवाज अनसुनी न रह जाए और कोई अपने अधिकारों से अछूता न रह जाए। कर्तव्य का दीया जलाकर यह कोशिश हमें करनी है। यही भाव संविधान पर आधारित सुशासन से सन्तुष्टिकरण तक की यात्रा को सफल बनाएगा। हमारे युवाओं और हमारी नारी शक्ति की अभिरुचि राजनीति तथा विधायी विषयों में बढ़े। इस दिशा में भी हमें सामूहिकता प्रयास करना होगा। क्योंकि यही भावी भारत में लोकतंत्र के असली चालक होंगे। सदन के अंदर और बाहर हमारा आचरण, हमारा व्यवहार लोकतांत्रिक मयार्दा और मूल्यों के अनुरूप हो तभी हम अपनी भावी पीढ़ी को प्रेरित कर पाएंगे। तभी हमारे देश और राज्य की श्रेष्ठतम प्रतिभाएं राजनीति में आएंगी। और तभी देश के संसाधनों का इष्टतम उपयोग और इष्टतम लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा। एक तरफ हमारे पास सदियों से चली आ रही अपनी समृद्ध लोकतांत्रिक विरासत है और दूसरी तरफ भव्य भारत बनाने का सामूहिक संकल्प। भूत की विरासत और भविष्य के वैभव को हमें अपने वर्तमान के व्यवहार से जोड़ना होगा। इसके लिए श्रद्धेय अटल जी की ये पंक्तियां हमारे लिए प्रेरणा की मशाल हो सकती हैं- उजियारे में, अंधकार में, कल कहार में, बीच धार में,घोर घृणा में, पूत प्यार में,क्षणिक जीत में, दीर्घ हार में, जीवन के शत-शत आकर्षक,अरमानों को ढलना होगा। कदम मिलाकर चलना होगा।

नीतीश कुमार का विकास मॉडल चुनावी जीत की गारंटी: दिलीप

सीवान में एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में पांचों घटक दलों के प्रदेश अध्यक्ष का जुटान

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल सहित एनडीए घटक दलों के सभी प्रदेश अध्यक्षों ने सीवान में आयोजित एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में हिस्सा लिया। सभी ने स्वर में स्वर मिलाते हुए कहा कि इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में हम जीतेंगे और प्रदेश में फिर से एनडीए की सरकार बनेगी। इस सम्मेलन के जरिए सभी घटक दलों के कार्यकर्ताओं ने एकजुटता दिखाते हुए बूथ स्तर तक इस गठबंधन को मजबूत बनाने का विश्वास अपने अध्यक्षों को दिया। इस संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन में एनडीए के कई सांसद, विधायक और विधान पार्षद भी शामिल हुए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी पार्टी है जिसमें आंतरिक लोकतंत्र है, जो परिवारवाद और वंशवाद से दूर है और जिसकी बुनियाद सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, अंत्योदय और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की विचारधारा है।उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपने विचारों के प्रति समर्पित देश सेवा एवं गरीब कल्याण के लक्ष्य के साथ काम करने वाली पार्टी है। उन्होंने एनडीए कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज इसी गरीब कल्याण के लक्ष्य को लेकर केंद्र में नरेंद्र मोदी और प्रदेश में नीतीश कुमार की सरकार आगे बढ़ रही है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि इस साल होने वाले चुनाव में भी एनडीए जीतेगी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में फिर से एनडीए की सरकार बनेगी। भाजपा के अध्यक्ष ने कहा कि नीतीश कुमार के विकास मॉडल की चर्चा आज देशभर में होती है। इस साल होने वाले चुनावी रण में हम पांचों दल ह्यपांडवह्ल की तरह असत्य के सहारे और भ्रम फैलाकर राजनीति करने वाले कौरवों को धाराशयी करेंगे। लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने कहा कि बिहार आज एनडीए के नेतृत्व में विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। हम के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव न केवल एनडीए के लिए बल्कि बिहार के लिए अहम है। रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी ने भी एनडीए कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा कि हम सब एक हैं और आने वाले चुनाव में यह एकता विरोधियों को परास्त करने के लिए काफी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह एकता हमें बूथ स्तर तक दिखनी चाहिए।

पीएम मोदी सामाजिक न्याय के नए मसीहा हैं : निखिल आनंद

पटना। भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ निखिल आनंद ने पिछड़े वर्गों के हित में पीएम नरेंद्र मोदी सरकार के कामों की प्रशंसा करते हुए कहा कि एनसीबीसी को संवैधानिक दर्जा देना, नीट में ओबीसी को आरक्षण, ओबीसी के लिए वेंचर कैपिटल फंड, और कपूर्री ठाकुर जी को भारत रत्न देना जैसे फैसलों ने साबित कर दिया है कि हमारे पीएम नरेंद्र मोदी जी भारत में सामाजिक न्याय के नए मसीहा हैं। निखिल आनंद ने बयान जारी कर कांग्रेस और राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा, कांग्रेस एक घोर ओबीसी विरोधी पार्टी है और जब भी एससी, एसटी, ओबीसी के सामाजिक न्याय की बात आती है तो कांग्रेस अपने अतीत से आजतक बदनाम है। राहुल गांधी दलित- पिछड़ों के हित और विकास में किए गए किसी भी काम का श्रेय नहीं ले सकते और हवाबाजी भरे बयान देकर झूठला नहीं सकते हैं। बिहार में जाति जनगणना तो एनडीए सरकार का सामूहिक निर्णय था जिसमें भाजपा भागीदार रही है। राहुल गांधी इसमें अपना मुफ्त का श्रेय लूटने की कोशिश ना करें। निखिल आनंद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी नरम-हिंदुत्व और नरम-राष्ट्रवाद की राजनीति करके बुरी तरह विफल रही है, अब राहुल गाँधी अपना अस्तित्व बचाने के लिए सपा, राजद, बसपा, द्रमुक जैसे दल को क्षेत्रीय आधार पर घेरकर खत्म करने के इरादे से सामाजिक न्याय की राजनीति का हवाबाजी भरा प्रयास कर रहे हैं। राहुल गांधी की राजनीति से सपा, बसपा, राजद द्रमुक जैसी पार्टियों और उनके नेताओं को चिंता और परेशानी होनी चाहिए।

भाजपाई आतंक की राजनीति बिहार में नहीं चलने वाली : भाकपा माले

पटना। भाकपा-माले केंद्रीय कमिटी सदस्य और विधायक दल के उपनेता सत्यदेव राम ने भाजपा नेता प्रेम कुमार के बयान की भर्त्सना करते हुए कहा कि जन मुद्दों और वंचितों के न्याय के सवाल पर भाकपा-माले के बढ़ते आंदोलन से भाजपा नेता तिलमिला गए हैं। भाकपा-माले महासचिव के बयान पर उनकी प्रतिक्रिया भाजपा की बौखलाहट को ही उजागर करती है। सत्यदेव राम ने स्पष्ट किया कि भाजपा की राजनीति बिहार में अब नहीं चलने वाली है और जनता ने इस सत्ता की मंशा को पहचान लिया है। सत्यदेव राम ने आगे कहा कि बिहार के मगध क्षेत्र में हाल ही में दलितों और वंचित समुदायों पर हमले तेज हुए हैं। इनमें मुसहर-मांझी समुदाय को खास तौर पर निशाना बनाया गया है। उन्होंने बताया कि गया जिले के टिकारी में संजय मांझी का हाथ काट दिया गया था, जबकि खिरजसराय प्रखंड में एक मुसहर व्यक्ति की महज 100 रुपए बकाया मजदूरी मांगने पर हत्या कर दी गई। भाकपा-माले नेता ने यह भी कहा कि बिहार की जनता संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष में जुटी हुई है और बिहार संघर्ष में अग्रिम मोर्चे पर खड़ा है। सत्यदेव राम ने विश्वास जताया कि बिहार की जनता ने भाजपा-जदयू के 20 वर्षों के कुशासन से मुक्ति का संकल्प ले लिया है और अब इस राज्य में भाजपा की आतंक की राजनीति को चलने नहीं दिया जाएगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले शाहनवाज

पटना। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। सपरिवार मुलाकात के दौरान शाहनवाज हुसैन की पत्नी रेणु हुसैन ने राष्ट्रपति को भागलपुर की सिल्क की साड़ी भेंट की। वरिष्ठ भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात के बाद कहा कि महामहिम से उनकी अत्यंत आत्मीय और स्नेहसिक्त मुलाकात हुई। राष्ट्रपति ने अत्यंत सहृदयता से उनकी पत्नी द्वारा भेंट की गई भागलपुर की सिल्क की साड़ी को स्वीकार किया और इसकी गुणवत्ता की तारीफ की।

नीतीश कुमार ने बदली बिहार की तस्वीर : हिमराज

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता श्री हिमराज राम ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई बिहार विकास की नई गाथा लिख ऊंचाईयों को छू रहा है। सोशल मीडिया के माध्यम से दर्शकों से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के शासनकाल में बदहाल बिहार को संवारकर राज्य की तस्वीर और तकदीर को बदलने का काम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया है। उन्होंने कहा कि अपनी प्रगति यात्रा के दौरान किशनगंज जिले में विकास कामों के लिए सैंकड़ों करोड़ों की सौगात से जिले में विकास को नए पंख लगेंगे जिससे लोगों का जीवन आसान हो सकेगा। पार्टी प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार में बिहार में चाहे सडक संपर्कता हो, शिक्षा हो, सरकारी नौकरी और रोजगार हो, स्वास्थ्य क्षेत्र हो, हर घर शुद्ध नल का जल पहुंचाने की बात हो उन्होंने राज्य में हर क्षेत्र में विकास करने का काम किया है

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध : चिराग

केन्द्रीय मंत्री ने दाओस में कोका कोला के सीओओ हेनरिक ब्राउन से की बातीचीत

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने स्विट्जरलैंड के दावोस में कोका कोला के सीओओ हेनरिक ब्राउन के साथ भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को और सशक्त बनाने और उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सार्थक चर्चा हुई। साथ ही खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को मजबूत करने और स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने पर भी चर्चा हुई। परस्पर सहयोग के माध्यम से हम भारतीय उद्योग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए काम करेंगे। हम सभी भारत के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भी अपनी अहम भूमिका निभाने के लिए तैयार है। इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दी।

अतिपिछड़ों का अपमान लालू प्रसाद की मूल प्रवृतिः मंगल

पटना। स्वास्थ्य एवं कृषि मंत्री मंगल पाण्डेय ने कहा कि भारत रत्न से सम्मानित जननायक कपूर्री ठाकुर के सच्चे अनुयायी बनने की होड़ में राजद किसी से पीछे नहीं रहना चाहता है, जबकि हकीकत है कि कपूर्री जी के जीवनकाल में भी राजद प्रमुख लालू प्रसाद उन्हें अपमानित करने का कोई मौका नहीं छोड़ते थे। आज भ्रष्टाचार, वंशवाद व परिवारवाद के प्रतीक राजद का कपूर्री के नाम पर राजनीति करना हास्यास्पद है। श्री पांडेय ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गरीबों के मसीहा जननायक कपूर्री को विगत साल भारत रत्न से सम्मानित कर जहां बिहार का मान बढ़ाया वहीं लालू प्रसाद ने कभी उन्हें सरकारी आवास से विधान सभा आने के लिए अपनी जीप देने से मना कर दिया था। आज उन्हीं की पार्टी अपनी राजनीति के लिए कपूर्री जी का नाम रटते नहीं थकती है

नौकरी और रोजगार के साथ खिलवाड़ कर रही सरकार : एजाज

पटना। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता से डबल इंजन की सरकार कार्य कर रही है, में नहीं दिया गया, जितना तेजस्वी ने महागठबंधन कार्य किया है। महागठबंधन सरकार ने साढे 5 रिक्तियां तेजस्वी छोड़ कर आए थे उसको अब की नौकरी और रोजगार के साथ खिलवाड़ कर रसातल में ले जाने का लगातार प्रयास चल रहा है शामिल है जो नहीं चाहते हैं कि नौजवानों को एजाज अहमद ने कहा कि बिहार में 20 वर्षों लेकिन उतना नौकरी और रोजगार इन 20 वर्षों सरकार के माध्यम से 17 महीने में देने का लाख के करीब नौकरियां दी और 3: 50 लाख तक भरा नहीं गया है। बिहार सरकार नौजवानों रही है। कहीं ना कहीं नौजवानों के भविष्य को क्योंकि बिहार में नफरत फैलाने वाले सरकार में नौकरी और रोजगार मिले।

खेल शिष्टाचार की भावना को बढ़ाता है : रहमानी

एमजीएम फामेर्सी कॉलेज द्वारा टूनार्मेंट का हुआ उद्घाटन

पटना। एमजीएम कॉलेज ऑफ फामेर्सी और आईपीए-एसएफ बिहार शाखा के संयुक्त तत्वावधान में इंटर फामेर्सी कॉलेज टूनामैर्नेट का उद्घाटन खगौल के जगजीवन स्टेडियम में किया गया । टूनार्मेंट का उद्घाटन कांग्रेस नेता सह पूर्व चेयरमैन मिन्नत रहमानी के द्वारा किया गया । इस मौके पर मिन्नत रहमानी ने कहा कि क्रिकेट समेत सभी खेल जाति धर्म से ऊपर उठकर एकता और शिष्टाचार का संदेश देता है । इस तरह के आयोजन से छात्रों का कॉन्फिडेंस बढ़ता है और खेल के साथ साथ पढ़ाई में भी रुचि बढ़ती है । पहले दिन बिहार कॉलेज ऑफ फामेर्सी और मगध इंस्टीट्यूट ऑफ फामेर्सी के बीच आयोजित क्रिकेट मैच में बिहार कॉलेज ऑफ फामेर्सी ने 5 रन से जीत हासिल की। इस अवसर पर मैच के मुख्य आयोजक आईपीए-एसएफ बिहार ब्रांच के सचिव रवींद्र लाल बनर्जी और एमजीएम कॉलेज ऑफ फामेर्सी की प्रिंसिपल डॉ. अर्चना भी मौजूद रहीं। मैच का संचालन बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के अंपायर सुनील और उनकी टीम ने किया। इस दौरान मैच का कमेंट्री कार्यभार संभाला हिमांशु कुमार ने, जिन्होंने अपने बेहतरीन कमेंट्री से छात्रों को रोमांचित किया।

प्राण प्रतिष्ठा के दूसरे दिन रामलला ने किया अन्न, पुष्प, फल व घी में शयन

पटना। पंचरूपी हनुमान मंदिर राजवंशी नगर में भगवान रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दूसरे दिन अयोध्या से आये आचार्यो ने विशेष पुजा अर्चना की। इस दौरान यज्ञमान बने मंदिर न्यास समिति के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रतिष्ठा पूजा के दौरान पूजा अर्चना व हवन किया। अयोध्या से आये आचार्य अभय तिवारी ने बताया कि उनके साथ आये गौरव शुक्ला, शिवेश पांडेय, चन्द्रशेखर दुबे, मुकेश पांडेय, नीतेश पांडेय व राहुल झा टीम ने अयोध्या राममंदिर की आवाहन विधि से पहले गौरीगणेश की पूजा की उसके बाद सोमवार को जल में शयन कर रहे रामलला की प्रतिमा को बारी बारी से अन्नाधिवास, फिर पुष्पाधिवास, धृताधिवास, फलाधिवास व द्रव्याधिवास कराया गया। इस दौरान भगवान के आवाह्न से संबंधित विशेष पूजा अर्चना व हवन कराया गया। मंदिर में सजावट व अन्य व्यवस्था के संबंध में मंदिर के न्यास समिति के सदस्य व मीडिया प्रभारी आलोक कुमार व मुख्य पुजारी संतोष तिवारी ने बताया कि रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर मंदिर को विशेष फूलों से सजाया गया और पंचरूपी हनुमान जी की भी विशेष पूजा अर्चना की गयी। शाम के समय मंदिर में भक्तों के बीच हलवा प्रसाद विरण किया गया। इस मौके पर मंदिर न्यास समिति के सदस्य प्रेम कुमार, आलोक कुमार भगवान राम, कार्यालय प्रभारी ओमप्रकाश शर्मा, सुरेन्द्र दुबे,पुजारी राजेश झा, अजय झा, शिवकांत झा, बिरजु मिश्रा, धीरज दुबे, संजीव रंजन, रामवली प्रसाद, सुनील कुमार, विपीन कुमार सहित बड़ी संख्या में सहयोगी मौजूद रहे।

बिजली बिल अपडेट या जमा करने के नाम पर न्यूनतम राशि का रिचार्ज कराने वाले साइबर ठगों से रहें सावधान

शिकायत संबंधित स्थानीय बिजली कार्यालय में तुरंत दर्ज कराएं : सचिव

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बीएसपीएचसीएल के सीएमडी पंकज कुमार पाल ने उपभोक्ताओं को बिजली बिल जमा करने अथवा अपडेट के नाम पर न्यूनतम राशि का रिचार्ज कराने वाले साइबर ठगों से सावधान रहने का अनुरोध किया है। श्री पंकज कुमार पाल ने उपभोक्ताओं को आगाह करते हुए कहा कि बिजली विभाग कभी भी इस तरह के रिचार्ज की मांग नहीं करता। बिजली से संबंधित जानकारी जैसे खपत या बैलेंस की सूचना केवल विभाग की आधिकारिक वेबसाइट, सुविधा ऐप के जरिए ही दी जाती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी उपभोक्ता को इस तरह का कोई कॉल या मैसेज मिलता है तो वह तुरंत सतर्क हो जाए और किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें। श्री पाल ने कहा कि इस तरह की घटनाओं की शिकायत संबंधित स्थानीय बिजली कार्यालय में तुरंत दर्ज कराएं। विभाग ने सभी कार्यालयों को निर्देश दिया है कि वे इन फर्जी कॉल करने वाले नंबरों की सूची तैयार करें ताकि साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके। पिछले कुछ महीनों में बिहार के कई हिस्सों से इस प्रकार की ठगी की घटनाएं सामने आई हैं। इसे गंभीरता से लेते हुए बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड ने उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान शुरू किया है। विभाग अखबारों, सोशल मीडिया, माइकिंग, और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से उपभोक्ताओं को ठगों के बदलते तरीकों के बारे में जानकारी दे रहा है। इसके साथ ही, विभाग की ओर से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि उपभोक्ता केवल आधिकारिक पोर्टल और ऐप का उपयोग करें।

साइबर ठगों की चाल से रहें सतर्क

क्या आपको बिजली विभाग से यह मैसेज या कॉल आया है कि बिजली अपडेट के लिए 10 रुपये या न्यूनतम राशि का रिचार्ज कराएं ? यदि हां, तो सतर्क हो जाएं। यह साइबर ठगों की नई चाल है, जो आपको अपने जाल में फंसाकर आपके बैंक अकाउंट से मोटी रकम निकालने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले कुछ समय से राजधानी पटना और बिहार के विभिन्न हिस्सों में साइबर अपराधियों द्वारा बिजली विभाग के नाम पर ठगी की घटनाएं बढ़ी हैं। पहले यह ठग रात में बिजली काटने की धमकी देकर उपभोक्ताओं को लिंक भेजते थे, जिसे खोलने पर अकाउंट से बड़ी राशि निकल जाती थी। अब उन्होंने एक नया तरीका अपनाया है। बिजली उपभोक्ताओं को कॉल या मैसेज के जरिए यह कहा जाता है कि बिजली से संबंधित अपडेट के लिए एक न्यूनतम राशि का रिचार्ज करना होगा। इस प्रक्रिया में ठग एक अनजान लिंक भेजते हैं, जिसे क्लिक करने पर उपभोक्ताओं का बैंक खाता खाली हो सकता है।

बाढ़ से सुरक्षा और सिंचाई के आधुनिकीकरण के लिए एकीकृत योजना तैयार

विश्व बैंक के विशेषज्ञों के साथ तीन विभागों के अधिकारियों की हुई संयुक्त बैठक

पटना। बिहार में बाढ़ से सुरक्षा और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए जल संसाधन विभाग एक समग्र दृष्टिकोण के साथ कई योजनाओं को एक साथ कार्यान्वित करने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए बिहार जल सुरक्षा एवं सिंचाई आधुनिकीकरण परियोजना तैयार की गई है, जिसमें कई तटबंधों के उच्चीकरण व सुदृढ़ीकरण, बराजों के आधुनिकीकरण, नहरों के पुनर्स्थापन तथा पक्कीकरण और नदियों के गाद प्रबंधन सहित कई तरह की योजनाओं को शामिल किया गया है। इसके लिए ऋण जारी करने के मुद्दे पर विश्व बैंक द्वारा 21 से 24 जनवरी तक प्री-अप्रेजल मिशन प्रस्तावित है। इस संदर्भ में सिंचाई भवन, पटना में मंगलवार को विश्व बैंक के विशेषज्ञों के साथ बिहार सरकार के जल संसाधन विभाग, कृषि विभाग और ग्रामीण कार्य विभाग के पदाधिकारियों की एक संयुक्त बैठक हुई, जिसमें सिंचाई आधुनिकीकरण परियोजना में शामिल योजनाओं से होने वाले लाभ के साथ-साथ इसके लिए विश्व बैंक से ऋण लेने से पूर्व की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। परियोजना निदेशक के रूप मे बैठक की अध्यक्षता जल संसाधन विभाग के योजना एवं मॉनीटरिंग के मुख्य अभियंता श्री संजय कुमार ओझा ने की। जल संसाधन विभाग द्वारा तैयार एकीकृत बिहार जल सुरक्षा और सिंचाई आधुनिकीकरण परियोजना का उद्देश्य राज्य में नदी जल का बेहतर प्रबंधन करते हुए सिंचाई सेवाओं को और सुदृढ़ करना और बाढ़ से सुरक्षा को अधिक पुख्ता बनाना है। इस पर विचार के लिए हुई संयुक्त बैठक में प्रदर्शन आधारित वित्तपोषण को लागू करने पर जोर दिया गया, ताकि परियोजनाओं का समय पर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को ध्यान में रखते हुए जल प्रबंधन के आधुनिक उपकरणों और तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

बैरिया में कचरे के निष्पादन के साथ रहेगी ग्रीनरी

नगर आयुक्त ने डम्पिंग यार्ड का किया निरीक्षण

पटना। नगर आयुक्त एवं अन्य वरीय पदाधिकारियों ने मंगलवार को पटना नगर निगम के डम्पिंग यार्ड, रामचक बैरिया का निरीक्षण किया । नगर आयुक्त द्वारा स्थल निरीक्षण के दौरान संतोषजनक स्थिति पाई गई। नगर आयुक्त द्वारा निर्देश दिया गया है कि स्थल पर ग्रीनरी भी हो जिससे स्थल बेहतर नजर आए। नगर आयुक्त द्ववारा रामचक बैरिया के डम्पिंग साईट पर धर्मकांटा (वेईंग ब्रिज) के चारों ओर प्लेटफॉर्म, एप्रोच सिमेंट कंक्रीट रोड भाग-ए एवं भाग-बी, दो अग्नि(जल) हाड्रेन्ट का अधिष्ठापन, शेड का निर्माण एवं पशु शवदाह गृह का निरीक्षण किया गया। संबंधित कर्मियों को निरंतर अपशिष्ट पदार्थों का नियमानुसार प्रसंस्करण के लिए कार्रवाई करने का निदेश दिया गया। इसके साथ ही स्थल पर पर्याप्त रोशनी के लिए हाई मास्ट लाइट लगाने का भी निर्देश नगर आयुक्त द्वारा कार्यपालक अभियंता विद्युत को दिया गया। इसके साथ ही वॉटर स्प्रिंकलर द्वारा निरंतर पानी का छिड़काव करते रहने के लिए भी मशीन उपलब्ध करवाने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के क्रम में नगर आयुक्त, पटना नगर निगम अनिमेष कुमार पराशर, अपर नगर आयुक्त राजन सिन्हा, कार्यपालक अभियंता, नगर प्रबंधक एवं नगर निगम के अन्य कर्मी भी उपस्थित थे।

पटना में तीन फाइव स्टार होटल निर्माण हेतु प्री-बिड बैठक का हुआ आयोजन

देश के प्रतिष्ठित निवेशकों ने बैठक में व्यक्तिगत के साथ ऑनलाइन लिया भाग

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

राजधानी पटना में तीन नए पांच सितारा होटलों के निर्माण हेतु मंगलवार को प्री-बिड बैठक का आयोजन किया गया। पर्यटन सचिव लोकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम कार्यालय में आयोजित बैठक में देश के प्रतिष्ठित होटल निर्माण सहित अन्य निर्माण निवेश कंपनियों ने बैठक में व्यक्तिगत और ऑनलाइन भाग लिया। सचिव ने सभी निवेशकों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में पर्यटकों की बढ़ती संख्या और बेहतर औद्योगिक वातावरण को ध्यान में रखते हुए राजधानी के तीन सबसे महत्वपूर्ण स्थलों पर फाइव स्टार होटल का निर्माण किया जाना है। बिहार सरकार सभी निवेशकों का स्वागत करती है और होटल निर्माण के साथ ही उसके आगे संचालन में भी सभी आवश्यक मदद करेगी। सचिव ने सभी निवेशकों के निविदा से जुड़े सवालों को ध्यान से सुना और अगले दो दिनों का वक्त भी निवेशकों को दिया ताकि वे अपने सवालों को ऑनलाइन भी विभाग को उपलब्ध कराएं। इसके उपरांत उनके सभी सवालों को हल करते हुए निविदा की आगे की प्रक्रिया को सुचारू रूप से पूरा किया जाएगा। बैठक में प्रबंध निदेशक, बीएसटीडीसी नंदकिशोर ने सभी निवेशकों का स्वागत किया और एक प्रजेंटेशन के माध्यम से उनको होटल निर्माण के संबंध में पूरी जानकारी दी। निवेशकों को जानकारी देते हुए बताया गया कि लोक निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड पर तीन 5-स्टार होटलों के निर्माण हेतु राज्य कैबिनेट की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

इसके उपरांत बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम ने पर्यटन विभाग की ओर से पटना में होटल पाटलिपुत्र अशोक, बांकीपुर बस स्टैंड एवं सुल्तान पैलेस परिसर की भूमि पर के लिए डेवलपर्स के चयन हेतु ई-निविदा प्रकाशित की गई है। होटल पाटलिपुत्र अशोक, बीरचंद पटेल पथ, पटना स्थित 1.50 एकड़ भूमि, सुल्तान पैलेस परिसर, बीरचंद पटेल पथ, पटना की 4.89 एकड़ भूमि और बांकीपुर बस स्टैंड परिसर, पटना की लगभग 3.24 एकड़ भूमि पर पाँच सितारा श्रेणी के होटल का विकास, संचालन और रखरखाव होगा। निविदा प्रक्रिया के माध्यम से चयनित डेवलपर्स को 90 वर्षों के लिए लीज अधिकार प्रदान किए जाएंगे, शुरूआती 60 वर्षों के अतिरिक्त 30 और वर्षों के लिए स्वचालित रूप से नवीनीकृत किया जा सकेगा। इस बैठक में महाप्रबंधक, मुख्य अभियंता बीएसटीडीसी सहित विभागीय पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
जल विज्ञान प्रमंडल 01,
बिहार सरकार
जल संसाधन विभाग,तीसरी मंजिल,जल संसाधन भवन
पत्रांक– 60 /पटना
अनिसाबाद,पटना
Email ID- exeenghydrology1@gmail.com

अति अल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्या– 02/2024–25

कार्यालय उपयोग के लिए विभिन्न उपकरणों के कय एवं अधिष्ठापन हेतु मुहरबन्द कोटेशन निम्नरुपेण आमंत्रित किया जाना है:–

1. कोटेशन आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम :– कार्यपालक अभियंता, जल विज्ञान प्रमंडल–1, अनिसाबाद, पटना–02.
2. कोटेशन प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक 28.01.2025 को अपराह्न 03:00 बजे तक।
3. कोटेशन प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, जल विज्ञान प्रमंडल–1, जल संसाधन भवन, ब्लौक– "A", कमरा संख्या– 302, अनिसाबाद, पटना–02.
4. कोटेशन खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 28.01.2025 के अपराह्न 03:30 बजे।

कार्यपालक अभियंता, जल विज्ञान प्रमंडल–1, अनिसाबाद, पटना हेतु कय किये जाने वाले उपकरणों की विस्तृत जानकारी state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

(ई0 योगेन्द्र पंडित)
कार्यपालक अभियंता।

PR- 017588 (WRD) 2024-25

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

एसएसबी के जवानों को मिली बड़ी सफलता : भारतीय व नेपाली जाली नोट के साथ एक व्यक्ति को किया गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर भारत नेपाल बॉर्डर पर तैनात 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल जयनगर के जवानों को मिली भारत नेपाल सीमा पर बड़ी सफलता क्षेत्र में जाली नोट रुपैया के साथ किया एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। सीमावर्ती इलाको मे हो रहे मानव तस्करी जाली मुद्रा हथियारो की तस्करी एवं अन्य अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए गोविंद सिंह भण्डारी कमांडेंट 48वी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के द्वारा चलाये जा रहे अभियान को और भी तेज कर दिया गया है और कार्रवाई भी की जा रही है और कई कामयाबी भी मिल रही है। इसी क्रम में सीमा क्षेत्रो मे जवानो द्वारा लगातार नाका एवं गस्त किया जा रहा है तथा वाहिनी का आसूचना विभाग भी सीमा पर मुस्तैद है। इसी आलोक मे दिनांक 20 जनवरी रविवार को समय लगभग 20:30 बजे 48वी वाहिनी जयनगर के कार्यक्षेत्र भारत-नेपाल सीमा चौकी कमला के जिम्मेवारी के इलाके मे एस एस बी के जवानो को एक बड़ी कामयाबी मिली है। वाहिनी के आसूचना विभाग की गुप्त सूचना के आधार पर तत्काल कार्यवाही करते हुये गोविंद सिंह भण्डारी कमांडेंट 48वी वाहिनी जयनगर के निर्देशन में एक टीम का गठन किया गया। टीम की नेतृत्व निरीक्षक भगवान सहाय मीणा एवं अन्य जवानों के साथ की गयी कार्रवाई में सीमा स्तम्भ संख्या 271/01 से लगभग 2 किलोमीटर एवं जयनगर के थाना क्षेत्र से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर भारतीय क्षेत्र मे एक संदिग्ध व्यक्ति को भारतीय एवं नेपाली जाली मुद्रा के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति के पास से जप्त की गई जाली नोटो रुपैया में भारतीय जाली मुद्रा एफ आई सी एन नोटस 23,300 और भारतीय मुद्रा ओरिजनल 2,200 एवं नेपाली जाली मुद्रा एफ आई सी एन नोटस 53,000 बरामद किया गया। नोटो के साथ गिरफ्तार किए गए संदिग्ध व्यक्ति का की पहचान मधुबनी जिला क्षेत्र के कलुआही थाना क्षेत्र लक्ष्मीपुर दातुर निवासी 36 वर्षीय (प्रभात यादव) बताया जाता है। जब्त की गयी जाली मुद्रा एवं गिरफ्तार संदिग्ध व्यक्ति को आगे की कार्रवाई हेतु जयनगर थाना पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया है। भारत नेपाल सीमा पर तस्करी रोकने के लिए सशस्त्र सीमा बल लगातार अभियान चला रही है। आने वाले समय में भी इसी प्रकार के अभियान चलाकर सीमा पर होने वाली अवैध गतिविधियों को रोका जाएगा। गोविंद सिंह भण्डारी कमांडेंट 48वी वाहिनी जयनगर ने बताया कि भारत नेपाल सीमा पर होने वाली तस्करी और अन्य अपराधो की रोकथाम के लिये विशेष अभियान के माध्यम से निरन्तर प्रयासरत है और अवैध गतिविधियों को रोका जा रहा है और भारत-नेपाल सीमा पर 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल जयनगर के द्वारा सतर्कता बढ़ा दी गई है ताकि इस प्रकार की गतिविधियों पर पूर्णरूप से प्रतिबंधित लगाया जा सके। जाली नोटो के साथ गिरफ्तार व्यक्ति मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

विद्युत चोरी की प्राथमिकी दर्ज

कल्याणपुर, समस्तीपुर। कल्याणपुर सहायक विद्युत अभियंता कार्यालय की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर क्षेत्र के कल्याणपुर गांव में विद्युत चोरी करते दो लोग को पाया। इसको लेकर कनीय अभियंता कुणाल कुमार ने स्थानीय थाने में प्राथमिकी की दर्ज कराते हुए दो को आरोपित किया। थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि आरोपित लोगों में गांव की दो महिला शामिल हैं।

बीडीओ ने आवास सहायक से मांगा स्पष्टीकरण

कल्याणपुर, समस्तीपुर। प्रखंड क्षेत्र के गोपालपुर पंचायत का भ्रमण मंगलवार को दोपहर बीडीओ देवेंद्र कुमार ने किया। पंचायत में ग्रामीण आवास सहायक प्रियंका कुमारी पंचायत क्षेत्र से अनुपस्थित पाए गए। बीडीओ ने दूरभाष से संपर्क करने पर भी बताया गया कि आ रहे हैं लेकिन नहीं आ पायी। जो दशार्ता है कि वह समय से पंचायत में नहीं जाती है। वही भ्रमण के दौरान ग्रामीणों द्वारा किए गए शिकायत सही पाई गई। उनके विरुद्ध इस संबंध में स्पष्टीकरण करते हुए आज की मानदेय कटौती की गई है। आवश्यक अनुशासन कार्रवाई की जाएगी।

विधायक ने सुनी जनता की समस्या

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड में विधायक अजय कुमार के द्वारा जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमें जन समस्याओं से जुड़ी हुई आवेदन लोगों ने विधायक को दिया। जिस पर विधायक ने संबंधित विभाग के पदाधिकारी कर्मचारी को निपटारा के लिए निर्देशित किया।मौके पर लोकल मंत्री श्याम किशोर कमल ,मिथिलेश सिंह, गणेश पासवान,सुरेन्द्र प्रसाद सिंह, प्रमुख प्रतिनिधि पप्पू जी, बबलू कुमार, ललन सुमन, शीलवंत,सिया प्रसाद यादव आदि उपस्थित थे।

जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बने राजीव कुमार मिश्र, बधाई

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड के कल्याणपुर दक्षिण टोला बिशनपुर निवासी राजीव कुमार मिश्र को पुनः एक बार जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्हें जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर विधानसभा प्रभारी क्रांति कुमारी,खखन झा, अशोक झा,युवा प्रखंड अध्यक्ष क्रांति कुमार,अमित कुमार, संतोष झा, पूर्व मुखिया विनोद पासवान, शम्भू झा, विशाल कुमार राय, कैलाश प्रसाद सिंह, रामचंद्र महतो, सुनील कुमार,रमेश चौधरी, सरोज कुमार, दिलीप भगत, शंकर दयाल, शैलेन्द्र राय, संजय राय, बीजेपी नेता सतीश झा, रविंद्र पासवान आदि ने बधाई दी है।

गांधी विचार 24-26 सत्र के छात्र - छात्राओं ने किया वृक्षारोपण

भागलपुर। तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय भागलपुर के विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर गांधी विचार विभाग में छात्र - छात्राओं ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विभाग के सत्र 2024-26 सेमेस्टर-प्रथम के विद्यार्थियों ने आंतरिक परीक्षा के अंतिम दिन पर्यावरण जागरूकता परिचर्चा में भाग लिया इसके बाद इस जागरूकता को व्यवहारिक व प्रायोगिक बनाने के लिए विभागाध्यक्ष डॉ अमित रंजन के निर्देशन में वृक्षारोपण किया। वृक्षारोपण में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं में निर्मल कुमार रमेश कुमार कौशिक कुमार विशालकांत, प्रीति कुमारी, रीना परवीन, सोनी कुमारी, अंजली कुमारी, साजिया जबीन, किशन कुमार, तेजस्विनी कुमारी प्रीतम कुमार ,सुनील कुमार, जेब परवीन सुमित कुमार, संजीव रविदास, मणिलाल कुमारी, कन्हैया कुमार शामिल थे। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. अमित रंजन सिंह सहित विभाग के शिक्षक गौतम कुमार, डॉ. उमेश प्रसाद नीरज, मनोज कुमार दास, डॉ. देशराज वर्मा एवं डॉ. सीमा कुमारी, जे आर एफ नरेन नवनीत सहित विभागीय कर्मचारी श्री उमेश कुमार एवं रामचंद्र रविदास भी उपस्थित रहे।

कुलपति ने किया कॉलेज का औचक निरीक्षण

दरभंगा। संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो लक्ष्मी निवास पांडेय ने मंगलवार को पटना के मंदिरी स्थित हथुआराज ज्ञानोदय संस्कृत कालेज का औचक निरीक्षण किया। मौके पर प्रिंसीपल डॉ मांडवी शांडिल्य एवं डॉ अनिल कुमार झा ने उनका स्वागत किया। वहीं, कॉलेज की व्यवस्था से संतुष्ट कुलपति प्रो पांडेय ने विशेष निर्देश दिया कि बच्चों को सरल संस्कृत बोलना व पढ़ाना जरूर सिखाएं। उन्होंने कहा कि बेशक बच्चों की उपस्थिति मनोनुकूल नही है लेकिन जो ही बच्चे कालेज आते हैं उसे संस्कृत अवश्य पढ़ाएं। उसे उचित मार्गदर्शन भी दें। साथ ही कुलपति ने कहा कि निर्देश के आलोक में बच्चों के बीच कितनी शैक्षणिक प्रगति हो पाई इसका भी अवलोकन करने वे कुछ ही अंतराल पर पुनः कालेज आएंगे। निरीक्षण के समय डॉ भार्गव कुमार, रामसजीवन झा, अविनाश किशोर, प्रमोद शर्मा एवं अरविंद कुमार भी उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना रोकने के लिए जागरूकता रथ को सांसद, विधायक व पदाधिकारियों ने दिखाया झंडा

- वाहनों पर हेलमेट तथा शिटबेल्ट के नियम को सख्ती से पालन सभी को करना आवश्यक

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर सभागार में सांसद गोपालजी ठाकुर सड़क सुरक्षा समिति की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद धर्मशिला गुप्ता, म विधायक नगर संजय सरावगी, अपर समाहर्ता आपदा विधि व्यवस्था राकेश रंजन, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन सलीम अख्तर, जिला परिवहन पदाधिकारी श्री प्रकाश, अनुमंडल पदाधिकारी सदर विकास कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर अमित कुमार एवं अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित थे। बैठक में जिले में सड़क सुरक्षा क्रिया-कलापों की निगरानी, सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों की निगरानी, सड़क दुर्घटना के कारणों को पहचानना और उसका अध्ययन, राष्ट्रीय, राज्यों सड़क सुरक्षा परिषद को सुझाव प्रदान करना, प्रोटोकॉल के अनुसार ब्लैक स्पॉटों की पहचान तथा सुधार से संबंधित कार्य की समीक्षा और निगरानी तथा सभी सड़क इंजीनियरिंग ,सड़क सुरक्षा मानकों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करना, दुर्घटना, घातकता में कमी लाने के लिए विशिष्ट लक्ष्यों के साथ जिले के लिए सड़क सुरक्षा कार्य योजना तैयार करना तथा उसका क्रियान्वयन करना, 4 ई के कार्य अर्थात शिक्षा, प्रवर्त्तन, आपातकालीन देखभाल और इंजीनियरिंग के क्रियान्वयन पर चर्चा करना और उन्हें कारगर बनाना, गति सीमा और यातायात को सुचारू बनाने के उपायों की समीक्षा करना, जिले में नेक व्यक्तियों को प्रेरित करने के लिए कार्य-नीतियां बनाना, नगर, शहर तथा जिले में ग्राम पंचायत में यातायात पार्क सह प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना, जिले में सड़क सुरक्षा अभियान को बढ़ावा देना, सड़क सुरक्षा से संबंधित किसी अन्य मुद्दे पर चर्चा करना आदि बिंदुओं पर समीक्षा की गई। बैठक में सांसद ने सड़क सुरक्षा को लेकर पथ निर्माण विभाग के अभियंता को निर्देशित करते हुए कहा कि शहर के सभी सड़कों के किनारे उजली पट्टी लगावें तथा डिवाइडर को दुरुस्त करें, सड़क के दोनों ओर कैट्स आई एवं लगवया जाए।दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अवश्य प्रयोग करें, साथ ही साथ चार पहिया वाहन चलाते समय शिल्ट बेल्ट का प्रयोग तथा यातायात के नियमों का अनुपालन अवश्य करें। बैठक के उपरांत सांसद के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों ने तीन जागरूकता रथ को झंडी दिखाकर क्षेत्रों के लिए रवाना किया। जिला परिवहन पदाधिकारी, एमभीआई सहित जिला प्रशासन अपने स्तर पर दो चक्का वाहन पर चालक के साथ हर सवारी के लिए हेमलेट तथा चार चक्का वाहनों के लिए शीटबेल्ट लगाने के नियम को सख्ती से पालने करने का निर्देश दिया।साथ ही अधिकारियो से जागरूकता अभियान कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों को शामिल करने का निर्देश देते हुए कहा कि सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधि दुर्घटना रोकने के लिए एक मजबूत योगदान दे सकते हैं। बैठक में राज्यसभा सांसद ने कहा कि बच्चों को सड़क दुर्घटना के संबंध में जानकारी दें ताकि बच्चा अपने अभिभावक, परिजन, माता-पिता को हेलमेट, सीट बेल्ट लगाने के लिए प्रेरित करेंगे और बच्चों को भी जागरूक करने को कहा। बैठक में नगर विधायक द्वारा बताया गया कि शिव धारा चौक बाजार समिति के पास दुर्घटना की काफी संभावना रहती है, उन्होंने फ्लाई ओवर एवं ट्रैफिक पुलिस बल प्रतिनियुक्त हेतु सुझाव दिया।बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि हिट एंड रन से हुई मृत्यु के मामले में परिवहन विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया जाता है और मुआवजा जिला परिवहन कार्यालय से प्रदान किया जाता है।

तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने में युवाओं की सहभागिता जरूरी : भोला यादव

प्रात : किरण संवाददाता

सिंहवाड़ा(दरभंगा)। जिला राजद पंचायती राज प्रकोष्ठ की ओर से कार्यकर्ता सम्मेलन सह सम्मान समारोह का मंगलवार को सिमरी परिणयम भवन पर मंगलवार को आयोजित किया गया।दीप प्रज्वलित के साथ उद्घाटन कार्यक्रम में जन नायक कपूर्री, बाबा साहब अम्बेडकर व महात्मा बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। समारोह की अध्यक्षता कर राजद पंचायती राज प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष कलीमुद्दीन राही ने आगत अतिथियों का पाग चादर व पुष्प से सम्मानित किया।मंच संचालन राजद प्रवक्ता राहुल झा ने किया।मुख्य अतिथि राजद राष्ट्रीय महासचिव सह पूर्व विधायक भोला यादव ने कहा सामाजिक न्याय के मजबूत स्तंभ राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के नीति व पूर्व डिप्टी सीएम सिद्धांत व घोषणाओं को जन जन तक पहुंचाने का समय आ गया है। आगामी विधान सभा के चुनाव में पार्टी के सभी निर्णय को सम्मान के साथ सभी कार्यकर्ता स्वीकार करें। महागठबंधन कार्यकर्ता व सूबे की जनता डबल इंजन की सरकार को सत्ता से बाहर करने का फैसला ले चुकी है।नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का मुख्यमंत्री बनाने में युवाओं की सहभागिता जरूरी है। भारतीय सांस्कृति व सामाजिक न्याय की नींव को भाजपा कमजोर व आम लोगों को दिगभ्रमित कर रही है।23जनवरी को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का दरभंगा आगमन हो रहा है। कार्यकर्ता स्वागत की तैयारी के बीच 24 जनवरी को भारत रत्न जन नायक कपूर्री ठाकुर जी की 101 वीं जयंती समारोह 24 जनवरी 2025 को मधुबनी के फुलपरास में श्री कृष्णा यादव प्लस टू उच्च विद्यालय में मनाया जाएगा।राजद पंचायतीराज प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र प्रसाद विधार्थी ने कहा की हमारे आदर्श लालू यादव ने गरीब असहाय को बोलने की ताकत दी है।मंहगाई बेरोजगारी का दंश झेल रहे युवा शक्ति बदलाव के साथ भाजपा को सत्ता से बेदखल करने को आगे आवें। राजद प्रदेश सचिव सह पूर्व विधायक डा.फराज फातमी ने कहा 17 महीने में पूर्व उप मुख्य मंत्री तेजस्वी यादव युवाओ को रोजगार का अवसर प्रदान इतिहास रच दिया। इस अवसर पर राजद शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष कुमर राय, पूर्व मेयर ओम प्रकाश खेड़िया, मृत्युंजय झा, वैश्य विश्वनाथ चौधरी, जिला राजद प्रवक्ता सुवंश यादव, राजद महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष यास्मीन खातून, नीलम देवी, राजद युवा राजद अध्यक्ष रमेश राम, पन्ना यादव, अमजद अब्बास, राहुल ठाकुर, बुलन पासवान, विनय पासवान, सहित अन्य मौजूद थे।

पुलिस पदाधिकारियों को 26 जनवरी तक लैपटॉप और स्मार्टफोन खरीदने का निर्देश

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

जिले में पुलिस अनुसंधान प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जिले के सभी थानों में तैनात अनुसंधान विंग के पुलिस पदाधिकारियों को एसपी कार्यालय द्वारा 26 जनवरी तक स्मार्टफोन और लैपटॉप की खरीदारी कर लेने का निर्देश दिया गया है। अनुसंधान से जुड़े इंस्पेक्टर, दारोगा और जमादार अब कांड की जांच के दौरान डिजिटल साक्ष्य जुटाने के लिए स्मार्टफोन और लैपटॉप का उपयोग करेंगे। घटनास्थल पर डिजिटल साक्ष्यों का संग्रहण और गवाहों के बयान वीडियो प्रारूप में दर्ज करने की सुविधा मिलेगी। पुलिसकर्मियों को इन उपकरणों के उपयोग के लिए विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जिससे वे तकनीकी रूप से दक्ष हो सकें। विभाग ने यह भी सुनिश्चित किया है कि खरीद की रसीद जमा करने पर संबंधित राशि सीधे उनके खाते में भेज दी जाएगी। इससे खरीदारी की प्रक्रिया में पारदर्शिता और सहजता आएगी। नए निर्देशों के तहत पुलिस पदाधिकारी अपने लैपटॉप के माध्यम से केस डायरी और गवाहों के बयान दर्ज करेंगे। इससे कागजी कार्यवाही में लगने वाले समय और जटिलता में कमी आएगी। डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके तैयार की गई केस डायरी न केवल समय की बचत करेगी, बल्कि सटीकता और पारदर्शिता भी सुनिश्चित करेगी। इस निर्णय से पुलिस अनुसंधान की कार्यप्रणाली में बड़े बदलाव की उम्मीद है। डिजिटल उपकरणों के उपयोग से जांच की गुणवत्ता में सुधार होगा और मामलों के निपटारे में तेजी आएगी। पुलिस विभाग का यह कदम तकनीकी युग के साथ तालमेल बैठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जो आने वाले समय में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मील का पत्थर साबित होगा। यह पहल पुलिस विभाग की कार्यकुशलता बढ़ाने के साथ-साथ जनता के प्रति उनकी जिम्मेदारी को भी मजबूत बनाएगी, जिससे अपराध नियंत्रण में भी महत्वपूर्ण सुधार होगा।

लनामिवि के कुलपति को विद्यापति सेवा संस्थान करेगा भव्य अभिनंदन

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में शैक्षणिक विकास को अपने तीन वर्षीय कार्यकाल के पहले साल में अभूतपूर्व गति प्रदान करने के लिए विद्यापति सेवा संस्थान कुलपति प्रो संजय कुमार चौधरी का अभिनंदन करेगा। जानकारी देते हुए संस्थान के महासचिव डा बैद्यनाथ चौधरी बैजू ने बताया कि विद्यापति सेवा संस्थान के तत्वावधान में उनके कार्यकाल के सफलतम पहले वर्ष के पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह अभिनंदन समारोह आगामी 24 जनवरी को अपराह्न साढ़े तीन बजे एमएलएसएम कॉलेज के सभागार में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में संगीत की सुरमयी लहरियों के बीच यशस्वी कुलपति प्रो संजय कुमार चौधरी के पहले साल के उपलब्धिपूर्ण कार्यकाल के लिए भव्य अभिनंदन किया जाएगा, जिससे विश्वविद्यालय के विकास के उत्साह को नई मिठास मिल सके। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय का उत्तरोत्तर विकास हो रहा है,

जिससे मिथिला के आम व खास सभी लोग आह्लादित हैं। उन्होंने कुलपति के कार्यकाल के पहले साल की उपलब्धियों की विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि उन्होंने अपना पदभार संभालते ही मिथिला के विभूतियों क्रमशः कवि कोकिल विद्यापति, मंडन मिश्र, अयाची मिश्र, लक्ष्मीनाथ गोसाई, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर, जननायक कपूर्री ठाकुर अमर शहीद ललित नारायण मिश्र, बाबा नागार्जुन आदि के नाम पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में चेयर स्थापना एवं इसके समुचित क्रियान्वयन के लिए विश्वविद्यालय के बजट में प्रावधान किए जाने में जो तत्परता दिखाई, यह ना सिर्फ काबिले तारीफ है, बल्कि इससे आम मिथिलावासी में उमंग एवं उत्साह का संचार हुआ है। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय में कामकाज का उत्साही माहौल कायम करने में दिख रही सक्रियता भी काफी अहम है। जहाँ शिक्षकों एवं कर्मचारियों की प्रोन्नति की दिशा में कुलपति ने आत्मीय तत्परता दिखाई है। वहीं वेतन एवं पेंशन सहित अतिथि शिक्षकों के मानदेय भुगतान को उन्होंने अपनी कार्य सूची में सबसे ऊपर रखकर इसके त्वरित निदान में पूरी तत्परता से लगे हैं। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के हेल्थ सेंटर की जरूरत को ध्यान में रखते हुए इसके पुनरूद्धार के लिए संकल्पित होना, ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए विश्वविद्यालय परिसर के समुचित रख-रखाव में तत्परता दिखाना, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के सुदृढ़ीकरण सहित खेल निदेशालय व अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम की स्थापना में अभूतपूर्व दिलचस्पी दिखाना, खेल प्राधिकरण के गठन आदि में उनकी दूर दृष्टि विश्वविद्यालय के स्वर्णिम भविष्य के निर्माण काफी महत्वपूर्ण होगा।

बाबा साहब अम्बेडकर के अधूरे सपनों को पूरा कर रहें है नरेन्द्र मोदी : विनय पासवान

प्रात : किरण संवाददाता

बिरौल(दरभंगा)। दरभंगा। दरभंगा दक्षिणी भाजपा द्वारा अकबरपुर बेंक चमरटोली में संविधान गौरव दिवस मंडल अध्यक्ष पंकज कुमार झा के अध्यक्षता में मनाया गया। मौके पर दरभंगा दक्षिणी भाजपा जिला अध्यक्ष विनय कुमार पासवान ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान की बार-बार हत्या करने वाले कांग्रेस, राजद पार्टी द्वारा वर्तमान में संविधान का ढिंढोरा पीटा जा रहा है। बाबा साहेब अंबेडकर को अगर सम्मान दिया गया तो वो भाजपा शासनकाल मे दिया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा समर्थित सरकार के समय देश का सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न अवार्ड बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर को दिया गया। वहीं मोदी सरकार के समय बाबा साहेब की जन्म और कर्मभूमि में उनके सम्मान में विशाल स्मारक का निर्माण भी नरेन्द्र मोदी सरकार ने ही करवाकर उनको सच्ची श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कांग्रेस पार्टी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वो संविधान के नाम पर अपना दोहरा चरित्र त्यागे और अपने अतीत से सबक ले कि संविधान निमार्ता बाबा साहेब अंबेडकर को लेकर उनका क्या योगदान रहा है , ये बताएं। भाजपा सदियों शोषित वंचित वर्ग को अंत्योदय कार्यक्रम से समाज के मुख्य धारा में शामिल करने के लिए राजनीति करती है। मौके पर निवर्तमान जिला प्रवक्ता माधव कुमार चौधरी, बिरौल नगर मंडल अध्यक्ष कौशलेंद्र आचार्य, नवल आचार्य, सुमन झा, मोहम्मद शाहबाज,दीपक आचार्य, शंकर आचार्य, विजय झा उपस्थित थे।

एसएसबी के द्वारा रक्त दान शिविर आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर 48वी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल जयनगर द्वारा किया रक्तदान शिविर का आयोजन सोमवार को मधुबनी जिले में अवस्थित 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल जयनगर के प्रांगण में गोविंद सिंह भण्डारी कमांडेंट 48वी वाहिनी के निर्देशानुसार रक्तदान के बारे में जागरूकता बढ़ाने और देश में स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । डॉक्टर सुनेहा सिंह चिकित्सा पदाधिकारी 48वी वाहनी जयनगर ने सभी कर्मचारियो से बड़ी संख्या में आगे आने और एक नेक काम के लिए रक्तदान करने और अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और सहकर्मियों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करने की अपील की गई। इस रक्तदान शिविर में एस एस बी के जवानो ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा स्वेच्छा से रकतदान किया । इस आयोजन का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना था कार्यक्रम के दौरान गोविंद सिंह भण्डारी कमांडेंट 48वीं वाहिनी ने उपस्थित होकर रक्तदान करने वाले जवानों का उत्साहवर्धन किया और इस नेक कार्य को समाज सेवा का उत्तम उदाहरण बताया। पी.एच.सी. जयनगर के डॉक्टरों और स्टाफ ने इस शिविर के आयोजन में सहयोग प्रदान किया और रक्त संग्रह का कार्य सुचारू रूप से संपन्न किया सशस्त्र सीमा बल की यह पहल समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारी और सेवाभाव को दशार्ती है।

बड़ी घटना की योजना कर रहे थे अपराधियों को घेरने पर डीआईयू टीम पर फायरिंग, एक गिरफ्तार

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर जिले के रोसड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत बैजनाथपुर गांव में डिस्ट्रिक्ट इन्वेस्टिगेशन यूनिट (डीआईयू) की टीम पर अपराधियों ने फायरिंग कर दी। हालांकि एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया वहीं अन्य बदमाश वहां से फरार हो गए। दरअसल, रोसड़ा थाना क्षेत्र के बैजनाथपुर गांव में आधे दर्जन से अधिक अपराधियों द्वारा किसी अपराधिक वारदात को कारित करने की योजना बनायी जा रही थी। गुप्त सूचना के आधार पर रोसड़ा थाना व डीआईयू टीम के द्वारा उक्त स्थल पर घेराबंदी कर अपराधियों को पकड़ने की कोशिश की जा रही थी। तभी पुलिस बल को देख वहां उपस्थित अपराधकर्मियों द्वारा पुलिस के ऊपर फायरिंग कर दी गई। जिसके बाद पुलिस टीम और अपराधियों के बीच मुठभेड़ जैसी स्थिति हो गई। हालांकि आसपास भीड़ को देखते हुए पुलिस ने खदेड़कर एक अपराधी को पकड़ लिया। पकड़े गये बदमाश की पहचान खानपुर थाना क्षेत्र के हरिपुरबाट निवासी तरुण सहनी के पुत्र अरविंद सहनी के रूप में की गई है। वहीं अन्य अपराधकर्मी भीड़ का फायदा उठाकर वहां से भागने में सफल हो गये। इसके बाद पुलिस टीम के द्वारा पकड़े गये अपराधी को थाने पर लाकर उससे पूछताछ की जा रही है। इधर लोगों के बीच चर्चा है कि अपराधियों द्वारा किसी बैंक लूट की साजिश रची जा रही थी, लेकिन इसकी भनक जिला मुख्यालय में डीआईयू टीम को लग गई। जिसके बाद समस्तीपुर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक बड़ी घटना को विफल कर दिया।

एसएसबी के जवानों द्वारा भारत नेपाल सीमा पर प्रतिबंधित दवाइयों व मोटरसाइकिल के साथ एक नेपाली व्यक्ति गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल जयनगर के कार्यक्षेत्र भारत-नेपाल सीमा चौकी पीपरोन के जिम्मेवारी के इलाके में वाह्य सीमा चौकी पीपरोंन के जवानो द्वारा विशेष गस्त डयूटी के दौरान की गई कार्यवाही में भारतीय-नेपाल सीमा स्तम्भ संख्या 284/35 से 600 मीटर भारतीय क्षेत्र में एक नेपाली व्यक्ति मोहम्मद सलामत दर्जी उम्र 29 वर्ष गांव वार्ड नंबर 8 दर्जी टोल, नगर पालिका -जनकपुर धाम जिला -धनुषा परदेस- मधेश नेपाल को प्रतिबंधित दवाइयां व एक मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति के पास से बरामद प्रतिबंधित दवाओं में अलग अलग ब्रांडो के कफ सिरफ की बोतले व टेबलेट कैप्सूल शामिल है। प्राप्त जानकारी के यह व्यक्ति बिना पंजीकृत मोटरसाईकिल के ऊपर प्रतिबंधित दवाइयों को लेकर भारत से नेपाल जा रहा था ,स.सी.बल के जवानों को उसके ऊपर संदेह होने पर होने पर उसे रोका गया और तलाशी ली गई तो उसके पास उपरोक्त दवाइयो को बरामद किया गया दवाइयों के बाबत पूछताछ करने पर व्यक्ति द्वारा संतोषजनक जवाब नहीं देने पर जवानों द्वारा दवाइयों को जब्त नेपाली व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया ।जब्त की गई प्रतिबंधित दवाइयों व मोटरसाइकिल एवं गिरफ्तार नेपाली व्यक्ति को आगे की कार्रवाई हेतु हरलाखी थाना को सुपुर्द कर दिया गया है । भारत नेपाल सीमा पर तस्करी रोकने के लिए सशस्त्र सीमा बल लगातार अभियान चला रही है । आने वाले समय में भी इसी प्रकार अभियान चलाकर सीमा पर होने वाली अवैध गतिविधियों को रोका जाएगा ।गोविंद सिंह भंडारी कमांडेंट 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल जयनगर ने बताया कि भारत नेपाल सीमा पर होने वाली तस्करी और अन्य अपराधों की रोकथाम के लिये विशेष अभियान के माध्यम से निरन्तर प्रयासरत है, ताकि इस प्रकार की गतिविधियो पर पूर्णरूप से प्रतिबंधित लगाया जा सके ।

जनसुराज के जिला मुख्य प्रवक्ता मनीष कुमार झा व अभियान समिति मधुबनी के संयोजक विरेन्द्र यादव के द्वारा प्रेस वार्ता कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जनसुराज अनुमंडल कार्यालय जयनगर में जिला मुख्य प्रवक्ता मनीष कुमार झा ने प्रेस वार्ता में कहा कि पटना में जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर जी के द्वारा बिहार सत्याग्रह आश्रम किया गया है। जिसमें एक लाख युवाओ और बिहार में व्यवस्था से पीड़ित लोगो को महात्मा गांधी के सत्याग्रह के सिध्दांत से प्रशिक्षित किया जा रहा है। सत्याग्रह की आवश्यकता लोकतंत्र की जननी बिहार को लाठीतंत्र बनाने के विरुद्ध आवश्यकता है। बिहार में सभी सरकारी कार्यलाय में लोगों द्वारा व्यापक भ्रष्टाचार से मुक्ति भ्रष्ट शिक्षा और प्रतियोगिता परीक्षा से छुटकारा बुजुर्ग को सरकार के द्वारा अव्यवहारिक वृद्धा पेंशन 400 रुपया को 2000 रुपया करने के लिए पलायन रोकने के लिए बिहार के किसानो की स्थिति को पंजाब और हरियाणा राज्य के किसानो के समान बनाने महिलाओं को स्वरोजगार से स्वावलंबी बनाने सभी का हल गांधी जी के सत्याग्रह का सहारा है। इस सब से मधुबनी जिलावासियो से जनसुराज पार्टी अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर सरकार और प्रशासन से पीड़ित सभी समस्या का निदान कर अपना जीवन स्तर और शैली उन्नत करने के लिए सत्याग्रह प्रशिक्षण में शामिल हों। बिहार में प्रशांत किशोर ने वर्तमान समय में सत्याग्रह को पुनर्जीवित कर सरकार और प्रशासन की मनमानी पर रोक लगाने कार्य कर उनके मनमानी को विफल किया है जिसको अपना कर हर बिहारवासी कर सकते है। जिला अभियान समिति मधुबनी के संयोजक विरेन्द्र यादव ने कहा कि सत्याग्रह को भी जनसुराज अभियान के समान सत्याग्रह अभियान को पूरे बिहार में फैला कर लाठीतंत्र सरकार को समाप्त कर महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह का ऐतिहासिक महत्व को बरकरार रखा जायेगा। इससे सभी बिहारवासी को न्याय और हक प्राप्त होगा।

सांसद द्वारा खगड़िया रेलखंड से पटना जंक्शन तक ट्रेन चलाने की मांग पर लोगों ने दी बधाई

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर खगड़िया लोकसभा क्षेत्र के सांसद राजेश वर्मा द्वारा खगड़िया रेलखंड से पटना जंक्शन तक ट्रेन चलाने की मांग समस्तीपुर मंडल रेल संसदीय समिति की बैठक में रखी गई। जिससे इस खंड के लोगों को सीधे अपने स्टेशन से पटना पहुंचने की दशकों पुरानी मांग पूरा होने की आस जगी है। वहीं सांसद द्वारा इस मांग को उठाए जाने पर विभूतिपुर सिंघियाघाट स्टेशन से सफर करने वाले मनोज कुमार, कृष्ण देव प्रसाद सिंह, देवव्रत कुशवाहा, अरविंद कुमार कुशवाहा, राम बहादुर सिंह, सुरेश कुमार महतो आदि ने सांसद को बधाई दिया है। बताया गया कि देश की आजादी के 76 वर्ष बीत जाने के बावजूद भी समस्तीपुर से खगड़िया रेलखंड के आसपास के लोगों को बिहार की राजधानी पटना जाने के लिए सीधी ट्रेन की सुविधा अभी तक नहीं मिल पा रहा है। जबकि राज्य के अन्य खंड के लोगों को यह सुविधा दर्जनों ट्रेन के माध्यम से मिल रही है। पटना के लिए ट्रेन चलाने की मांग लगातार सिंघिया घाट, हसनपुर, रुसेरा घाट, सलोना रेलवे स्टेशन से उठाया जा रहा है। विभूतिपुर प्रखंड राष्ट्रीय लोक मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार के द्वारा भी राज्यसभा सदस्य रेलवे बोर्ड के सदस्य उपेंद्र कुशवाहा को आवेदन दिया गया उसके बाद उजियारपुर सांसद केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के कार्यालय में भी मांग नोट करवा कर पटना के लिए ट्रेन चलवाने की मांग उठाया गया लेकिन अभी तक यह मांग पूरा नहीं हुआ है।

बाल संरक्षण पटना के डॉक्टर ज्योति निर्मला विभूतिपुर पहुंचकर आवारा कुत्ता के हमले से हुई मौत का लिया जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर थाना क्षेत्र के भरपुरा पटपरा पंचायत के चोचाही वार्ड 13 में आवारा कुत्ता के हमले में हुई बच्ची की मौत के बाद बाल संरक्षण पटना के डॉक्टर ज्योति निर्मला विभूतिपुर के चोचाही गांव पहुंचकर मृतक बच्ची रेशम कुमारी के माता सावित्री देवी एवं पिता मनोज कुमार से मिलकर घटना की विस्तृत जानकारी ली। तथा आवारा कुत्ता के आतंक से क्षेत्र में हुई अन्य घटनाओं के बारे में भी जानकारी ली। इस संबंध में पूछे जाने पर डॉक्टर ज्योति निर्मला ने बतायी की मिली जानकारी के अनुसार आवारा कुत्ते के आतंक से क्षेत्र में बच्ची सहित तीन व्यक्ति की मौत हो चुकी है। वहीं अन्य कई व्यक्ति को भी कुत्ता ने जख्मी कर दिया है। झूंड के साथ कुत्ता अकेला व्यक्ति पर हमला करता है। पहले खुले घूमने वाले आवारा कुत्ता को पकड़ कर टीका लगाया जाता था। फिलहाल ऐसा अभी नहीं हो रहा है जिसके कारण आवारा कुत्ता में हिंसक प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है और वह हमला कर रहा हैं। इस संबंध में फॉरेस्ट विभाग को भी जानकारी दी जाएगी। तथा आयोग को लिखकर मृतक बच्ची के परिजनों को हर संभव मदद दिलवाया जाएगा। मौके पर समस्तीपुर चाइल्ड लाइन के शंकर मलिक, छात्र जदयू के जिला अध्यक्ष राजा अहमद, राकेश कुमार, राजीव कुमार, कुंदन कुमार, मंतोष पासवान, दिनेश कुमार, लालो राय आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

कोहरा व कनकनी के प्रकोप से आम जनजीवन हुआ अस्त व्यस्त

गिद्धौर। प्रखंड भर में मंगलवार को मौसमी बदलाव के कारण पड़ने वाले इस भीषण ठंड,कनकनी एवं घने कोहरे से आम जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। हाड़ कपा देने वाली इस कनकनी से लोगों को रोजमर्रा के कामकाज को लेकर अपने घरों से निकलना दूभर सा हो गया है। अचानक छाये घने कोहरे एवं शीतलहर के प्रकोप के कारण सुबह बाजार सहित सड़कों पर लोगों के आवागमन में भारी कमी देखी जा रही है। सड़को पर यात्री वाहन एवं मालवाहक वाहनों द्वारा सुबह 10 बजे तक लाइट जलाकर अपने गंतव्य स्थान जाते देखा गया। मंगलवार को 12 बजे धूप निकलने के कारण धीरे धीरे घना कोहरा खत्म हो गया। लेकिन शाम पाँच बजे के बाद कनकनी व कोहरे न प्रखंड भर को अपने आगोश में ले लिया। लगातार बढ़ रहे कोहरे एवं कनकनी को देखकर आम लोगो को सेहत के प्रति सचेत करते हुए चिकित्सकों ने बुजुर्गो व युवाओं को इस ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े व गर्म पेय पदार्थ लेने की सलाह दी है।

मुख्य सचिव ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा विभागीय कार्यों की किया समीक्षात्मक बैठक

जिलाधिकारी सहित विभागीय अधिकारी ने विकासात्मक बैठक में लिया भाग

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई । बिहार में विकासात्मक कार्यों में तीव्र गति लाने के मद्देनजर मुख्य सचिव, बिहार श्री अमृत लाल मीणा के द्वारा आज मंगलवार 21 जनवरी 2025 को 11 बजे पूर्वाहन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षात्मक बैठक आहूत की गयी। इस दौरान मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा के साथ साथ कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दरमियान जिला पदाधिकारी, श्रीमती अभिलाषा शर्मा के निदेशानुसार सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी महोदया के कार्यालय प्रकोष्ठ में समीक्षात्मक बैठक में भाग लिया। मुख्य सचिव ने खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग,पथ निर्माण विभाग, योजना एवं विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग,विद्युत विभाग, उद्योग विभाग, पर्यटन विभाग, भवन निर्माण विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग तथा सूचना प्रौद्योगिकी समेत अन्य विभागों के आकड़ो से रूबरू हुए और कार्यों में तीव्र गति लाने हेतु संबंधित विभागीय पदाधिकारी को आवश्यक निदेश दिया। उन्होंने मौजूद विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर देय दायित्वों का निर्वहन किए जाने का निदेश दिया । उन्होंने सभी विभागीय पदाधिकारियों को विभागीय समन्वय बनाकर कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि आपसी समन्वय बनाकर निर्धारित समय सीमा के अंदर पूरी निष्ठा के साथ कार्य करें और प्रदेश के बदलाव में अहम भूमिका निभाएं।

जिला पदाधिकारी महोदया ने मौके पर सरकार के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर गति दिए जाने का निर्देश सभी सम्बन्धित पदाधिकारी को देते हुए कहा कि किसी भी सूरत मे अनियमितता बर्दाश्त नही किया जायेगा। उक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में अपर समाहर्ता सुभाषचंद्र मंडल, जिला योजना पदाधिकारी भानु प्रकाश, कार्यपालक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, जिला नजारत उप समाहर्ता जमुई, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र जमुई समेत सभी सम्बंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जर्जर पुल मरम्मत की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] झाझा-सोनो मुख्य मार्ग स्थित हथिया गांव के समीप उलाय नदी पर बनी हथिया पुल की जर्जर स्थिति को देखते हुए नवयुवक संघ के संयोजक गौरव सिंह राठौड़ की अगुवाई में जनप्रतिनिधियों सहित अन्य लोगों ने प्रदर्शन कर पुल की मरम्मती करने की मांग किया। यह बिहार को झारखंड और बंगाल से जोड़ता है। इसकी जर्जर हालत के कारण रोजाना वाहन सवार दुर्घटना के शिकार हो रहे है जो दुर्भाग्यपूर्ण है। मौके पर मौजूद जिप सदस्य धर्मदेव यादव ने कहा की यह पुल काफी जर्जर हो ओर पुल से होकर प्रत्येक दिन हजारों छोटे बड़े वाहन गुजरते है जिस तरह से यह जर्जर हो चुका है। संयोजक ने कहा की एक सप्ताह के भीतर जर्जर पुल की मरम्मत का कार्य प्रारंभ नहीं कराया गया तो हथिया पुल पर पुतला जलाया जाएगा तथा धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे आगे उन्होंने कहा की यह पुल झाझा-सोनो मुख्य मार्ग का पुल है। पंकज कुमार ने कहा की यह पुल 70 साल पुराना है, इसकी हालत काफी जर्जर है समय रहते पुल की मरम्मत नही हुई तो यह हादसे का कारण बन सकता है। इस पुल की मरम्मत जल्द से जल्द नहीं की गई तो आने वाले समय में यह पुल भी धंस जाएगा। इस कारण बड़ी घटना घट सकती है। ग्रामीण भोला सिंह ने कहा की जर्जर पुल हो जाने के कारण बराबर कई बाइक सवार, साईकल सवार, ई रिक्शा गड्ढे में गिरकर चोटिल हो रहे है। पुल को जल्द से जल्द मरम्मत नही किया जाएगा तो राहगीरों को और भी परेशानी झेलनी पड़ेगी। मौके पर धमना पंचयात के मुखिया प्रतीक शर्मा, गौरव कुमार, पंकज कुमार, पिंटू कुमार, जितेंद्र कुमार, नरेंद्र भारती, सुजीत कुमार, अरुण यादव, सोनू कुमार, मनोज यादव, मनीष कुमार आदि मौजूद थे।

राजकीय समारोह के रूप में मनाया जाएगा तारापुर शहीद दिवस

13 फरवरी 1932 की रात झंडा सत्याग्रह को लेकर सुपौर जमुआ गांव में हुई थी बैठक

प्रात : किरण, संवाददाता

तारापुर (मुंगेर) ।15 फरवरी के दिन तारापुर शहीद दिवस का कार्यक्रम राजकीय समारोह के रूप में मनाए जाने को लेकर लेकर अनुमंडल पदाधिकारी राजेश रंजन कुमार द्वारा जनप्रतिनिधियों के साथ किए गए बैठक के बाद सभा स्थल के नजदीक से अतिक्रमण हटाने, रंग रोगन करने , से लेकर साफ -सफाई इत्यादि तरह की कामों को तेजी से कराए जाने की जिम्मेदारी नगर पंचायत के कार्यपालक अभियंता को विशेष रूप से दी गई है । कार्यक्रम के मात्र 24 दिन शेष रह गए हैं । गौरतलब है कि शहीदों की धरती तारापुर में आजादी के दीवानों ने सविनय अवज्ञा आंदोलन के फलस्वरूप जब ब्रिटिश सरकार ने देश की सभी संगठनों को गैर कानूनी घोषित कर दिया तो 15 फरवरी 1932 को सरदार शार्दुल सिंह कविशर के आह्वान पर संपूर्ण भारत में झंडा सत्याग्रह एवं सरकारी सभी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का निर्णय लिया गया । गौरतलब है कि अभूतपूर्व संकल्प एवं बड़े उत्साह के साथ निश्चित तिथि पर झंडा सह सत्याग्रह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तारापुर की महान जनमानस ने बहादुरी, अपनी दृढ़ता, एवं जोश से भरा उत्साह, का परिचय देते हुए मातृभूमि की बलिवेदी के लिए अपनी जान गमाए जो उल्लेखनीय हैं। बताया जाता है कि स्वतंत्रता आंदोलन को लेकर जालियावाला बाग की घटना के बाद देश की सबसे बड़ी दूसरी घटना तारापुर की रही है । जिनकी वीरता साहस एवं सौम्य को आज भी क्षेत्रवासी याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। झंडा सत्याग्रह की घटना को लेकर स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में तारापुर ने अभूतपूर्व ख्याति प्राप्त किया है। इसे लेकर संपूर्ण बिहार में अमर शहीदों की स्मृति में प्रत्येक वर्ष तारापुर शहीद दिवस मनाया जाने लगा । सत्याग्रह आंदोलन पर प्रकाश डालते हुए वरिष्ठ नागरिक मिथिलेश कुमार सिंह ने बताया कि क्षेत्र के प्रमुख कांग्रेसी दशरथ झा, बासुकीनाथ राय, जय मंगल सिंह शास्त्री, दीनानाथ सहाय, इत्यादि सत्याग्रह आंदोलन में गिरफ्तार किए जा चुके थे । फिर भी कांग्रेस के आह्वान पर पंडित गेना लाल पाठक ने इस कार्यक्रम का स्वागत किया । झंडा सत्याग्रह की रूपरेखा से संबंधित उन्होंने प्रमुख कार्यकताओं से विचार-विमर्श किया । ब्रिटिश सरकार की नजर से बचने के लिए तारापुर से लगभग 15 किलोमीटर दूर सुपौर जमुआ गांव के श्री भवन में 13 फरवरी 1932 की रात में झंडा सत्याग्रह को लेकर कार्यकताओं की बैठक की गई । जिसकी अध्यक्षता पंडित अनंत लाल झा ने किया। बैठक के बाद सुपौर जमुआ के मदन गोपाल सिंह के नेतृत्व में 5 स्वयंसेवकों का एक दल बनाया गया। जिनके ऊपर झंडा फहराने का भार सौंपा गया । जिसमें सुपौर जमुआ के त्रिपुरारी सिंह, महेशपुर के महावीर सिंह, चनकी के कार्तिक मंडल एवं परमानंद सिंह थे। आगे बताया जा रहा है कि झंडा फहराने की सूचना सभी पड़ोसी गांवों में लोगों के बीच दी गई। इसकी सूचना ब्रिटिश पुलिस तारापुर को मिल गई। पुलिस ने इसकी जानकारी फौरन कलेक्टर मिस्टर मि0 ली0 और एसपी ए0 डब्लू फ्लैग को दे दी। सूचना मिलते ही दोनों ही पदाधिकारी तारापुर थाना आ धमके। 14 फरवरी की रात्रि में ही मदन गोपाल सिंह अपने धावक दल के साथ सुपौर जमुआ गांव से तारापुर के लिए कुच कर गए । झंडा फहराने का दृश्य देखने को लेकर लगभग दस हजार से अधिक लोगों की भीड़ तारापुर बगीचा में एकत्र हो गई । 15 फरवरी 1932 को दिन के 2:00 बजे मदन गोपाल सिंह ने अपने दल को एक होने के लिए सीटी बजाई। जहां दस हजार लोगों की भीड़ एक साथ थाने की ओर आने लगी। पुलिस विरोध के बावजूद भी भीड़ तितर-बितर नहीं हो रही थीं । इसी दौरान पुलिस द्वारा भीड़ पर जमकर लाठियां बरसाई गई जवाब में ईट पत्थर भी चले। फिर इसी बीच अपनी जेब में छिपाकर रखे झंडे को निकालकर स्वयंसेवकों द्वारा तारापुर थाना भवन पर झंडा फहरा दिया । लोगों के बीच खुशी का ठिकाना नहीं रहा । डाक बंगला में ठहरे ब्रिटिश कलेक्टर आग बबूला हो उठे और उन्होंने गोलियां चलवा दी। 15 मिनट तक गोलीबारी की घटना में 50 से अधिक लोग शहीद हो गए । परंतु इनमें से सिर्फ 14 लोगों की जानकारी मिल सकी। क्योंकि ब्रिटिश सरकार के आतंक से शहीदों के परिवार के लोग सही जानकारी भी देना नहीं चाहते थे। वहीं इस गोली कांड में शहीद हुए लोगों की याद में क्षेत्रवासियों द्वारा किए जा रहे लंबे समय से मांग के बाद दो वर्ष पहले शहीद पार्क का निर्माण कर सभी वीर शहीदों के प्रतिमा भी लगाए गए । जहां इन्हें देख कर आज भी क्षेत्रवासियों का सीना चौड़ा हो जाता है ।

बिहार के प्लस टू विद्यालय को आईटीआई और कौशल प्रशिक्षण से जोड़े जाएंगे

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। कौशल शिक्षा के विकास को लेकर बिहार शिक्षा विभाग ने सभी राजकीय सरकारी स्कूलों को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं आईटीआई के साथ टेक कर कौशल शिक्षा देने का प्रस्ताव रखा है सभी जिला के जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है। प्रदेश के सभी जिलों में तैयारी शुरू कर दी गई है इस योजना के अनुसार जिले के आईटीआई औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान को राजकीय विद्यालय से टैग कर दिया जाएगा। इसके बाद वहां के छात्र-छात्राओं को कौशल शिक्षा का प्रशिक्षण दिया जाएगा दरअसल माध्यमिक शिक्षा निदेशक जोगेंद्र प्रसाद ने सभी देव को अपने-अपने जिलों में स्थित राज्य की एवं राजकृत उच्च माध्यमिक उच्च विद्यालय कि विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण से जोड़ने को लेकर निर्देश दिया है साथ ही राज्य की औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के नजदीकी विद्यालय के विद्यार्थियों को उनके स्थान टेक करने को कहा गया है इसको लेकर बिहार के सभी जिला शिक्षा विभाग की ओर से जिले के आईटीआई के साथ प्रथम चरण में अलग-अलग स्कूलों को टैग किया जा रहा है विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण दिए जाने की विभागीय योजना है इसके अनुसार अलग-अलग स्कूलों को अलग-अलग आईटी के साथ टेक किया जाएगा वहीं राज्य की आईटीआई के स्कूलों के छात्र-छात्राओं को कौशल परिषद शिक्षण दिया जाना है जो जल्द इसकी शुरूआत होगी।

सड़क सुरक्षा सप्ताह : झाझा पब्लिक स्कूल में बच्चों ने चलाया जागरूकता अभियान

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] मंगलवार को सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत झाझा पब्लिक स्कूल में एक विशेष जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का नेतृत्व पुलिस प्रशासन की देखरेख में विद्यालय के छात्रों ने किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने यातायात नियमों के महत्व को रेखांकित करते हुए स्लोगन, पोस्टर और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। अभियान में हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, तेज गति से वाहन न चलाने और शराब पीकर गाड़ी न चलाने जैसे मुद्दों पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर झाझा थाना के एस आई पुजा कुमारी ने बच्चों और स्थानीय लोगों को संदेश देते हुए कहा, ह्यायातायात नियमों का पालन हमारी जिम्मेदारी है। यह पहल बच्चों के माध्यम से बड़े स्तर पर जागरूकता फैलाने का एक प्रयास है। ह्यविद्यालय के निदेशक डॉ सुरेंद्र निराला ने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियान न केवल समाज को जागरूक करते हैं बल्कि बच्चों में नेतृत्व क्षमता का भी विकास करते हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों, अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सड़क सुरक्षा के प्रति इस जागरूकता अभियान की सभी ने सराहना की।

पहल : माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने जारी किया आवश्यक दिशा-निर्देश

प्रात : किरण, संवाददाता

गिद्धौर। शिक्षा विभाग के द्वारा रोजगार परख बनाने को लेकर सामान्य शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास की शिक्षा भी दिए जाने की कवायद शुरू कर दिया गया। इसको लेकर जिले के सरकारी प्लस टू हाई स्कूलों में छात्र-छात्राओं को सामान्य शिक्षा के साथ अब कौशल विकास की शिक्षा भी दी जाएगी। इससे उन्हें इंटरमीडिएट तक की शिक्षा पाने के बाद रोजगार मिलने में आसानी होगी। इसलिए छात्र छात्राओं के कौशल विकास और उद्यमिता के गुर सिखाने के लिए विशेष योजना के तहत कार्यक्रम शुरू होने जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र छात्राओं को आगे बढ़ने के गुर सिखाना है। इसको लेकर इंटरमीडिएट विद्यालयों को नजदीकी आईटीआई से टैग किया जाएगा। ताकि छात्र-छात्राएं वहां जाकर अपने मन पसंद ट्रेड में प्रशिक्षण ले सकें। इसमें कक्षा 11वीं और 12वीं के छात्र शामिल होंगे। इसको लेकर माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने पत्र जारी कर आवश्यक निर्देश जारी किया है। छात्र छात्रा कौशल विकास व उद्यमिता के गुर सीखेंगे। नजदीकी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से किया जाएगा टैग विभागीय सूत्रों के अनुसार सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के नजदीक आने वाले प्लस टू हाई स्कूल के छात्रों से कौशल प्रशिक्षण के लिए इच्छुक कोर्स के बारे में फीडबैक प्राप्त कर विवरणी तैयार किया जाएगा। प्लस टू विद्यालयों में अध्यनरत कक्षा 11वीं एवं 12वीं के छात्र छात्राओं को व्यावसायिक पाठ्यक्रमों से जोड़ने को ऐसे विद्यालय को चिन्हित किया जाएगा। इसके लिए डीईओ से जिला से संबंधित सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की सूची एवं उनमें संचालित कोर्स की सूची मांगी गई है। छात्रों के स्किल को बेहतर बनाना है विभाग का उद्देश्य जिले के प्लस टू हाईस्कूलों में छात्र-छात्राओं के लिए विशेष योजना शुरू की जा रही है। ताकि उनके स्किल को बेहतर उद्यमिता में निपुण किया जा सके। इस योजना की शुरूआत जल्द ही होने के आसार हैं। उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए छात्र छात्राओं को विशेष स्किल सिखाई जाएगी। सरकारी आईटीआई में इलेक्ट्रीशियन,फीटर, इलेक्ट्रॉनिक,बढ़ईगिरी आदि के ट्रेड में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे उनमें कौशल विकास होगा। इसके साथ ही ब्यूटीशियन,रिटेल, फिजिकल वर्क के साथ अन्य कामों के बारे में बताया जाएगा। रोजगार मिलने में होगी आसानी राजकीय व राजकीयकृत प्लस टू उच्च माध्यमिक विद्यालयों को कौशल प्रशिक्षण से जोड़ने के लिए नजदीक के सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से टैग करने की बात कही गई है। ताकि छात्राओं को रोजगार परख बनाया जा सके। मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,बिहार कौशल विकास मिशन,श्रम संसाधन विभाग की अध्यक्षता में 23 दिसंबर 2024 को हुई बैठक में राजकीय व राजकीयकृत प्लस टू उच्च माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण देने के लिए कई निर्णय लिये गए।

नप ने प्लास्टिक को लेकर चलाया छापेमारी अभियान, दुकानदारों में मचा हड़कंप

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] मंगलवार को नगर परिषद कार्यालय में पदस्थापित स्वच्छता एवं अवशिष्ट पदाधिकारी मोनिका कुमारी के नेतृत्व में सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर नगर क्षेत्र स्थित बाजार में छापेमारी अभियान चलाया गया। स्वच्छता एवं अवशिष्ट पदाधिकारी ने बताया कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। दुकानदारों को जागरूक करते हुए अधिकारियों ने प्लास्टिक मुक्त बाजार को सुनिश्चित करने की अपील की।

छापेमारी के दौरान दुकानदारों को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के स्पष्ट निर्देश देते हुए आग्रह किया कि वे अपने प्रतिष्ठानों पर सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग तुरंत बंद करें। उन्होंने दुकानदारों को चेतावनी दी कि सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करते हुए दोबारा पकड़े जाने पर भारी जुमार्ना के साथ साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। पुलिस पदाधिकारी के साथ मिलकर स्वच्छता एवं अवशिष्ट पदाधिकारी शहर के विभिन्न आसपास राशन दुकानों, सब्जी और फल दुकानों, ठेला-खोमचा , थोक विक्रेता आदि जगहों पर छापेमारी किया इस दौरान करीबन 10 दुकानों से कुल 50 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक को जब्त किया। नप की ओर से इस विशेष अभियान से बाजारों में हड़कंप मच गया। मौके पर नप के कर्मी भी मौजूद रहे।

एक बच्ची सहित 2 महिला टेम्पू पलटने से हुई घायल

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] बाराजोर गांव के समीप टेम्पू पलट जाने से उसपर सवार एक 2 वर्षीय बच्ची के साथ अन्य तीन महिला घायल हो गई। घटना की जानकारी लोगों ने डायल 112 की पुलिस को दी गई जिसके बाद जब तक पुलिस घटना स्थल पर पहुंची तबतक घटना में घायल एक महिला निजी अस्पताल इलाज के लिए चली गई तो वही घायल बच्ची और अन्य दो महिला को पुलिस इलाज के लिए रेफरल अस्पताल लाया जहां डॉक्टर ने सभी घायलों का इलाज किया जिसमें बच्ची के सिर में गम्भीर चोट लगने के कारण उसे सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया। घायल महिला की पहचान कलयुगा गांव की रहने वाली चांदनी कुमारी, ममता कुमारी और उसकी 2 वर्षीय पुत्री रिया कुमारी के रूप में हुई है। दोनो महिला गौतनी है। घायल चाँदनी कुमारी ने बताई कि मैं अपने बच्चे की इलाज हेतु टेम्पू से झाझा अपनी गौतनी के साथ जा रही थी ज्योही बाराजोर गुमटी के पास पहुंची की अचानक टेंपू का ब्रेक फैल हो गया था जिससे टेंपू सड़क किनारे पलट गई और घटना में हमलोग घायल हो गए। घटना के बाद टेम्पू चालक वाहन लेकर फरार हो गया।

पहल : स्वामित्व विवाद को सुलझाने के लिए राजस्व भूमि सुधार विभाग ने जारी की गाइडलाइन

प्रात : किरण, संवाददाता

- वंशावली में बेटियों का नाम अब होगा दर्ज,चाहने पर मिलेगा हक
- कागजात उपलब्ध नहीं है तो सीओ की रिपोर्ट पर तय होगी

गिद्धौर। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने जमीन के स्वामित्व को लेकर होने वाले विवादों को सुलझाने के लिए दिशा-निर्देश जारी किया है। इसमें स्वामित्व कायम करने के लिए विकल्प दिए गए हैं।विभाग के अपर मुख्य सचिव ने इस संबंध में दिशा- निर्देश जारी किया है। इसकी अधिसूचना भी जारी हो गई है। गाइडलाइन के अनुसार महिलाएं अगर अपने पिता की जमीन में स्वामित्व का त्याग शपथ पत्र के माध्यम से नहीं करती है तो उनका अधिकार कायम रहेगा।रैयतों को वंशावली की घोषणा में बहन-बेटियों का नाम दर्ज करना ही होगा। किसी रैयत का जमीन पर शांतिपूर्ण दखल कब्जा है। स्वामित्व के नाम पर सिर्फ लगान रसीद है। ऐसे मामलों। के बारे में कहा गया है कि भूमि सर्वेक्षण में ऐसे भूखंडों के चौहद्दीदारों के बयान पर एक निरीक्षण प्रतिवेदन तैयार किया जाएगा। चौहद्दी की किसी जमीन में उस खेसरा के स्वामी के रूप में रैयत का नाम हो तो उनके नाम से खाता खुल सकता है। रैयत के नाम पर खेसरा पर दखल कब्जा है।न जमाबंदी कायम है और ना ही रसीद कट रही है। ऐसी जमीन के मामले में कहा कि इसका खाता अनाबाद बिहार सरकार के नाम से खुलेगा। अभियुक्ति के कॉलम में अवैध दखलकर का नाम दर्ज होगा। कुछ ऐसी भी जमीन है,जो सर्वे खतियान में अनाबाद बिहार सरकार के खाते में दर्ज है।उस पर मकान बना हुआ है। अभियुक्ति के कालम में दखलकार का नाम दर्ज है। इन मामलों में दखल के उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर रैयती खाता खोला जाएगा। खतियान में दखलकार दर्ज होने अथवा न होने दोनों मामले में क्रमशः उनके वंशज अथवा वर्तमान दखलकार क्रेता के दखल के आधार पर उनके नाम से खाता खोला जाएगा। वंशावली को लेकर दिशा निर्देश में फिर कहा गया है कि रैयत स्वयं इस समर्पित करेंगे। महिलाओं को दावा करने पर मिलेगी पिता की संपत्ति नए बन रहे खतियान में महिला द्वारा संपत्ति का परित्याग करने अथवा पिता द्वारा स्व अर्जित भूमि की वसीयत में पुत्री का नाम दर्ज न करने अथवा न्यायालय से हुए बंटवारे में पुत्री-बहन का नाम नहीं रहने की स्थिति में ही महिलाओं को अपने अंश की प्राप्ति नहीं होगी। अन्य सभी दशाओं में प्रत्येक महिला को अपने पिता की संपत्ति में अपने हिस्से की प्राप्ति होगी। वंशावली में बहन-बेटियों का नाम दर्ज करना अनिवार्य है। अगर कोई महिला शपथ पत्र के माध्यम से संपत्ति का परित्याग करती है तो खाता में उनका नाम दर्ज नहीं होगा। आपसी सहमति के आधार पर हुआ बंटवारा मान्य आपसी सहमति के आधारित सभी पक्षों के बीच हुआ हस्ताक्षरित बंटवारा मान्य है।इस आधार पर सभी पक्षों का खाता खुलेगा। हिस्सेदारों में असहमति होने पर संयुक्त खाता खुलेगा। अगर बंटवारा निबंधित और सक्षम न्यायालय द्वारा किया गया है तो उसके आधार पर भी हिस्सेदारों का अलग-अलग खाता खुलेगा। यदि कोई खेसरा कैडेस्ट्रल सर्वे में रैयती है और रीवीजनल सर्वे में अनाबाद बिहार सरकार या अनाबाद सर्व साधारण दर्ज है और सिविल सूट में रैयत के पक्ष में निर्णय हुआ है तो खेसरा रैयती माना जाएगा। अगर क्रेता का जमीन पर शांतिपूर्ण दखल है तो केवाला का निबंधन कार्यालय से सत्यापन करा कर क्रेता के नाम से खाता खोला जाएगा। विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त की किसी प्रक्रिया में कोई हिस्सेदार पुर्व में किए गए बंटवारे पर और असहमत होते हैं तो वापस संयुक्त खाता खोला जाएगा। दिशा निर्देश में कहा गया है कि रैयत अगर जमाबंदी अथवा लगान रसीद अद्यतन नहीं करा पाए हैं तो खतियान में स्वामित्व की स्थिति प्रभावित नही होगी। पूर्व में गैरमजरूआ जमीन की बंदोबस्ती के आलोक में रैयतों के पास अगर कागजात उपलब्ध नहीं है तो भूमिहीन श्रेणी के इन रैयतों को अंचलाधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर स्वामित्व बना रहेगा।

विद्यार्थी परिषद नगर इकाई के कार्यकर्ताओं ने दलित बस्तियों में जाकर छः पाठ सामग्री का किया वितरण

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई झाझा के कार्यकताओं ने दलित बस्तियों में जाकर छात्र नेता सूरज बरनवाल के जन्मदिन के अवसर पर पाठ सामग्री का वितरण किया। मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रूपेश भारती ने कहा कि इस प्रकार के रचनात्मक कार्यक्रम विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता वर्षों से करते आ रहे हैं झाझा नगर इकाई के छात्र नेता सूरज बरनवाल है तथा वर्तमान में अभाविप दक्षिण बिहार के प्रांत एसएफडी सह संयोजक है। आज उनके जन्मदिन के अवसर पर हम सभी के द्वारा पाठ सामग्री का वितरण किया जा रहा है। मौके पर पूर्व नगर मंत्री हरिनंदन प्रजापति ने छात्र नेता को शुभकामना देते हुए कहा कि विद्यार्थी परिषद स्थापना कल से ही अपने रचनात्मक कार्यों के लिए जाने जाते हैं आज कार्यकर्ता के जन्मदिन के अवसर पर सलाम बस्ती में पाठ सामग्री का वितरण किया जा रहा है जो एक सकारात्मक पहल है आज के दौर में युवा केक काटकर अपना बर्थडे मनाते हैं जिसमें हजारों रुपया बेवजह खर्च करते हैं वही अभाविप के कार्यकर्ता इस प्रकार के रचनात्मक कार्यक्रम करके समाज के उत्थान के लिए एक अनूठा पहल करते हैं। मौके पर नगर कार्यकारिणी सदस्य सतीश कुमार सिन्हा ,अमरेंद्र कुमार, संतोष कुमार , दिवाकर कुमार, राहुल कुमार आदि दर्जनों मौजूद रहे।

प्रशासन आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजनः आम जनों की समस्याओं का समाधान

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुईः जिला पदाधिकारी जमुई, अभिलाषा शर्मा के निर्देश पर ह्यप्रशासन आपके द्वारह्व कार्यक्रम का आयोजन 21 जनवरी 2025 दिन मंगलवार को जिले के सभी प्रखंडों के पंचायत परिसरों में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को उनकी समस्याओं का समाधान प्रदान करना और सरकारी योजनाओं की जानकारी सुलभ कराना था। कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएंः समस्याओं का समाधानः ग्रामीणों से संबंधित समस्याओं के आवेदन लिए गए। इनमें से कुछ का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि शेष आवेदनों को संबंधित विभागों में भेजा गया। सरकारी योजनाओं की जानकारीः कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, आपूर्ति, पेंशन, हर घर नल का जल, स्वास्थ्य, शिक्षा, आंगनवाड़ी, कृषि, परिवहन, उद्योग, श्रम जैसी कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। प्रचार-प्रसारः सरकारी योजनाओं के लाभों को अधिकतम लोगों तक पहुंचाने के लिए फ्लैक्स और स्टॉल लगाए गए। जिला पदाधिकारी का संदेशः जमुई जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने अपने संदेश में कहा, ह्यसरकार हर नागरिक तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीणों को उनके ही गांव में उनकी समस्याओं का समाधान प्रदान करना है। स्वास्थ्य और पोषण पर विशेष जोरः एनीमिया जांच कैंपः स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से एनीमिया जांच के लिए कैंप आयोजित किए गए। पोषण और पर्यावरणः समेकित बाल विकास परियोजना (आईसीडीएस) के तहत पूरक पोषाहार, पोषण, और पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विचार मंथन

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
पटना, बुधवार, 22 जनवरी, 2025

सम्पादकीय

स्वामित्व योजना के तहत बनाए गए संपत्ति कार्ड द्वारा सह-स्वामित्व के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण

18 जनवरी, 2025 को लगभग 65 लाख स्वामित्व संपत्ति कार्डों का वितरण, ग्रामीण सशक्तिकरण और आर्थिक परिवर्तन की दिशा में भारत की यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। यह पहल, संपत्ति के अधिकारों को मजबूत करने और समावेशी ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह नागरिकों, विशेष रूप से महिलाओं और समाज के वंचित वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो एक समृद्ध और विकसित भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है। ऐतिहासिक रूप से, भारत में ग्रामीण महिलाएँ कृषि, घरेलू प्रबंधन और सामुदायिक जीवन का केंद्र रही हैं। उनके महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद, प्रणालीगत बाधाओं ने उन्हें उस भूमि की कानूनी मान्यता से वंचित कर दिया है, जिस पर वे खेती करती हैं और जिसकी देखभाल करती हैं। इस असमानता ने महिलाओं की वित्तीय संसाधनों, अवसरों और स्वतंत्रता तक पहुँच को बाधित कर दिया है, जिससे आर्थिक और लैंगिक असमानताएँ अभी तक मौजूद हैं। स्वामित्व योजना आधिकारिक तौर पर महिलाओं को भूमि के सह-स्वामी के रूप में मान्यता देकर इस आख्यान को नया रूप दे रही है। यह परिवर्तनकारी पहल, महिलाओं को पारिवारिक संपत्ति में समान हिस्सेदारी की सुविधा देती है तथा उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाती है। यह लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्रामीण भारत में, भूमि स्वामित्व वित्तीय मूल्य से परे है - यह सामाजिक स्थिति और सुरक्षा का प्रतिनिधित्व करता है। संपत्ति के अधिकार के बिना, महिलाओं को अक्सर वित्तीय अस्थिरता, विस्थापन और घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ता है। कानूनी भूमि अधिकार प्रदान करके, स्वामित्व योजना महिलाओं को भूमि उपयोग, पहुँच और संसाधनों के संबंध में सुरक्षा और निर्णय लेने की शक्ति प्रदान करती है। योजना के सबसे प्रभावशाली परिणामों में से एक है - महिलाओं को मिली वित्तीय स्वतंत्रता। भूमि स्वामित्व प्रमाण-पत्र, क्रेडिट और बीमा जैसी वित्तीय सेवाओं तक पहुँच को सक्षम बनाता है, जो पहले औपचारिक भू-स्वामित्व के बिना संभव नहीं था। यह पहुँच महिलाओं को अपने परिवार के भविष्य में निवेश करने और वित्तीय स्थिरता स्थापित करने की सुविधा देती है। संपत्ति में महिलाओं को सह-स्वामियों के रूप में शामिल करने से, ग्रामीण महिलाओं के पास अब ऋण प्राप्ति के लिए गिरवी के रूप में अपनी भूमि का उपयोग करने की क्षमता है। उदाहरण के लिए, महाराष्ट्र के पुणे जिले में स्थानीय अधिकारियों ने महिलाओं को संपत्तियों का सह-स्वामी बनाने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया। परिणामस्वरूप, महिलाओं द्वारा संयुक्त रूप से या पूर्ण स्वामित्व वाली आवासीय संपत्तियों का प्रतिशत आश्चर्यजनक रूप से 16% से बढ़कर 88% हो गया। इस बदलाव ने महिलाओं को ऋण प्राप्त करने, व्यवसाय शुरू करने और वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने के साथ-साथ वित्तीय विवादों को कम करने और आर्थिक स्थिरता को बढ़ाने के प्रति सशक्त बनाया है। इसी तरह, मध्य प्रदेश में, राज्य के भू राजस्व संहिता के तहत सह-स्वामी के रूप में महिलाओं को शामिल करने के परिवर्तनकारी प्रभाव हुए हैं। हरदा की श्रीमती शालिया सिद्दीकी जैसी महिलाओं ने बताया कि स्वामित्व योजना के तहत संपत्ति कार्ड प्राप्त करने से कैसे उनकी भूमि सुरक्षित हुई और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए कानूनी समर्थन प्राप्त हुआ। इस सशक्तिकरण ने ऋण, कृषि सहायता और अन्य वित्तीय संसाधनों तक उन्हें पहुँच को सक्षम किया है, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है। वित्तीय और कानूनी सशक्तिकरण से परे, यह योजना एक महत्वपूर्ण सामाजिक उपलब्धि है। कई महिलाओं के लिए, संपत्ति का स्वामित्व परिवारों और समुदायों में सुरक्षा, मान्यता और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देता है। यह उन सांस्कृतिक मानदंडों को चुनौती देता है, जिन्होंने ऐतिहासिक रूप से महिलाओं को संपत्ति से संबंधित निर्णय लेने की प्रक्रिया से बाहर रखा है। इस योजना के जरिये महिलाओं को घरेलू और सामुदायिक शासन में सक्रिय भूमिका निभाने में सक्षम बनाया गया है। भूमि अधिकारों को सुरक्षित करके, स्वामित्व योजना गहरी जड़ें जमाए लैंगिक पूर्वाग्रहों का समाधान करती है और महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भाग लेने के लिए सशक्त बनाती है। कानूनी मान्यता परिवारों और समाज के भीतर उनकी स्थिति को मजबूत करती है, घरेलू संसाधनों पर अधिक नियंत्रण प्रदान करती है और संपत्ति विवादों के दौरान विस्थापन या अधिकारों के उल्लंघन के जोखिम को कम करती है।

कश्मीर से पंडित पलायन के चार दशक

कश्मीर के सर्वाधिक नए जन सांख्यिकीय आंकड़ों पर नजर डाले तो स्वतंत्रता के समय वहां घाटी में 15% कश्मीरी पंडितों की आबादी थी जो आज 1 % से नीचे होकर 0 % की ओर बढ़ गई है। हाल ही के इतिहास में कश्मीर के ज.स. सांख्यिकी में यदि परिवर्तन का सबसे बड़ा कारक खोजें तो वह एक दिन, यानि 19 जन. 1990 के नाम से जाना जाता है। कश्मीरी पंडितों को उनकी मातृभूमि से खदेड़ देनें की इस घटना की यह भीषण और वीभत्स कथा 1989 में आकार लेनें लगी थी। पाकिस्तान प्रेरित और प्रायोजित आतंकवादी और अलगाववादी यहाँ अपनी जड़ें बैठा चुके थे। भारत सरकार आतंकवाद की समाप्ति में लगी हुई थी तब के दौर में वहां रह रहे ये कश्मीरी पंडित भारत सरकार के मित्र और इन आतंकियों और अलगाववादियों के दुशमन और खबरी सिद्ध हो रहे थे। इस दौर में कश्मीर में अलगाववादी समाज और आतंकवादियों ने इस शांतिप्रिय हिन्दू पंडित समाज के विरुद्ध चल रहे अपनें धीमें और छदम संघर्ष को घोषित संघर्ष में बदल दिया। इस भयानक नरसंहार पर फारुक अब्दुल्ला की रहस्यमयी चुप्पी और कश्मीरी पंडित विरोधी मानसिकता केवल इस घटना के समय ही सामनें नहीं आई थी। तब के दौर में तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला अपनें पिता शेख अब्दुल्ला के कदमों पर चलते हुए अपना कश्मीरी पंडित विरोधी आचरण कई बार सार्वजनिक कर चुके थे। 19 जन. 1990 के मध्ययुगीन, भीषण और पाशविक दिन के पूर्व जमात-ऐ-इस्लामी द्वारा कश्मीर में अलगाववाद को समर्थन करनें और कश्मीर को हिन्दू विहीन करनें के उद्देश्य से हिज्बुल मुजाहिदीन की स्थापना हो गई थी। इस हिजबुल मुजाहिदीन नें 4 जन. 1990 को कश्मीर के स्थानीय समाचार पत्र में एक एक विज्ञप्ति प्रकाशित कराई जिसमें स्पष्टतः सभी कश्मीरी पंडितों को कश्मीर छोड़ने की धमकी दी गई थी। इस क्रम में उधर पाकिस्तानी प्रधानमन्त्रीकी बेनजीर नें भी टीवी पर कश्मीरियों को भारत से मुक्ति पानें का एक भड़काऊ भाषण दे दिया। घाटी में खुले आम भारत विरोधी नारे लगनें लगे। घाटी की मस्जिदों में अजान के स्थान पर हिन्दुओं के लिए धमकियां और हिन्दुओं को खदेड़ने या मार-काट देनें के जहरीले आव्हान बजनें लगे। एक अन्य स्थानीय समाचार पत्र अल-सफा ने भी इस विज्ञप्ति का प्रकाशन किया था। इस भड़काऊ, नफरत, धमकी, हिंसा और भय से भरे शब्दों और आशय वाली इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के बाद कश्मीरी पंडितों में गहरें तक भय, डर घबराहट का संचार हो गया। यह स्वाभाविक भी था क्योंकि तब तक कश्मीरी पंडितों के विरोध में कई छोटी बड़ी घटनाएं वहां सतत घाट ही रही थी और कश्मीरी प्रशासन और भारत सरकार दोनों ही उन पर नियंत्रण नहीं कर पा रहे थे। 19जन. 1990 की भीषणता को और कश्मीर और भारत सरकार की विफलता को इससे स्पष्ट समझा जा सकता है कि पूरी घाटी में कश्मीरी पंडितों के घर और दुकानों पर नोटिस चिपका दिए गए थे कि 24 घंटो के भीतर वे घाटी छोड़ कर चले जाएँ या इस्लाम ग्रहण कर कड़ाई से इस्लाम के नियमों का पालन करें। घरों पर धमकी भरें पोस्टर चिपकाने की इस बदनाम घटना से भी भारत और कश्मीरी सरकारें चेती नहीं और परिणाम स्वरुप पूरी घाटी में कश्मीरी पंडितों के घर धूं-धूं जल उठे। तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ला इन घटनाओं पर रहस्यमयी आचरण अपनाए रहे, वे कुछ करनें का अभिनय करते रहे और कश्मीरी पंडित अपनी ही भूमि पर ताजा इतिहास की सर्वाधिक पाशविक- बर्बर-क्रूरतम गतिविधियों का खुले आम शिकार होते रहे. घाटी में पहले से फैली अराजकता चरम पर पहुँच गई। कश्मीरी पंडितों के सर काटे गए, कटे सर वाले शवों को चौक-चौराहों पर लटकाया गया। बलात्कार हुए, कश्मीरी पंडितों की स्त्रियों के साथ पाशविक-बर्बर अत्याचार हुए। गर्म सलाखों शरीर में दागी गई और इज्जत आबरू के भय से सैकड़ों कश्मीरी पंडित स्त्रियों ने आत्महत्या करनें में ही भलाई समझी। बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों के शवों का समुचित अंतिम संस्कार भी नहीं होनें दिया गया था।

दिल्ली विधान सभा 25 के चुनावी समर क्षेत्र में राजनीतिक दल आमने-सामने

वही कांग्रेस को 34.50 फीसदी और जनता दल को 12.60 फीसदी वोट मिले थे। खुराना 26 फरवरी 1996 तक ही मुख्यमंत्री रह सके। उनकी जगह साहिब सिंह वर्मा सीएम बने। लेकिन चुनाव से पहले उनकी भी विदाई हो गई। 12 अक्तूबर 1998 को सुषमा स्वराज को सीएम बनाया गया। लेकिन प्याज के दामों ने दिल्ली की जनता ने भाजपा को सत्ता से बाहर कर दिया। सन 1998 में शीला दीक्षित के नेतृत्व में कांग्रेस ने जीत हासिल की। कांग्रेस को 52, भाजपा को 15, जनता दल को एक और निर्दलीयों को दो सीटें मिलीं। इसके बाद 2003 और 2008 में भी शीला दीक्षित ने कांग्रेस को जीत दिलाई। 2003 में कांग्रेस को 47 और भाजपा को 20 सीटें मिलीं। 2008 में भी भाजपा सत्ता से दूर रही। इस चुनाव में कांग्रेस को 43, भाजपा को 23 और बसपा को दो सीटें मिलीं। कांग्रेस ने इन दोनों चुनावों में अपने विकास कार्यों, मेट्रो प्रोजेक्ट और औद्योगिक क्षेत्र में मजदूर वर्ग को बढ़ावा देने के चलते जबरदस्त जीत हासिल हुई। लेकिन 2008 की जीत के बाद कांग्रेस की दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार दोनों ही विवादों में घिर गईं।

विनोद कुमार सिंह
लेखक

भाजपा व उनके कट्टर समर्थक कल तक दिल्ली सरकार आसीन आम आदमी पार्टी की मुखिया केजरीवाल व उनकी सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याण कारी योजना (मुप्त योजना) सरकारी कर दाताओं की गढाई कमाई खजानों को लुटाने व फ्री की रेवडी पानी पी पी कर कोसने वाले भाजपा ने अपनी चुनावी भाषण व घोषणा पत्र आप सरकार के द्वारा वर्तमान में चलाने जाने वाली योजना यथावत चालु रखने की वकालत ही नहीं कर रही बल्कि कई अन्य लोक लुबावन मुफ्त योजना को लागु करने की घोषणा करते थक नहीं रही है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की राजधानी दिल्ली नें एक बार फिर से राजनीतिक पंडितो को सोचने को मजबुर कर दिया है कि विश्व के सबसे व पुराने प्रजातंत्र के जन्म दाता भारत की राजनीति जिसका नाम बड़े ही अदब से लिया जाता है। उसी भारत की राजनीति का स्तर इतना गिर जायेगा कि सता के सिंघासन के लिए राजनेता व राजनीतिक दल सिद्धान्त विहीन हो कुछ भी कर सकता है। ऐसा ही घटना आयें दिनों को देखने मिलती रहती है। जैसा कि सर्व विदित है देश की राजधानी में दिल्ली विधान सभा चुनाव 25 की घोषणा चुनाव आयोग द्वारा हो गई है। एक ओर तो हाय रे दिल्नी की हाड़ कंपाने वाली सर्दी वही दूसरी ओर दिल्ली में भाजपा, आम आदमी पार्टी व कॉग्रेस जैसी राजनीतिक पार्टी द्वारा एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप के प्रहार से दिल्ली की भोली भाली जनता परेशानहै। खास कर जब से दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों का एलान हुआ है। दिल्ली विधान सभा के चुनावी मैदान में भाजपा, आप और कांग्रेस ने कमर कस ली है। दिल्ली के सिंघासन पर आसीन होने के लिए तीनों राजनीतिक पार्टी में अपने मुद्दों से लेकर प्रत्याशियों तक पर मंथन चल रही है। 70 सीट वाली इस विधान सभा की अहमियत कितनी है, इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है केन्द्र की सता में काबिज लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार भी तत्कालीन आम आदमी पार्टी की सरकार को हराने के लिए नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार चर्चा व चिन्तन का दौर चल रहा है। इस बैठक में दिल्ली विधान सभा चुनाव के पार्टी का घोषणा पत्र से लेकर उम्मीददारों का चयन व रणनीति बनाई जा रही है। ताकि दिल्ली में भाजपा अपनी सरकार बना सकें। केंद्र शासित प्रदेश होने के बावजूद राजधानी के कई बड़े मुद्दे यहाँ की स्थानीय सरकार के हिस्से में होते हैं। आप सभी के मन में प्रशन उठना स्वाभाविक है कि दिल्ली में जब केन्द्र सरकार की सता के सिंघासत पर स्वयं भाजपा व एन डी ए वाली गठबन्धन आसीन है तो दिल्ली के विधान सभा के विश्व के सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा व कांग्रेश पार्टी इतनी क्यूँ परेशान है। सर्व विदित रहे कि दिल्ली विधान सभा की ऐतिहासिक यात्रा भाजपा से शुरू होकर कांग्रेस और फिर आप का गढ़ कैसे बनी। इसकी पीछे की पृष्टिभूमि को जानना आवश्यक है। आजादी के बाद सन1952 पार्ट-सी राज्य के रूप में दिल्ली को एक विधानसभा दी गई। लैकिन सन 1956 में उस विधानसभा को भंग कर दिया गया तथा सन 1966 में दिल्ली को एक महानगर परिषद दी गई। दिल्ली राज्य विधानसभा 17 मार्च 1952 को पार्ट-सी राज्य सरकार अधिनियम, 1951 के तहत अस्तित्व में आई। 1952 की विधानसभा में 48 सदस्य थे। मुख्य आयुक्त को उनके कार्यों के निष्पादन में सहायता और सलाह देने के लिए एक मंत्रिपरिषद का प्रावधान था, जिसके संबंध में राज्य विधानसभा को कानून बनाने की शक्ति दी गई थी। राज्य पुनर्गठन आयोग (1955) की सिफारिशों के बाद दिल्ली 1 नवंबर 1956 से भाग-सी राज्य नहीं रही। दिल्ली विधानसभा और मंत्रिपरिषद को समाप्त कर दिया गया और दिल्ली राष्ट्रपति के प्रत्यक्ष प्रशासन के तहत केंद्र शासित प्रदेश बन गया। दिल्ली में एक लोकतांत्रिक व्यवस्था और उत्तरदायी प्रशासन की मांग उठने लगी। इसके बाद दिल्ली प्रशासन अधिनियम, 1966 के तहत महानगर परिषद बनाई गई। यह एक सदनीय लोकतांत्रिक निकाय था जिसमें 56 निर्वाचित सदस्य और 5 राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत सदस्य होते थे। इसके बाद भी विधानसभा की मांग उठती रही। परिणाम स्वरूप 24 दिसंबर1987 को भारत सरकार ने सरकारिया समिति(जिसे बाद में बालकृष्णन समिति कहा गया) नियुक्त की। इस समिति ने 14 दिसंबर 1989 को अपनी रिपोर्ट पेश करते हुए सिफारिश की कि दिल्ली को केंद्र शासित प्रदेश बना रहना चाहिए, लेकिन आम आदमी से जुड़े मामलों से निपटने के लिए अच्छी शक्तियों के साथ एक विधानसभा दी जानी चाहिए। बालाकृष्णन समिति की सिफारिश के अनुसार, संसद ने संविधान (69वां संशोधन) अधिनियम, 1991पारित किया, जिसने संविधान में नए अनुच्छेद 239एए और 239एबी डाले, जो अन्य बातों के साथ-साथ दिल्ली के लिए एक विधानसभा की व्यवस्था करते हैं। लोक व्यवस्था, पुलिस और भूमि के मुद्दों पर विधानसभा को कानून बनाने का अधिकार नहीं था। 1992 में परिसीमन के बाद1993 में दिल्ली में विधानसभा के चुनाव बाद दिल्ली को एक निर्वाचित विधानसभा व मुख्यमंत्री मिला। लैकिन इसके पूर्व 27 मार्च 1952 को पहली बार दिल्ली विधानसभा के चुनाव हुए। इस चुनाव में 5, 21, 766 मतदाता थे, जिनमें से 58.52% ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कांग्रेस को 48 में से 39 सीटों पर जीत मिली। .वही जनसंघ को पांच, सोशलिस्ट पार्टी को दो और एक-एक सीट पर हिंदू महासभा और निर्दलीय उम्मीदवार को जीत मिली। हालांकि, सन 1956 में विधानसभा को भंग कर दिया गया तथा सन 1992 में परिसीमन के बाद 1993 में दिल्ली विधानसभा फिर कराए गए। आप को बता दे कि दिल्ली में अब तक सात बार चुनाव हुए हैं। सबसे ज्यादा कांग्रेस ने चार बार, आप ने दो बार(एक बार कांग्रेस के साथ मिलकर)भाजपा ने एक बार सरकार बनाई थी। शीला दीक्षित तीन बार और अरविंद केजरीवाल तीन बार मुख्यमंत्री बने। 1993 के पहले चुनाव के बाद दिल्ली विधान सभा में भाजपा कभी भी अपनी वापसी नहीं कर सकी। इस बार दिल्ली विधान सभा के चुनाव में आम आदमी पार्टी के मुखिया व पूर्व मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप शराब घोटाले से लेकर सीएम आवास पर घिरी है। वहीं भाजपा पर वोटर लिस्ट में गड़बड़ी कराने के आरोप लगे हैं। 1991 के दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी अधिनियम के तहत विधानसभा बनी थी सन्1993 में दिल्ली विधान सभा का पहला चुनाव हुआ। भाजपा ने जीत हासिल किये तथा मदनलाल खुराना दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे।

रेवड़ियों की राजनीतिः चुनाव जीतने का आसान तरीका

देखना दिलचस्प होगा कि केंद्र सरकार इस पर अदालत को क्या सुझाती है, लेकिन इस हकीकत को कोई नहीं नकार सकता कि साल 2023-24 में दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय 4, 61, 910 रुपये सामने आई थी, जो देश में गोवा और सिक्किम के बाद सबसे ज्यादा है ’ दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय स्तर की प्रति व्यक्ति आय 1, 84, 205 रुपये से दोगुनी से अधिक है ’ यही नहीं, दिल्ली सरकार द्वारा प्रतिवर्ष जारी की जाने वाली हैंडबुक पर गौर किया जाए तो राष्ट्रीय राजधानी की प्रति व्यक्ति आय में 7.4 प्रतिशत वार्षिक बढ़ोतरी का अनुमान भी है यही वजह है कि दिल्ली के बाद मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत कई राज्यों में चुनाव के दौरान किया गया ’ आर्थिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो भारत में वोटर तीन स्तरों का है- उच्च वर्ग, मध्य वर्ग और निम्न वर्ग या गरीब ’ इनमें सब कैटेगरी भी है, लेकिन महंगाई, टैक्स, बेरोजगारी की जद्दोजहद और सुविधाओं को जुटाने की कवायद सबसे ज्यादा मध्यम वर्ग को झेलनी पड़ती है।

दिलीप कुमार पाठक
लेखक पत्रकार

दिल्ली चुनाव में किसे मिल रहा है फ्रीबीज का असल फायदा? ये सब बड़ा सवाल हो गया है, चूंकि अब सारी की सारी पार्टियां मुफ्त रेवड़ियों के आसरे ही चुनाव लड़ रहीं हैं ’ विकास, सुशासन जैसे मुद्दे अब गौण हो चले हैं ’ दरअसल मुफ़्त रेवड़ी अब चुनाव जीतने की गारंटी बन गईं हैं ’ यही कारण है कि अब सारी की सारी पार्टियां चुनाव जीतने के लिए मुफ़्त रेवड़ियों बांटने के लिए वायदों की बौछार कर रही हैं ’ एक समय रेवड़ी बांटने वाली पार्टियों को प्रधानमंत्री मोदी ने आड़े हाथों लिया था, लेकिन आज पीएम मोदी खुद रेवड़ी बांटने एवं रेवड़ी के वायदे करने वालों में टॉप पर हैं ’ दूसरी तरफ फ्रीबीज पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से जवाब मांगा था ’ पिछले एक साल में केंद्र सरकार यह नहीं बता पाई है कि असल में फ्रीबीज है क्या? इधर दिल्ली में मुफ्त वादों की झड़ी लग गई है ’ वादे करने में सभी पार्टियां आगे चल रही है ’ फ्रीबीज यानी राजनीतिक फायदे के लिए चुनाव से पहले मुफ्त की योजनाएं (रेवड़ी) मुहैया कराने की कोई कानूनी परिभाषा अभी नहीं है ’ शायद इसे परिभाषित करना भी जटिल है, इसलिए केंद्र सरकार एक साल से इसका जवाब ढूंढ रही है, कि क्या जवाब दिया जाए ’ पिछले कुछ चुनावों के अनुभव हकीकत बयान कर रहे हैं कि जहां रेवड़ियाँ बांटी गईं हैं वहाँ वहाँ तमाम पार्टियों ने चुनाव जीत लिए हैं, चाहे एमपी, हरियाणा में भाजपा हो, महाराष्ट्र में एनडीए हो, फिर चाहे झारखंड में मुक्ति मोर्चा हो सभी को रेवड़ी के नाम पर जबरदस्त फायदा हुआ है ।

हालांकि अब कुछ सवाल शुरू हो गए हैं और उन्हें पूछना भी जरूरी हो जाता है ’ दिल्ली की राजनीति से शुरू हुई यह कवायद किसी वायरस की तरह अन्य राज्यों में फैलने लगी है ’ हकीकत ये है कि देश की राजधानी की प्रति व्यक्ति आय देश में तीसरे स्थान पर है, जबकि बेरोजगारी में सबसे कम दर वाले राज्यों में दिल्ली का नाम आता है ’ फिर क्यों जनता को मुफ्त की रेवड़ी की जरूरत है? अर्थशास्त्रियों, कानूनविदों की माने तो फ्रीबीज के राजनीतिक फायदे का आकलन दलों ने भी किया ’ यही वजह है कि दिल्ली के बाद मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत कई राज्यों में चुनाव के दौरान किया गया ’ आर्थिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो भारत में वोटर तीन स्तरों का है- उच्च वर्ग, मध्य वर्ग और निम्न वर्ग या गरीब ’ इनमें सब कैटेगरी भी है, लेकिन महंगाई, टैक्स, बेरोजगारी की जद्दोजहद और सुविधाओं को जुटाने की कवायद सबसे ज्यादा मध्यम वर्ग को झेलनी पड़ती है ’ इसमें भी तीन स्तर हैं- उच्च मध्यम वर्ग, सामान्य मध्यम वर्ग और निम्न मध्यम वर्ग, फ्रीबीज का सीधा फायदा इन्हें भी मिलता है ’ हाशिए पर रहने वालों को निशाने पर रखकर राजनीति का दौर फ्रीबीज के आने पर पुराना हो गया है ’ इसके गलत और सही होने का फैसला या परिभाषित करने का हल सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामले से निकल आएगा, लेकिन आंकड़ों की हकीकत ये सवाल उठाती है कि देश की राजधानी में रहने वाली जनता सक्षम है तो उसे फ्रीबीज की क्या जरूरत है? कई विद्वान बढ़ती टैक्स और महंगाई की दरों के चलते इसे जायज करार देते हैं, जबकि एक धड़ा इसके बिल्कुल खिलाफ है ’ हालांकि मैनिफेस्टो यानी चुनावी घोषणापत्र में राजनीतिक दल सरकार बनने पर सुविधाएं मुहैया कराने का ब्यौरा दे सकती है ’ तमाम अर्थशास्त्रियों कहना है कि फ्रीबीज की कानूनी परिभाषा तय होना जरूरी है ’ केंद्र से सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस पर सवाल किए हुए एक साल से ज्यादा समय हो चुका है ।

देखना दिलचस्प होगा कि केंद्र सरकार इस पर अदालत को क्या सुझाती है, लेकिन इस हकीकत को कोई नहीं नकार सकता कि साल 2023-24 में दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय 4, 61, 910 रुपये सामने आई थी, जो देश में गोवा और सिक्किम के बाद सबसे ज्यादा है ’ दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय स्तर की प्रति व्यक्ति आय 1, 84, 205 रुपये से दोगुनी से अधिक है ’ यही नहीं, दिल्ली सरकार द्वारा प्रतिवर्ष जारी की जाने वाली हैंडबुक पर गौर किया जाए तो राष्ट्रीय राजधानी की प्रति व्यक्ति आय में 7.4 प्रतिशत वार्षिक बढ़ोतरी का अनुमान भी है ’ जबकि आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) द्वारा गतवर्ष सितंबर में जारी एक सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक बेरोजगारी दर में भी दिल्ली अन्य राज्यों से काफी निचले पायदान पर है ’ रिजर्व बैंक के मुताबिक, मार्च 2024 तक सभी राज्य सरकारों पर कुल 75 लाख करोड़ रुपये का कर्ज था जो मार्च 2025 तक बढ़कर 83.31 लाख करोड़ से भी ज्यादा हो जाएगा ’ देश में सबसे ज्यादा कर्ज तमिलनाडु पर है ’ तमिलनाडु पर 8.34 लाख करोड़ रुपये, उत्तर प्रदेश पर 7.69 लाख करोड़ रुपये, महाराष्ट्र पर 7.22 लाख करोड़, पश्चिम बंगाल पर 6.58 लाख करोड़ रुपये, कर्नाटक पर 5.97 लाख करोड़ रुपये, राजस्थान पर 5.62 लाख करोड़ रुपये, आंध्र प्रदेश पर 4.85 करोड़ रुपये, गुजरात पर 4.67 लाख करोड़ रुपये, केरल पर 4.29 लाख करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश पर 4.18 लाख करोड़ रुपये, तेलंगाना पर 3.89 लाख करोड़ रुपये, पंजाब पर 3.51 लाख करोड़ रुपये, हरियाणा पर 3.36 लाख करोड़ रुपये, बिहार पर 3.19 लाख करोड़ रुपये और असम पर 1.51 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है ’ ये मुफ़्त की रेवड़ियाँ विकास का मॉडल नहीं अपितु राजनीतिक पार्टियों का चुनाव जीतने का उपाय बन गया है, जिसने विकास के मुद्दो को गौण कर दिया है ।

कैसे वाजिब है 70-90 घंटे काम करना?

डॉ. सत्यवान सौरभ

लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के चेयरमैन एसएन सुब्रह्मण्यन ने हाल ही में सुझाव दिया था कि प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए कर्मचारियों को रविवार सहित प्रति सप्ताह 90 घंटे तक काम करना चाहिए। ह्यलालची नौकरियाँह्ल उन भूमिकाओं को संदर्भित करती हैं जो समय, ऊर्जा और प्रतिबद्धता के अनुपातहीन रूप से उच्च स्तर की माँग करती हैं, अक्सर उत्पादकता या परिणामों के बजाय लंबे समय तक काम करने वाले कर्मचारियों को पुरस्कृत करती हैं। ह्यलालची नौकरियोंह्ल का लिंग समानता और कार्य-जीवन संतुलन पर प्रभाव के साथ करियर विकास पर प्रभाव पड़ता है। महिलाएँ मुख्य रूप से घरेलू ज़िम्मेदारियाँ संभालती हैं, इसलिए वे लालची नौकरियों की माँग के अनुसार लंबे समय तक काम करने, देर रात तक मीटिंग करने और यात्रा करने में असमर्थ होती हैं। इसका परिणाम यह होता है कि नेतृत्व की भूमिकाएँ निभाने वाली महिलाओं की संख्या कम होती है, जिससे कार्यस्थल पर असमानताएँ बढ़ती हैं। महिला श्रम शक्ति भागीदारी में वृद्धि के बावजूद, कार्यबल में हर 10 पुरुषों के लिए केवल 4 महिलाएँ हैं। यह महिलाओं द्वारा असमान रूप से उठाए जाने वाले अवैतनिक घरेलू कार्यभार से जुड़ा है, जो उनकी आर्थिक स्वतंत्रता के लिए प्रणालीगत बाधाएँ पैदा करता है। लंबे समय तक काम करने वाले कर्मचारियों, पुरुषों और महिलाओं दोनों को ही आराम करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता है, जिससे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याएँ होती हैं। यह व्यक्तियों और संगठनों के लिए दीर्घकालिक रूप से टिकाऊ नहीं है। लालची नौकरियाँ परिवार के साथ बातचीत और देखभाल में भागीदारी को कम करती हैं, जिससे महिलाओं पर बोझ बढ़ता है। घरेलू कामों में पुरुषों का सीमित योगदान इस असंतुलन को बढ़ाता है। नोबेल पुरस्कार विजेता क्लाउडिया गोल्डिन ह्यलालचीह्ल नौकरियों की पहचान उन भूमिकाओं के रूप में करती हैं, जिनमें पर्याप्त वेतन मिलता है, लेकिन लंबे समय तक काम करना पड़ता है, व्यापक नेटवर्किंग, देर रात तक बैठकें करनी पड़ती हैं और लगातार यात्रा करनी पड़ती है। ये भूमिकाएँ अक्सर व्यक्तियों को व्यक्तिगत और पारिवारिक जिम्मेदारियों से अलग कर देती हैं, तथा अन्य सभी चीजों से ऊपर पेशेवर प्रतिबद्धताओं को प्राथमिकता देती हैं। दोनों काम करने वाले परिवारों के लिए चुनौतियाँः जिन परिवारों में दो कामकाजी माता-पिता होते हैं, उनमें बच्चों के पालन-पोषण की मांग के कारण आमतौर पर केवल एक ही लालची नौकरी कर सकता है। दूसरे माता-पिता को द्वितीयक भूमिका में रखा जाता है, जिसे अक्सर मम्मी ट्रैक के रूप में संदर्भित किया जाता है, जहाँ वे घरेलू और बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारियों का प्रबंधन करते हैं, जैसे स्कूल की गतिविधियाँ, चिकित्सा आवश्यकताएँ और पाठ्येतर गतिविधियाँ। जबकि ह्यमम्मी ट्रैकह्ल की भूमिका माता-पिता में से किसी एक द्वारा निभाई जा सकती है, सामाजिक मानदंड और अपेक्षाएँ अक्सर यह बोझ महिलाओं पर डालती हैं। परिणामस्वरूप, महिलाएँ अक्सर पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिए करियर में उन्नति और उच्च वेतन को छोड़ देती हैं। महिलाओं का कैरियर पथ प्रायः अवरुद्ध रहता है, जिससे नेतृत्वकारी भूमिकाएँ और कैरियर विकास के उनके अवसर सीमित हो जाते हैं। लालची नौकरियों और मम्मी ट्रैक के बीच का विभाजन वेतन अंतर को बढ़ाता है, यहाँ तक कि उच्च शिक्षित व्यक्तियों के बीच भी, क्योंकि पुरुष उच्च वेतन वाली, मांग वाली भूमिकाओं पर हावी हैं। यह गतिशीलता कार्यस्थल और समाज में प्रणालीगत लैंगिक असमानता को कायम रखती है। परिणाम-आधारित प्रदर्शन मीट्रिक पेश करें जो कार्यालय में बिताए गए समय के बजाय परिणामों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे लंबे समय तक काम करने के घंटों का महिमामंडन कम होता है। साझा देखभाल जिम्मेदारियों को प्रोत्साहित करने के लिए पुरुषों और महिलाओं के लिए माता-पिता की छुट्टी तक समान पहुँच प्रदान करें। कैरियर विकास या मुआवजे के मामले में कर्मचारियों को दंडित किए बिना अंशकालिक या लचीली कार्य व्यवस्था को बढ़ावा दें। ऐसी नीतियों को लागू करें जो कार्यालय के घंटों के बाद काम से अलग होने के कर्मचारियों के अधिकार का सम्मान करती हैं, जिससे बेहतर कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा मिलता है। कर्मचारियों के पास आराम और व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं के लिए पर्याप्त समय सुनिश्चित करने के लिए साप्ताहिक कार्य घंटों (जैसे, 48 घंटे की सीमा) पर सख्त सीमाएँ लगाएँ। प्रबंधकीय पुरस्कारों को संगठनात्मक उत्पादकता और निष्पक्षता से जोड़कर पारिश्रमिक में असमानताओं को कम करें, सभी कर्मचारियों के लिए समान वेतन सुनिश्चित करें। घरेलू बोझ को कम करने के लिए साइट पर चाइल्डकैअर सुविधाओं और देखभाल सेवाओं का समर्थन करें। कार्यस्थल की संस्कृति को बढ़ावा दें जो कल्याण को महत्त्व देती है और परिवार के अनुकूल प्रथाओं को प्राथमिकता देती है। उन रूढ़ियों को चुनौती देने के लिए नियमित प्रशिक्षण आयोजित करें जो केवल महिलाओं के साथ देखभाल को जोड़ती हैं और कर्मचारियों के बीच साझा घरेलू जिम्मेदारियों को बढ़ावा देती हैं।

संक्षिप्त खबरें

सीपीआईएम ने किया प्रदर्शन ,सौंपा स्मारपत्र

मकेर / भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी(मार्क्सवादी) लोकल कमिटी ने मकेर प्रखंड मुख्यालय पर एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया ततपश्चात दस सूत्री मांगों का पत्र सौंपा ।अपनी मांगों का पत्र अंचलाधिकारी को सौंपा है जिसमे प्रखंड के गरीब परिवार के लोगो की मांगे मुख्य रूप से है जिसमें भूमिहीन परिवार को जमीन ,खाद्य सुरक्षा में भ्रष्टाचार को रोकने एवम जिसे नही मिल रहा है उसका सुनिश्चित किया जाय, एमएसपी लागू करना ,स्मार्ट मीटर को अविलम्ब वापस किया जाए, सभी जरूरतमंद लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंसन ,दिब्यनगो को पेंशन सुनिश्चित किया जाय ,विधवा महिला को तीन हजार रुपये देने की व्यवस्था की जाए ,दलित बस्तियो में शौचालय की ब्यवस्था की जाए ।गंडक नदी से प्रभावित परिवार को आवास की सुविधा प्रदान की जाय ।अपनी मांगों का पत्र सौपने के उपरांत अंचलाधिकारी निर्मला कुमारी ने कहा कि उनकी सभी मांगो को सरकार को भेज दिया जाएगा ।

एफएमजीई परीक्षा पास कर क्षेत्र का नाम किया रौशन

छपरा सदर। छपरा के प्रसिद्ध चिकित्सक डा० सुनीता कुमारी एवं प्रो० प्रियेश रंजन सिंह के पुत्र ज्ञान रंजन ने भारतवर्ष के एफ एम जी ई (फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जाम) परीक्षा पास कर चिकित्सा के क्षेत्र में उपलब्धि प्राप्त की तथा सारण का नाम रौशन किया।

बताते चले कि डॉ ज्ञान रंजन ने एम ०बी० बी० एस० की परीक्षा चीन से ग्रहण की है। इनका शैक्षणिक उपलब्धि भी उत्तम रही है। ये छपरा के नेवाजी टोला ग्राम के निवासी है। इनके इस उपलब्धि पर प्राचार्य प्रमेन्द्र रंजन सिंह, पूर्व प्राचार्य अरुण कुमार सिंह, डॉ अश्वनी कुमार, अभय रंजन सिंह, प्रो० संजय पाण्डेय, डा० अवधेश कुमार ने शुभकामनाएं दी । गौरतलब है कि डॉ ज्ञानरंजन प्रसिद्ध फिजिक्स के ज्ञाता प्राचार्य प्रमेन्द्र रंजन सिंह के अपने भतीजे है।

कट्टा के साथ एक गिरफ्तार, विदेशी शराब हुआ बरामद

बेतिया। शनिचरी थानाध्यक्ष को संध्या 7:15 में एक गुप्त सूचना मिली कि एक व्यक्ति शराब के साथ गोरा गांव से बहुआरवा गांव की तरफ जा रहा है। उक्त जानकारी देते हुएएसडीपीओ-2 रजनीकांत प्रियदर्शी ने बताया किसूचना के तत्काल बाद शनिचरी थानाध्यक्ष अपने टीम के साथ उस व्यक्ति को रोक कर तलाशी लेते है। तलाशी के क्रम में उस व्यक्ति के पास से 10 पीस 8 ढट गोल्ड शराब तथा एक लोडेड देशी कट्टा तथा पैकेट से एक जिंदा कारतूस बरामद किया जाता हैं। इस मामले में शनिचरी थाना द्वारा अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम ओशियार आलम उम्र 36 वर्ष पेड्ड रफीक मियाँ है।तथा बहुअरवा वार्ड न. 09 थाना शनिचरी जिला पश्चिमी चंपारण बेतिया का रहने वाला है।

ग्रामीणों ने की जदयू से उर्दू विद्यालय बनाने की मांग

नगरा।प्रखंड क्षेत्र के कादीपुर टोले नबीगंज के स्थानीय ग्रामीणों ने जदयू जिलाध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू को एक आवेदन सौंपकर खाली पड़ी जमीन पर उर्दू विद्यालय स्थापित करने की मांग की है. ग्रामीणों का कहना है कि इस क्षेत्र में उर्दू पढ़ाई की सुविधाएं नहीं होने के कारण छात्रों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है.ग्रामीणों ने आवेदन में कहा कि लंबे समय से यह मांग की जा रही है,लेकिन अब तक इसे लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है.आवेदन में इस बात का जिक्र किया गया कि क्षेत्र में उर्दू पढ़ाई के लिए उचित संस्थान की कमी है और यह विद्यालय निर्माण इस कमी को पूरा करेगा.कादीपुर नबीगंज में ग्रामीणों ने यह भी अनुरोध किया कि संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर इस मांग को जल्द से जल्द पूरा कराया जाए.आवेदन में क्षेत्र के कई प्रमुख ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने अपने हस्ताक्षर कर इस मांग को समर्थन दिया है.वहीं जदयू जिलाध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी इस मांग को वे उच्च अधिकारियों और जिला प्रशासन तक पहुंचाएंगे. उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उर्दू विद्यालय की आवश्यकता महत्वपूर्ण है और इस विषय पर जल्द ही कार्रवाई की जाएगी.इस मौके पर अजीमुदीन अंसारी ,तमन्ना आलम ,अख्तर नाज ,हयातुल्लाह सद्दाम सिद्दीकी ,कफिल अहमद ,नेहाल अहमद,शमशेर आलम ,गुफरान सिद्दीकी ,मो. अबरार ,दिलशाद आलम ,रासुजमा ,अब्दुल समद,अमीर हसन ,मो. मूसा सहित सैकड़ों ग्रामीण शामिल है।

अब ओपीडी में लागू होगा क्यू मैनेजमेंट सिस्टम

टोकन डिस्प्ले डिवाइस की होगी स्थापना

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को गुणवत्तापूर्ण बनाने तथा सुदृढ़ीकरण को लेकर विभाग द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। ताकि मरीजों को बेहतर और उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करायी जाये। अब जिला अस्पताल से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक के ओपीडी सेवा को सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने अहम कदम उठाया है। इसके लिए क्यू मैनेजमेंट सिस्टम के तहत टोकन डिस्प्ले डिवाइस (इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले डिवाइस) और पब्लिक एड्रेस सिस्टम की पूर्ण स्थापना की जायेगी। इस संबंध में राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक सुहर्ष भगत ने पत्र जारी कर सिविल सर्जन को आवश्यक दिशा निर्देश दिया है। इस पहल का उद्देश्य अस्पतालों में मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं को तकनीकी रूप से उन्नत बनाना, समयबद्ध सेवा प्रदान करना और अस्पतालों में पारदर्शिता को बढ़ावा देना है। इसके अलावा, यह प्रणाली अस्पतालों में भीड़ प्रबंधन को भी सरल बनाएगी और मरीजों के अनुभव को बेहतर बनाएगी।

कार्यपालक निदेशक ने निर्देश दिया है कि ओपीडी पंजीकरण काउंटर से मरीजों का चिकित्सकवार टोकन नंबर जनरेट किया जाएगा। पंजीकृत मरीज को टोकन नंबर और संबंधित चिकित्सक का नाम अंकित टोकन स्लिप प्रदान की जाएगी। मरीज संबंधित चिकित्सक के कक्ष के सामने अपनी बारी का इंतजार कर सकें।

इस पहल के अंतर्गत, मरीजों की जानकारी को इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले डिवाइस के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा। प्रत्येक चिकित्सक के कक्ष के दरवाजे पर चिकित्सक का नाम और टोकन नंबर डिस्प्ले डिवाइस पर दिखेगा, ताकि मरीजों को अपनी बारी का पता चल सके। इसके साथ ही नर्सिंग डेस्क पर भी मरीजों के टोकन नंबर को डिस्प्ले किया जाएगा।

इस सिस्टम का एक और महत्वपूर्ण पहलू दवा वितरण काउंटर है, जहां मरीजों को उनके टोकन नंबर के अनुसार दवाएं दी जाएंगी। पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से दवा वितरण काउंटर पर मरीजों के नाम और टोकन नंबर की घोषणा की जाएगी, ताकि कोई मरीज अपनी बारी से छूट न जाए। इसके अलावा, काउंटर पर मरीजों का टोकन नंबर इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले डिवाइस पर दिखाई देगा, जिससे वे अपनी बारी का सही समय जान सकेंगे।यह व्यवस्था जिला अस्पतालों से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक लागू की जाएगी।

इस नई प्रणाली के जरिए ओपीडी में मरीजों की भीड़ को अच्छे तरीके से प्रबंधित किया जा सकेगा। मरीजों को अपने टोकन नंबर के अनुसार बारी मिल सकेगी, जिससे अस्पताल के भीतर भीड़ कम होगी और अधिक व्यवस्थित तरीके से सेवाएं दी जा सकेंगी। इसके अलावा, इस प्रणाली से अस्पतालों में पारदर्शिता बढ़ेगी, क्योंकि मरीजों को यह पता रहेगा कि उनकी बारी कब आने वाली है और उन्हें किस चिकित्सक से इलाज मिलेगा। स्वास्थ्य विभाग की ओर से यह एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे अस्पतालों की कार्यप्रणाली में सुधार होगा और मरीजों को अधिक सुविधाजनक अनुभव मिलेगा।

जिला महामंत्री धर्मेंद्र कुमार साह के आवास पर पहुंचे बिहार सरकार के भूमि सुधार मंत्री व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जयसवाल

■ हर बूथ होगा मजबूत: डॉ. दिलीप जयसवाल

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा। बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जयसवाल सोमवार को जिला महामंत्री धर्मेंद्र कुमार साह के सलेमपुर आवास पर पहुंचे. इस दौरान पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष छोटी कुमारी ने बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जयसवाल का स्वागत किया,साथ ही महराजगंज सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल व पूर्व मंत्री महाचन्द्र प्रसाद सिंह पूर्व विधायक ज्ञानचन्द मांझी के साथ पूर्वी जिलाध्यक्ष रणजीत सिंह, पश्चिम जिला अध्यक्ष ब्रजमोहन सिंह का भी स्वागत किया गया, इस दौरान रात्रि भोज के पहले जिले में संगठन विस्तार और मजबूती पर गहन चर्चा हुई.

दिलीप जायसवाल ने कहा कि भाजपा केवल एक पार्टी नहीं, बल्कि एक विचारधारा है, जो हर कार्यकर्ता की मेहनत और समर्पण पर टिकी हुई है, हमारे बिहार के हर कोने में जो कार्यकर्ता दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, वही हमारी असली ताकत हैं। हमें मिलकर यह सुनिश्चित करना है कि हर बूथ मजबूत हो, क्योंकि बूथ ही हमारी जीत की आधारशिला है।सारण जिला संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है, यहां के कार्यकताओं की लगन और मेहनत ने भाजपा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। आने वाले चुनाव में हर कार्यकर्ता को एक योद्धा की तरह मैदान में उतरना होगा। हमें हर घर तक अपनी विचारधारा को पहुंचाना है।उन्होंने कहा, हर कार्यकर्ता के पास एक लक्ष्य होना चाहिए कि वह अपने बूथ को सबसे मजबूत बनाए। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हर घर में भाजपा की पहुंच हो।साथ में प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रजेश रमन पूर्व एमएलसी प्रत्याशी धर्मेंद्र सिंह पूर्व अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष तूफान कादरी भाजपा नेता सतपाल नरोत्तम प्रदेश के नेता अभय सिंह निवर्तमान जिला अध्यक्ष रामदयाल शर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक सिंह,पूर्व जिला अध्यक्ष रमेश प्रसाद जिला उपाध्यक्ष मनोज कुशवाहा जिला उपाध्यक्ष रामाशंकर मिश्र जिला महामंत्री शत्रुघन भक्त जिला महामंत्री विवेक सिंह जिला मंत्री सत्येंद्र सिंह जिला मंत्री रंजन यादव रिविलगंज मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान नगर मध्य मंडल अध्यक्ष संस्कार कुमार नगर पूर्वी मंडल अध्यक्ष अनूप यादव अनुसूचित मोर्चा जिला महामंत्री शत्रुघ्न चौधरी मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक ने किया विभिन्न थानों का औचक निरीक्षण

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय।रात्रि में पुलिस अधीक्षक, डॉ० कुमार आशीष के द्वारा रात्रि गश्ती के दौरान विभिन्न थानाक्षेत्रों में गश्ती वाहन, बीट / पैदल गश्ती, सुपर पेट्रोलिंग, इआरवी-112 वाहनो के अतिरिक्त थाना में ओ०डी० पदाधिकारी, संतरी, आदि की चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान खैरा थानान्तर्गत गृह० सि०/2780 मिथिलेश दुबे संतरी ड्युटी, चौ0 7/10 धीरज पासवान बीट ड्युटी एवं गौरा थानान्तर्गत गृह० सि0/201937 रघुलेश कुमार संतरी ड्युटी, चौ0 2/1 नागेन्द्र राय पहरा ड्युटी में उपस्थित पाया गया, जिन्हें 500-500 रू नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

इसी क्रम में नगर व नगरा थाना में संतरी नही होने एवं प्रभारी थानाध्यक्ष, नगरा को वर्दी में नही रहने के कारण संबंधित थानाध्यक्ष से 03 दिनों के अंदर स्पष्टीकरण की मांग की गई है। साथ ही खैरा थानान्तर्गत म०सि0/861 ममता कुमारी, महिला हेल्प डेस्क को वर्दी में नही रहने तथा मुफस्सिल थानांतर्गत झारखंड पुलिस के द्वारा की जा रही रेड की सुचना पुलिस अधीक्षक, सारण को नही देने के कारण 03 दिनों के अंदर इनसे भी स्पष्टीकरण की मांग की गई है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का एकमा में हुआ जोरदार स्वागत

प्रातः किरण, संवाददाता

एकमा। भाजपा बिहार प्रदेश के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल का पटना से सिवान जाने के क्रम में विधानसभा के नेता ब्रजेश सिंह रमन के नेतृत्व में सैकड़ो भाजपा कार्यकताओं द्वारा एकमा के छपरा सिवान मुख्य सड़क के परसा मोड़ के समीप प्रदेश अध्यक्ष श्री जायसवाल का गांजे बांजे के साथ फूल माला पहनाकर उन्हें अंग वस्त्र देकर जोरदार स्वागत किया गया । साथ ही भाजपा कार्यकताओं द्वारा जय श्री राम की जय घोष के साथ दिलीप जायसवाल जिंदाबाद के जमकर नारे लगाए ।

बता दे कि दिलीप जायसवाल सिवान में आयोजित एनडीए की बैठक में शामिल होने जा रहे थे उनके साथ स्थानीय सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल सहित दर्जनों भाजपा नेताओं का काफिला साथ में चल रहा था। इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष चैतेन्दर नाथ सिंह नगर अध्यक्ष श्री प्रकाश पूर्वी अध्यक्ष प्रमोद सिंह मुकेश सिंह रूपेश सिंह त्रिभुवन दुबे भोला जी मनजीत कुमार चितरंजन सिंह पप्पू सिंह योगेश तिवारी जिला अध्यक्ष छपरा पश्चिमी के बृजमोहन सिंह अविनाश उपाध्याय सुदामा तिवारी जितेंद्र कुमार मिश्रा बंटी ओझा आदि सैकड़ो पार्टी कार्यकताओं ने गर्म जोशी के साथ उनका स्वागत किया । जहां जायसवाल ने भी कार्यकताओं की भीड़ व उत्साह देखकर उनकी भी गर्म जोशी के साथ अभिवादन किया।

पूजा समिति को जुलूस के लिए लाइसेंस लेना होगा

पानापुर(सारण)सरस्वती पूजा के मद्देनजर मंगलवार को थाना प्रांगण में थानाध्यक्ष विश्वमोहन राम की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में उपस्थित पंचायत प्रतिनिधियों एवं पूजा समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष ने कहा कि पूजा समिति के सदस्यों को पूजा एवं मूर्ति विसर्जन के लिए लाइसेंस लेना होगा।उन्होंने कहा कि पूजा के दौरान डीजे पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा।उन्होंने कहा कि अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी।उन्होंने लोगो से शांतिपूर्ण एवं सौहाद्रपूर्ण वातावरण में त्यौहार मनाने की अपील की।बैठक में जदयू प्रखंड अध्यक्ष अशोक कुश्वाहा, राजद प्रखंड अध्यक्ष धर्मेंद्र राय, मुखिया प्रतिनिधि ललन महतो, तैयब आलम, सभापति राय, दिनेश्वर साह, शत्रुधन आदि थे।

कमाल अहमद दूसरी बार बने जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा सदर । जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के प्राध्यापक डॉ. कमाल अहमद को लगातार दूसरी बार बिहार प्रदेश जनता दल यूनाइटेड शिक्षा प्रकोष्ठ के ह्लप्रदेश उपाध्यक्षह्व के पद पर मनोनीत किया गया है। पार्टी प्रदत्त इस जिम्मेदारी पर डॉ. कमाल अहमद ने राष्ट्रीय अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष सह सांसद श्री संजय झा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा और शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार के प्रति आभार जताते हुए कहा कि वे इस सांगठनिक जिम्मेवारी का निर्वहन निष्ठापूर्वक करेंगे।

सारण जिला के दरियापुर प्रखंड के बेला गाँव निवासी डॉ. कमाल अहमद ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नीतीश कुमार के कार्यों एवं संकल्पनाओं को प्रचारित-प्रसारित करना और शिक्षा जगत से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को सरकार के संज्ञान में लाना ही उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षाविदों के हित में वे निरंतर कार्य करते रहेंगे,और उनके हक एवं अधिकार के लिए सकारात्मक हस्तक्षेप करेंगे । बता दें कि पटना विश्वविद्यालय पटना और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली से उच्च शिक्षा ग्रहण करने के बाद डॉ. कमाल अहमद भारत सरकार की संस्था नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया में लगभग 13 वर्षों तक पदस्थापित थे। इनकी पत्नी शफक बानो जनता दल यूनाइटेड की वरिष्ठ नेत्री भी हैं। डॉ. कमाल अहमद के इस मनोनयन पर जदयू के नेताओं, कार्यकताओं और विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने उन्हें बधाई दी है।

संजय झा के आवास पर पहुंचे सांसद प्रतिनिधि

छपराकार्यालय। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद संजय झा के साथ प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने संजय झा के निजी सचिव अजय कुमार झा जी के बोधगया दानापुर मे आवास पर उनके भाई के आकस्मिक निधन होने के बाद उनके श्राद्ध कार्यक्रम मे पहुंच कर उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित किया और परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट किया ।ज्ञात हो कि अजय झा चार भाई है जिसमे विनय झा दूसरे नंबर भाई थे इनका एक पुत्र और दो पुत्री है। संजय झा ने कहा कि विनय जी बहुत अच्छे इंसान थे और सब लोग से मिलकर रहते थे ।

डीएम ने किया स्थलों का निरीक्षण

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय।जिलाधिकारी सारण श्री अमन समीर द्वारा मंगलवार को जिला स्तरीय पदाधिकारियों, तकनीकी विभाग एवं जिला परिषद के अभियंताओं के साथ दारोगा राय चौक से आगे जेल अधीक्षक के आवास के बगल से होते हुए जगदम ढाला तक आरो बी सहित डबल लेन पथ निर्माण हेतु प्रस्ताव तैयार करने के संबंध में, खैरा - बिनटोलिया पथ के चौड़ीकरण तथा छपरा जंक्शन के पीछे डीआरसीसी के बगल में अत्याधुनिक बस पड़ाव निर्माण के संबंध में सभी स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया गया तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिए गए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने व्यापारियों के साथ किया संवाद, वरुण प्रकाश-राखी गुप्ता द्वारा किया गया भव्य स्वागत

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा ।सारण जिला व्यापार प्रकोष्ठ भाजपा के द्वारा व्यापारियों के साथ कार्यक्रम का आयोजन शिवमहल में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार सरकार के मंत्री व भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री दिलीप जायसवाल जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जिस समाज में मैंने जन्म लिया और जो मेरा व्यवसाय रहा है आज उस समाज के बीच आया हूँ इस बात की खुशी है। माननीय प्रधानमंत्री जी और केंद्रीय नेतृत्व को बधाई देता हूँ कि इस समाज से मुझे बिहार का कमान सौपा है। आप प्यार और स्नेह ने मुझे यहाँ तक पहुंचाया है। सबका साथ सबका विकास के प्रयास को लेकर पार्टी चल रही है। जब देश का विचारधारा बचा रहेगा तभी किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति हो सकती है।

उन्होंने कहा कि फिर एक बार छपरा आऊँगा यहाँ के लोगों से अलग लगाओ है। मैं कहीं भी रहूँ व्यापारियों की समस्या का समाधान करना मेरी पहली प्राथमिकता है। मेरा प्रयास रहता है व्यापारियों को किसी प्रकार का परेशानी ना हो। प्रदेश अध्यक्ष ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

कार्यक्रम में महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल, विधायक जनक सिंह, अध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह, ब्रजमोहन सिंह, पूर्व मेयर राखी गुप्ता, व्यापार प्रकोष्ठ जिला संयोजक वरुण प्रकाश, वैश्य समाज अधक्ष सूपन बिहारी, सराफा संघ अध्यक्ष अरुण कुमार गुप्ता, पारस कुमार, लड्डु जी, स्वर्णकार संघ सचिव संगीत स्वर्णकार, अजीत स्वर्णकार, हेमंत राज, हेमंत राज, पप्पू सोनी, लक्ष्मन प्रसाद, संजय मिश्रा, रविशंकर गुप्ता, चंदन सिंह, रमेश प्रसाद आदि।

29 जनवरी को होगा उर्दू वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

वाद-विवाद प्रतियोगिता हेतु आवेदन 25 जनवरी तक जमा किये जा सकेंगे

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। उर्दू निदेशालय, मंत्रिमंडल सचिवालय बिहार, पटना के तत्वाधान में जिला उर्दू कोषांग, सारण द्वारा मैट्रिक या समकक्ष, इंटर या समकक्ष, स्नातक या समकक्ष स्तर के उर्दूभाषी छात्र/छात्राओं के लिये उर्दू वाद-विवाद प्रतियोगिता- 2025 का आयोजन दिनांक 29 जनवरी 2025 को 11:00 बजे पूर्वाहन में भिखारी ठाकुर प्रक्षागृह-सह-आर्ट गैलरी छपरा में किया गया है।विजेताओं प्रतिभागियों को निर्धारित राशि, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र से पुरस्कृत किया जायेगा।

मैट्रिक या समकक्ष छात्र/छात्राओं के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय तालिम की अहमियत या नज्म और रुबाई : तारिफ व तौजीह रखा गया है। मैट्रिक या समकक्ष के लिए प्रथम पुरस्कार 4500 रुपए, द्वितीय पुरस्कार 3500 रुपये एवं तृतीय पुरस्कार की राशि-2500 रुपये रखी गयी है। इंटर या समकक्ष छात्र/छात्राओं के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय उर्दू जबान की अहमियत या फनअफसाना निगारी : एक जाएजाह्व रखा गया है। इंटर या समकक्ष के लिए प्रथम पुरस्कार 5500 रुपए, द्वितीय पुरस्कार 4500 रुपये एवं तृतीय पुरस्कार की राशि-3500 रुपये रखी गयी है।

स्नातक या समकक्ष छात्र/छात्राओं के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय उर्दू गजल की लोकप्रियता या नॉवल निगारी: आगाज व इरतका रखा गया है। स्नातक या समकक्ष के लिए प्रथम पुरस्कार 6500 रुपए, द्वितीय पुरस्कार 5500 रुपये एवं तृतीय पुरस्कार की राशि-4500 रुपये रखी गयी है।

सारण जिला के सभी शिक्षण संस्थानों, सभी अभिभावकों एवं सभी छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले इच्छुक छात्र- छात्राएं जिला उर्दू भाषा कार्यालय सारण, छपरा से प्रतियोगिता हेतु आवेदन पत्र प्राप्त कर अपने-अपने विद्यालय, महाविद्यालय एवं मदरसों से अग्रसारित कराकर 25 जनवरी तक कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

बीपीएल क्रिकेट टूनार्मेंट का हुआ आयोजन, सरताज इलेवन ने जीत दर्ज की

छपरा । शहर के ब्रह्मपुर स्थित डॉ पी एन सिंह डिग्री कॉलेज के बगल वाले खेल मैदान में ब्रह्मपुर प्रीमियर लीग टूनार्मेंट का आयोजन किया गया ' मैच का विधिवत उद्घाटन छात्र जदयू के सारण जिला अध्यक्ष सद्दाम हुसैन ने फीता काट कर किया,और दोनों टीम के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इस अवसर पर सद्दाम हुसैन ने कहा कि क्रिकेट संभावनाओं का खेल है, इससे आपसी भाईचारे का संबंध स्थापित होता है ।

उन्होंने कहा कि सारण के खिलाड़ियों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो निश्चित सफलता मिलेगी ' मैच सरताज इलेवन और अकबर इलेवन के बीच खेले गए मैच में 14 रन से सरताज इलेवन विजय विजय हुए।

मां गढ़देवी के निर्मित मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के लिए कलश यात्रा निकाली

प्रातः किरण, संवाददाता

बनियापुर। स्थानीय लोगो के प्रयास से माता के पिंडिस्वरूप आकृति वाले मंदिर में माता की 7 बहनों और भैरव का स्वरूप माना जाता है और इसी की पूजा होती थी देख रेख के अभाव में दशकों से जर्जर मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया है, आज मंदिर में माता रानी के प्राण प्रतिष्ठा के लिए कलश यात्रा निकाली गई जिसमें हजारों स्त्री पुरुष युवतियां शामिल रही, हांथी घोड़े के साथ आकर्षक झांकियों के साथ बेरुई शिवमंदिर स्थित सतोबर से कलश में जल भर उसे बाजे गाजे के साथ मंदिर परिसर में लाया गया, जहा जय माता दी और हरहर महादेव की जयघोष के साथ भक्ति गीतों पर श्रद्धलुओं का जन सैलाब उमरा, आश पास के गांवों के प्रमुख लोगों में अध्यक्ष विनोद सिंह, सचिव राजीव रंजन, डब्लू, भोला सिंह, डॉ सतन, बच्चन सिंह, अनुज सिंह, बीडीसी मुरारी सिंह, बीडीसी संतोष राय, मन मन बाबा, मनु सिंह, बिपुल सिंह, उमेश सिंह, शंभू सिंह, अशोक साह, सुग्रीव पाण्डे, वही शिव भक्त सेवा दल से अमर सिंह, टुनटुन सिंह, मुखिया प्रतिनिधि मुकेश साह, पैक्स अध्यक्ष मनोज सिंह, जेंडर सिंह, बबलू मिस्त्री सभी लोगों मौजूद रहे

कराह और इम्ब्राहिमपुर गाव के सीमा पर प्रकृतिक रूप से गढ़देवी के रूप में चर्चित वैष्णवी माता गढ़ देवी पर सरकार का ध्यान नही है, आज भी आम लोगो के आस्था का केंद्र रहे इस मंदिर और परिसर को कला संस्कृति युवा बिभाग ने एक दशक पूर्व ही इसके चाहरदीवारी का निर्माण कर इसे संरक्षित करने का सार्थक प्रयास किया गया परन्तु कई योजना डेढ़ दशक अब भी लंबित है।

श्री राम ने किया था माँ की पूजा स्थानीय लोग करते है दावा

स्थानीय लोगो का दावा है कि भगवान राम अपने भाई लक्ष्मण के साथ तड़कासुर बध और अहिल्या उद्धार के बाद इसी रास्ते जनकपुर गए थे जिस कारण इस गाव का नाम ह्लहरिपुर के राहह्व नाम तत्कालीन नाम का अपभ्रंश है हरपुर कराह जो अब दो अलग अलग पंचायत है, लोगो का दावा है कि श्री राम भी इस स्थल की पूजा अर्चना कर ही प्रस्थान किये थे, आज भी शादी बिवाह करने वाले जोड़े मा का आशीर्वाद लेने की परंपरा है

सती के नाक को इस स्थल पर गिरने से हुई माँ की अवतरण

स्थानीय लोगो की माने तो सारण जिले के प्रमुख व्यापारिक स्थल सारण से पटना को जोड़ने वाली गंडकी नदी और और नककटा नदी के बीच बनियापुर प्रखण्ड मुख्यालय से ढाई किमी पूरब माता का यह मनोरम स्थल है जहाँ सती के नाक गिरे थे और माता रानी का अवतरण हुआ था, नककटा आज कल नकटा नदी के नाम से प्रशिद्ध है।

माता की पिंडी स्वरूप की होती पूजा

माता के सातों बहनों की पिंडी स्वरूप की पूजा करने की परंपरा है, स्थानीय गाव हरपुर, कराह, भूमिहरा, इब्राहिमपुर सहित दर्जनों गाव के सभी मांगलिक कार्यो की शुरूआत माता रानी की पूजा कर के ही सम्पन होती है, इसके अलावे सैकड़ो गाव के आस्था का केंद्र बना हुआ है,

तत्कालीन कला संस्कृति मंत्री स्थानीय जनार्धन सिंह सिग्रीवाल द्वारा कला सांस्कृतिक मंत्रालय बिहार सरकार ने 4 अप्रैल 2007 को लाखों के लागत से गढ़ की पुरातात्विक इतिहास को संरक्षित करने के उद्देश्य से चाहरदीवारी का निर्माण कराया गया, कला सांस्कृतिक और पुरातत्व विभाग के अधिकारियों ने इस स्थल का मुआवना कर इस गढ़ को पाल कालीन बताया था, चाहरदिवारी के बाद कला सांस्कृतिक मंत्रालय ने इसके सन्द्रीयिकरण के रूप रेखा तैयार की थी जो सरकार के ठंडे बस्ते में है, सिग्रीवाल अब संसद है जिस कारण इस योजना पर ग्रहण लग गया है, वैसे तो माता की पूजा प्रतिदिन सैकड़ो भक्तों द्वारा के8जाती है परंतु शारदीय नवरात्र में।माँ की बिशेष पूजा होती है, चैत नवरात्र में भी माँ की पूजा अर्चना से माहौल भक्तिमय बना रहता हैएक दशक पूर्व कला संस्कृति और पुरातत्व विभाग के चाहरदीवारी निर्माण के बाद स्थानीय लोग आपसी सहयोग से बन रहे मंदिर को अधूरा छोड़ दिया, जो धीरे धीरे खंडहर में तब्दील हो रहा है, मनरेगा द्वारा लाखो रुपये इसके सौन्द्रीयिकरन के नाम पर उठा कर गढ़ में बड़े बड़े गड्ढे आज लोगो को मुह चिड़ा रहे और आये दिन लोग इस गड्ढे में गिर कर चोटिल होते है पर अब भी लोगो के इसके तारनहार का इंतजार है,।

नासरीगंज थानान्तर्गत जमालपुर बालू घाट डकैती कांड का सफल उद्भेदन

प्रेसवार्ता कर रोहतास एसपी ने दी जानकारी

प्रातः किरण संवाददाता

नासरीगंज(रोहतास) : मंगलवार को नासरीगंज थाना परिसर में रोहतास पुलिस कप्तान रौशन कुमार ने प्रेसवार्ता की । प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि 17/18 की रात्री करीब 02 बजे चार बाइक पर सवार 10-12 अज्ञात अपराधकर्मियों द्वारा जमालपुर बालु घाट में फायरिंग करते हुए डकैती की घटना का अंजाम दिया गया । जिस संदर्भ में नासरीगंज थाना कांड संख्या 10/25 के आलोक में सुसंगत धारा 310(2)/311 भा०न्या०सं० एवं 27 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया था । दर्ज कांड के सफल उद्भेदन हेतु बिक्रमगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया । जिसमें अंचल पुलिस निरीक्षक नासरीगंज, थानाध्यक्ष नासरीगंज,थानाध्यक्ष राजपुर,थानाध्यक्ष कछवां एवं डी०आई०यू० टीम डिहरी को शामिल किया गया । बताया कि अनुसंधान के क्रम में 19 जनवरी को विधि विरुद्ध किशोर को निरूद्ध किया गया । निरूद्ध विधि विरूद्ध किशोर से पुछताछ के क्रम में घटना में संलिप्त होने की बात स्वीकार किया गया तथा उसके बताए अनुसार 02 अन्य विधि विरूद्ध किशोर को निरूद्ध किया गया एवं तीन अपराधकर्मियों को गिरफ्तार किया गया । विधि विरुद्ध किशोर को 20 जनवरी को किशोर न्याय परिषद के समक्ष उपस्थित किया गया । एसपी ने कहा कि गठित टीम के द्वारा घटना में प्रयुक्त 02 स्पेलेंडर बाइक तथा लूट के 40 हजार रुपए ,दो मोबाइल बरामद किया गया है । साथ ही घटना कारित करते समय पहने कपड़े जो सी०सी०टी०वी० कैमरा के फुटेज में दिखाई दे रहा है ।

पुलिस ने उसको भी जब्त कर लिया है । एसपी ने कहा कि गिरफ्तार लोगों में दया शंकर कुमार पिता धनंजय सिंह साकिम खिरोडीह थाना काराकाट, राहुल कुमार सिंह पिता स्व० महेंद्र सिंह साकिम लाला अतमी थाना नासरीगंज ,अजीत कुमार उर्फ बनरा पिता अवधेश सिंह साकिम लाला अतमी थाना नासरीगंज को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया । उन्होंने कहा कि मामले में संलिप्त अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है । बताया कि बहुत जल्द ही सभी लोगों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी ।

चंपारण रेंज के डीआईजी ने भ्रष्टाचार के आरोप में अपने ही डीएसपी के खिलाफ दर्ज किया केस

जानिए क्या है पूरा मामला

मोहन सिंह

बेतिया ।पुलिस उपमहानिरीक्षक हरिकिशोर राय ने भ्रष्टाचार के आरोप में बगहा में तैनात अपने ही डीएसपी यातायात दिलीप कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है।

चंपारण रेंज डीआईजी हरिकिशोर राय ने बगहा में तैनात अपने ही एक डीएसपी पर भ्रष्टाचार का मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है। बगहा के ट्रैफिक डीएसपी दिलीप कुमार पर यूपी से आने वाली ट्रक से तय पैसा वसूली करने का आरोप लगने के बाद डीआईजी ने केस दर्ज करने का आदेश दिया जिसका तामिला हो गया है।

डीआईजी हरिकिशोर राय के जांच में अवैध वसूली का मामला सही पाया ।जिसके बाद डीआईजी ने कड़ा कदम उठाते हुए डीएसपी पर केस दर्ज करने का निर्देश दिया।

डीआईजी हरिकिशोर राय ने ट्रैफिक डीएसपी सहित तीन दलालों पर प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया। वहीं डीएसपी पर कार्रवाई से पुलिस महकमा में हड़कंप मचा हुआ है।

बता दें बेतिया के डीआईजी हरिकिशोर राय के आदेश के बाद ट्रैफिक डीएसपी दिलीप कुमार समेत तीन दलालों पर प्राथमिकी दर्ज कर लिया गया है।। डीआईजी हरिकिशोर राय ने बताया कि डीएसपी दिनेश के खिलाफ सरकार को एक पत्र लिखा गया है।

प्रेमी से मिलने पहुंची प्रेमिका के साथ गैंगरेप, दो गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

डेहरी ऑन सोन (रोहतास) । बिहार के औरंगाबाद जिले के नवीनगर क्षेत्र में प्रेमी से मिलने पहुंची कैमूर जिले के दुर्गावती थाना क्षेत्र की एक युवती से तीन लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया । पुलिस ने त्वरित कारर्वाई करते हुए दो आरोपी को एक एक बाइक के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया । करीब सात माह से औरंगाबाद क्षेत्र के युवक से कैमूर की युवती के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों की मुलाकात मोबाइल के माध्यम से हो रहा था। शनिवार को युवती पहली बार अपने प्रेमी से मिलने नबीनगर रेलवे स्टेशन दो बजे रात में पहुंची। वहां से वह अपने प्रेमी को फोन किया युवक ने कहा कि सुबह आऊंगा । तुम स्टेशन के वेटिंग रूम में आराम करो । सुबह होने पर युवती अपने प्रेमी के इंतजार कर रही थी। इसी बीच तीन बदमाशों की नजर अकेले युवती पर पड़ी । इसके बाद प्रेमी भी पहुंच गया । बदमाशों ने हथियार के बल पर प्रेमी -प्रेमिका को बाइक पर बैठाया और प्रेमी को मारपीट कर तीनों ने सामूहिक दुष्कर्म किया।

संक्षिप्त खबरें

बिहटा तक महाजाम, घंटों फंसे रहे यात्री, ट्रैफिक व्यवस्था ठप

प्रातः किरण संवाददाता

कोईलवर में बालू लदी ट्रकों के कारण पिछले 8 घंटे से महाजाम की स्थिति से जूझ रहे हैं यात्री,यात्रियों ने प्रशासन से ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने की अपील की।कोईलवर में बालू लदे ट्रकों की लंबी कतार ने कोईलवर प्रखंड के प्रवेश द्वार को पूरी तरह से ब्लॉक कर दिया है। मंगलवार की सुबह से ही लगे इस भीषण जाम ने कायमनगर से कोईलवर सिक्सलेन पुल के एक लेन को पैक कर दिया, जिससे कोई भी वाहन आगे नहीं बढ़ पा रहा है. जाम में यात्री बसें, मालवाहक वाहन एम्बुलेंस और वीआईपी वाहन भी घंटों फंसे हुए हैं। इस दौरान कुंभ से यात्रा कर लौट रहे जाम में फंसे महिला तथा पुरुषो ने मंगलवार की सुबह 10:00 के करीब फसे हुए हैं ।

पीएम मातृत्व सुरक्षित अभियान कैम्प आयोजित

बड़हरा प्रखण्ड अंतर्गत प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षित अभियान 9 बजे से 3 बजे तक का आयोजन किया गया जिसमें 59 गर्भवती महिलाओं का अठउ जाँच किया गया , बीपी, वजन हीमोग्लोबिन , एचआईवी, का जाँच किया गया, जिसमे आयरन, कैल्सियम का गोली वितरण किया गया , बड़हरा सीएचसी प्रभारी डॉ अरविंद कुमार, की उपस्थित में सभी मरीजो का जाँच एवं ईलाज किया गया जिसमें उपस्थित डॉ ओमप्रकाश , डॉ नरगिस जमाल, बीसीएम रामबिलास पंडित, बीएचएम शिवशंकर कुमार एवं एनेम आरती कुमारी अल्ले, आराधना कुमारी , पिंकी कुमारी , सुधीर कुमार सिंह छ३ कमलेश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे ।

पश्चिमी गुंडी में 23 जनवरी को लगेगा हेल्थ कैंप

बड़हरा प्रखंड अंतर्गत पश्चिमी गुंडी पंचायत के बभनगांवा गांव स्थित हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर के परिसर में 23 जनवरी को हेल्थ मेला का आयोजन जिला स्वास्थ्य विभाग के सौजन्य से किया जाएगा। इस हेल्थ मेला में यक्ष्मा का निःशुल्क जांच किया जायेगा।वही रोगियों का निःशुल्क -फ्रंट एंव खून का जांच होगा और रोग से पीड़ित लोगों के बीच दवा का वितरण होगा। पीएचसी चिकित्सा प्रभारी बड़हरा डॉ अरविंद कुमार ने कहा कि इस हेल्थ मेला का आयोजन आगामी 23 जनवरी को करने का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक ग्रामीण जनता आए मुफ्त शिविर में भाग ले और अपना अपना ईलाज कराए।

कुल्हड़ियां गांव के समीप ट्रक के धक्के से बाइक सवार घायल

बक्सर । बक्सर पटना फोरलेन कुल्हड़ियां गांव के समीप मंगलवार को दिन के 3:30 बजे के करीब ट्रक के चपेट में आने से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते हैं कोईलवर थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंच घायल युवक शाहपुर थाना क्षेत्र के बहोरनपुर गांव निवासी परमेश्वर राय के 35 वर्षीय पुत्र शिवजी राय को ऑटो की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोईलवर लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर कर दिया गया। घटना के बारे में उपस्थित लोगों ने बताया कि 18 चक्का बालू लदे ट्रक ने आरा के तरफ से कोईलवर के तरफ जा रहे बाइक सवार को पीछे से जोरदार टक्कर मारकर फरार हो गया।

भोजपुर महिला कला केंद्र एवं उषा इंटरनेशनल फाउंडेशन के सहयोग से भोजपुर महिला कला केंद्र के सभागार में 14 दिवसीय प्रशिक्षण का किया गया शुभारंभ

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । भोजपुर महिला कला केंद्र एवं उषा इंटरनेशनल फाउंडेशन के सहयोग से भोजपुर जिले के आरा प्रखंड स्थित भोजपुर महिला कला केंद्र के सभागार में 14 दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्घाटन भोजपुर महिला कला केंद्र की सचिव और महामहिम राष्ट्रपति द्वारा नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित अनिता गुप्ता, आरा जिले की महापौर इन्दु देवी, उषा इंटरनेशनल के राष्ट्रीय संयोजक रितेश लोहानी,प्रेम कुमार आनंद,भोजपुर महिला कला केंद्र की कोषाध्यक्ष गीता देवी ने मिलकर संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए अनिता गुप्ता ने बताया कि यह प्रशिक्षण 14 दिनों तक आवासीय रूप से चलेगा। इस प्रशिक्षण में बिहार के अलावा झारखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा आदि राज्यों से प्रशिक्षु भाग ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण में आधुनिक डिजाइनिंग, बाजार की मांग, उत्पाद आदि के बारे में अनुभवी और कुशल प्रशिक्षकों द्वारा विस्तृत जानकारी दी जाएगी।रितेश लोहानी ने बताया कि उषा इंटरनेशनल पूरे भारत में उषा सिलाई स्कूल के माध्यम से वंचित महिलाओं को रोजगार का अवसर प्रदान करती है। इस कार्यक्रम से जुड़कर वंचित समुदाय की महिलाएं अपना रोजगार सृजन कर सशक्त और आत्मनिर्भर बन रही हैं और उनके आय में वृद्धि हो रही है।आरा की महापौर इन्दु देवी ने प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए कहा कि भोजपुर महिला कला केंद्र और उषा इंटरनेशनल के कार्य सराहनीय हैं। इस कार्यक्रम से जुड़कर भोजपुर जिले के वंचित समुदाय की महिलाओं के लिए यह एक सुनहरा अवसर है। इससे महिलाएं आगे बढ़ेंगी, उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और गरीबी पर काबू पाया जाएगा।उक्त प्रशिक्षण को सफल बनाने में भोजपुर महिला कला केंद्र के रणबीर कुमार सिंह, मनीष कुमार, साकेत कुमार, अतुल कुमार और रूपा देवी का सहयोग रहा।

रुद्र महायज्ञ एवं प्राण प्रतिष्ठा के चौथे दिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

प्रातः किरण संवाददाता

सासाराम(रोहतास) । रोहतास जिले के जमुहार ग्राम में महावीर ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित नव दिवसीय रुद्र महायज्ञ एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के आयोजन के चौथे दिन यज्ञ मंडप एवं आसपास श्रद्धालुओं की भीड़ उमड पड़ी है ।एक तरफ जहां धर्म अनुरागी नर नारी यज्ञ मंडप की परिक्रमा अहले सुबह से करना शुरू कर दे रहे हैं वहीं बच्चे और तरुण आसपास लगे मेले का आनंद उठा रहे हैं ।उल्लेखनीय है कि पूर्व राज्यसभा सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता गोपाल नारायण सिंह के नेतृत्व में सर्व समाज के सहयोग से उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें नवनिर्मित मंदिर में मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा 24 जनवरी को किया जाएगा।

जदयू किसान एवं सहकारिता प्रकोष्ठ भोजपुर का किया गया जिला स्तरीय बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

आरा,आरा परिषदन में जदयू किसान एवंसहकारिता प्रकोष्ठ भोजपुर की जिला स्तरीय बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अजीत मेहता के द्वारा की गई संचालन जिला प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी आनंद प्रकाश ने किया बैठक में प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री मनोज कुमार जी उपस्थित हुए बैठक को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा की आगामी 27 जनवरी 2025 को एनडीए के साथ सम्मेलन की तैयारी जोर शोर पर करें और उसे सम्मेलन में किसान प्रकोष्ठ का अधिक से अधिक भागीदारी होने के लिए प्रेरित किया साथ ही मुझे पुनः भोजपुर का जिला अध्यक्ष चौथी बार बनने पर उन्होंने मनोनयन पत्र भी दिया और मैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के हाथों को मजबूत करने के लिए प्रकोष्ठ कीजिम्मेवारी सौंपी इस संगठन को पंचायत और बूथ स्तर तक पहुंचने पर जोर दिया। इस क्रम में मुझे जिला का दायित्व मिलने के बाद मैं भी पुनः अपने संगठन को मनोनयन पत्र सभी सदस्य को दिया किसानों की समस्याओं को सुनते हुए उसका भी निष्पादन किया गया इस बैठक में प्रदेश के प्रदेश महासचिव श्री बृजनंदन सैनी प्रदेश महासचिव मुकेश सिंह उमेश कुमार सिंह जिला कमेटी से श्रीराम प्रवेश सिंह श्री राम बाबू सिंह दीपक कुमार देवी दयाल सिंह सुनील कुमार सिंह बलिराम सिंह कुशवाहा कृष्ण सिंह विकास कुमार सिंह आशुतोष कुमार सिंह ध्रुव कुमार सिंह एवं 14 प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष मौजूद रहे।

अरुण कुमार की अध्यक्षता में हुआ शिव बारात शोभायात्रा समिति का बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। चंदवा स्थित मंगल मूर्ति रिजॉर्ट मैं श्री शिव बारात शोभायात्रा समिति की बैठक संपन्न हुई बैठक में समिति का विस्तार हुआ जिसमें महासचिव श्री राजेंद्र तिवारी को बनाया गया और सचिव आकाश सोनी जी को उपाध्यक्ष माझिल सिंह, राजा तिवारी, प्रतीक राज को बनाया गया, कोषाध्यक्ष विजय जी और समिति के मुख्य संरक्षक डंडी बाबा को बनाया गया शोभायात्रा प्रभावी प्रभारी दुर्गेश सिंह सह प्रभारी राधे जी को बनाया गया एवं प्रचार प्रसार प्रमुख आदित्य सोनी को निवियुक्त किया गया।

और बैठक में आगामी शिव बारात को लेकर कैसे भव्यता हो उसपे चर्चा हुआ कि शिव बारात शोभा यात्रा का आयोजन होता आ रहा है, इस परंपरा को आगे बढ़ते हुए हिंदू जागरण मंच द्वारा पिछले दो वर्षों से शिवराज शोभा यात्रा का आयोजन किया जाता रहा है संगठन के कार्यकताओं ने शिव बड़ा शोभा यात्रा को व्यापक बनाने हेतु समाज के विभिन्न संगठन के सामाजिक लोगों को जोड़कर बारात को सफल बनाने एवं मिस यात्रा के माध्यम से हिंदू समाज को जोड़ने की जिम्मेदारी समिति को सौंपी है।

समिति के अध्यक्ष अरुण गुप्ता ने बताया की झांकी आलौकिक एवं आकर्षक होगी।इस बैठक में उपस्थित प्रमुख लोग में हिंदू जागरण मंच से सोना लाल विशाल सिंह रोहित बजरंगी पवन सत्यार्थी विक्की आजाद आदि विद्यार्थी परिषद से छोटू सिंह ऋतुराज चौधरी आदि भाजपा से विभु जैन पुतुल जी राहुल हैप्पी तिवारी आदि लोग उपस्थित रहे।

बक्सर किला मैदान मे आयोजित एनडीए गठबंधन का संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन में लोजपा रामविलास के हजारों कार्यकर्ता होंगें शामिल:अखिलेश

प्रातः किरण संवाददाता

बक्सर। बक्सर किला मैदान मे आयोजित एनडीए गठबंधन का संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन मे लोजपा रामविलास के हजारों कार्यकर्ता होंगें बक्सर लोजपा रामविलास का राजपुर व इटाढी प्रखंड का संयुक्त कार्यकर्ता बैठक व मिलन समारोह आयोजित किया गया । जिसकी अध्यक्षता इटाढी प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष मदन पासवान ने किया। जबकी संचालन राजपुर प्रखंड अध्यक्ष कन्हैया सिंह ने किया।

इस बैठक मे मुख्य अतिथी के तौर पर बक्सर लोजपा रामविलास के जिलाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी अखिलेश कुमार सिंह शामिल हुए।

विशिष्ट अतिथी के तौर पर किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल चौबे व प्रदेश सचिव संजय कुमार पासवान उपस्थित हुए।

इस कार्यकर्ता बैठक व मिलन समारोह मे सर्व प्रथम समाजिक कार्यकर्ता विजय नारायण तिवारी को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई व उन्हे किसान प्रकोष्ठ का जिला महासचिव मनोनीत किया गया। विजय नारायण तिवारी ने सभी पार्टी पदाधिकारी को अंगवसत्र व फुल माला से स्वागत किया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अखिलेश कुमार सिंह ने कहा की पुरे बिहार के सभी जिलो मे एनडीए गठबंधन का संयुक्त जिला स्तरीय सम्मेलन आयोजित हो रहा है। जिसमे सभी पांचो पार्टी भाजपा, लोजपा,जद यू, रालोम व हम के बुथ स्तर के कार्यकर्ता शामिल हो रहे है । इस संयुक्त सम्मेलन मे पांचो पार्टी के माननीय प्रदेश अध्यक्ष मुख्य अतिथी के तौर पर शामिल हो रहे है ।

बक्सर जिला मे आगामी 28 जनवरी को बक्सर किला मैदान मे एनडीए गठबंधन का संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित है । इसमे बक्सर लोजपा रामविलास के हजारों-हजार बुथ स्तर तक के कार्यकर्ता शामिल होगें।

इस बैठक मे मुख्य रूप से शामिल किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल चौबे, प्रदेश सचिव संजय कुमार पासवान, किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव राम जी राय, किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव श्रीनिवास पासवान, किसान प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष जंगबहादुर पासवान, जिला महासचिव सोमप्रकाश पासवान, जिला प्रवक्ता मनोज कुमार सिंह, किसान प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष अमरेश चौधरी, किसान प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष भोले शंकर पासवान, संसदीय बोर्ड के प्रखंड अध्यक्ष सुग्रीव पासवान, धनंजय चौबे,सतेन्द्र पासवान, सुरेन्द्र पासवान, नंदलाल बारी,सुरेन्द्र राम, घनश्याम पासवान, बुधन पासवान, आदि दर्जनों लोग शामिल हुए।

हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड का एक शिष्टमंडल जिला मुख्य संरक्षक कृष्ण सिंह विमल के नेतृत्व में जिला शिक्षा पदाधिकारी से मिला

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड भोजपुर का एक शिष्टमंडल जिला मुख्य संरक्षक कृष्ण सिंह विमल के नेतृत्व में जिला शिक्षा पदाधिकारी भोजपुर से मिलकर जिले के अधीनस्थ सभी सरकारी विद्यालयों में छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स के स्काउटिंग कार्यक्रम को सुचारू ढंग से लागू करने के लिए इकाई गठित करने में सहयोग हेतु पत्र निर्गत करने का अनुरोध किया।

इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी महोदय को अंगवस्त्र के साथ हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स का स्कार्फ पहनाकर एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।इस संबंध में हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स बिहार के राज्य सचिव वरुण कुमार सिंह द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी भोजपुर को भेजे गए पत्र से अवगत कराया गया। शिष्टमंडल वार्ता में जिला सचिव डॉ. मनोज कुमार गुप्ता,जिला संगठन आयुक्त रणधीर कुमार ठाकुर,जिला प्रशिक्षण आयुक्त मंटू कुमार चौधरी, गाईड कैप्टन लवली सिंह,पीयूष कुमार,जिशान परवेज उपस्थित थे।जिला सचिव डॉ.मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि पत्र निर्गत होने के उपरांत जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स भोजपुर के प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण की शुरूआत की जाएगी।

भाकपा माले शाहाबाद स्तरीय समागम में शामिल होने के लिए सिविल कोर्ट के बार एसोसिएशन को समागम में शामिल होने के लिए दिया गया आमंत्रण पत्र

प्रातः किरण संवाददाता

आरा।नागरिक प्रचारिणी आरा में भाकपा माले शाहाबाद स्तरीय समागम में शामिल होने के लिए सिविल कोर्ट आरा के बार एसोसिएशन आरा भोजपुर के अध्यक्ष राकेश मिश्रा सचिव मनमोहन ओझा पूर्व सचिव जयंत सिंह समेत दर्जनों विद्वान अधिवक्ता साथियों को समागम में शामिल होने के लिए आमंत्रण पत्र दिया ऑल इंडिया , लॉयर्स एसोसिएशन फॉर जस्टिस केंद्रीय कमेटी के सदस्य अमित कुमार गुप्ता उर्फ बांटी, राज्य संयोजन समिति के सदस्य कामेश्वर सिंह यादव ने कहां 9 मार्च 2025 को गांधी मैदान पटनों भाकपा माले द्वारा आयोजित बदलो बिहार महाजुटान रैली को सफल बनाने के लिए यह समागम आयोजित किया गया है भाकपा माले एडवोकेट प्रोडक्शन एक्ट को अधिवक्ता हित को अपने एजेंडा में शामिल करती है और अधिवक्ता हित के बारे में बोलने वाली पार्टी है, जो हमेशा संविधान लोकतंत्र न्याय की बात करती है इसलिए ऑल इंडिया लॉर्ड्स एसोसिएशन फॉर जस्टिस(आइलाज) और ,समागम एवं रैली में शामिल होने का काम करेंगी।

जन सुराज पार्टी ने जिले में कमिटी का गठन किया, अभय सिंह को जिला अध्यक्ष, शिव शंकर सिंह को जिला महासचिव, पद्मा ओझा को महिला अध्यक्ष का प्रभार

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। भोजपुरः जन सुराज पार्टी ने भोजपुर जिले में संगठन को मजबूती देने के उद्देश्य से जिला कमिटी का गठन मंगलवार को किया है। यह कमिटी जिले में पार्टी की नीतियों को प्रभावी रूप से लागू करने और जन समस्याओं के समाधान के लिए कार्य करेगी।

जिले के आरा शहर में जन सुराज जिला संगठन घोषणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जय बिहार और जय जन सुराज के उद्घोष से बाबू कुंवर सिंह की धरती गूंज उठी। इस अवसर पर पार्टी के जिला प्रभारी कन्हैया सिंह ने संगठन के तमाम दायित्वों की घोषणा की।कन्हैया सिंह ने अभय सिंह को जिला अध्यक्ष, शिव शंकर सिंह को जिला महासचिव, पद्मा ओझा को महिला अध्यक्ष, अवध सिंह को किसान अध्यक्ष, राकेश तिवारी को मुख्य प्रवक्ता, सोनू पासवान को युवा अध्यक्ष, चंद्रभानु जी को जिला संयोजक, सतेंद्र मेहता को आरा सदर अध्यक्ष, विष्णु शंकर पांडे को पिरो अनुमंडल अध्यक्ष और गुप्तेश्वर शाह को जगदीशपुर अनुमंडल अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारियां सौंपी गई।

इस कार्यक्रम में अन्य कई जनसुराजियों को भी अहम दायित्व सौंपे गए। इनमें पार्टी के वरिष्ठ नेता अरविंद सिंह, श्री कृष्ण सिंह, अशोक मानव, चंद्रभानु गुप्ता, प्रतिरोध राम, कृष्ण सिंह, सलमा बेगम, गोविंद सिंह, किरण सिंह, घनश्याम राय, संजीव सिंह, शीला गुप्ता, विनय प्रताप सिंह, आदि शामिल रहे। कार्यक्रम में जन सुराज के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

पटना में हो रहे सत्याग्रह में शामिल होने का आह्वान

कन्हैया सिंह ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से पटना में जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर के नेतृत्व में हो रहे सत्याग्रह में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बिहार के कोने-कोने से लोग इस सत्याग्रह में अपनी भागीदारी दे रहे हैं। भोजपुर जिले से भी कार्यकर्ताओं और समाज के लोगों को इसमें शामिल होकर अपना समर्थन देना चाहिए।अरविंद सिंह ने कहा, ह्रदयदि समाज के किसी भी व्यक्ति को कोई समस्या है, तो वे सत्याग्रह में पहुंचकर अपनी बात रख सकते हैं। यह जन सुराज का मंच है, जहां हर समस्या का समाधान ढूंढने का प्रयास किया जाएगा।

नीति आयोग के एक रिपोर्ट के अनुसार बेरोजगारी,गरीबी तथा पलायन में बिहार देश का सबसे पिछड़ा राज्य है :तेजस्वी

प्रातः किरण संवाददाता

सासाराम(रोहतास)। नीति आयोग के एक रिपोर्ट के अनुसार बेरोजगारी,गरीबी तथा पलायन में बिहार देश का सबसे पिछड़ा राज्य है। पूरा बिहार महँगाई की चपेट में है और इससे हर लोग प्रभावित हैं। उक्त बातें सासाराम के परिसदन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष-सह पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कही। कार्यकर्त्ता दर्शन-सह- संवाद कार्यक्रम के तहत तेजस्वी सासाराम पहुँचे थे। उन्होंने संवाददाताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश में सबसे अधिक बिजली बिहार में महँगी है। यदि हमारी सरकार बनी तो माई-बहिन मान योजना लाकर हर महिलाओं को प्रत्येक महीने 2500 रुपए उनके खाते में भेजा जायेगा। साथ ही 200 यूनिट बिजली निःशुल्क दी जायेगी और वृद्धा पेंशन 400 से बढ़ाकर 1500 रुपए हर माह कर दिये जाएँगे। तेजस्वी ने भाजपा को आड़े हाथ लेते हुए कहा की देश की भाजपा सरकार सिर्फ गुजरात में विकास कर रही है। बिहार तो भ्रष्टाचार और अपराधियों को अड्डा बन गया है। यहाँ विधि-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गयी है और अपराधी बेलगाम हो गये हैं। अब कोई भी परीक्षा यहाँ स्वच्छ नहीं ली जा रही क्योंकि हर परीक्षा का पेपर लीक हो जा रहा है, चाहे वह मैट्रिक-इंटर की परीक्षा हो या फिर प्रतियोगी परीक्षा। आम-अवाम कार्यालयों के कर्मचारी और पदाधिकारियों से परेशान है, कोई काम बिना चढ़ावा का नहीं होता।

एनडीआरएफ के द्वारा गया जिले में भूकम्प पर आधारित मॉक ड्रील का हुआ आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

गया । 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ० द्वारा जिला गया के +2 जिला स्कूल गया में सुरक्षा प्रोग्राम के तहत भूकम्प तथा भगदड़ पर आधारित मॉक अभ्यास तथा प्रदर्शनी लगाकर जागरूक किया गया है। भूकंप आने पर किस प्रकार सुरक्षात्मक सावधानी बरतनी चाहिए तथा आपदा के दौरान आपदा प्रबंधन समिति के अन्तर्गत गठित रेस्पांस टीमों के जिम्मेवारी एवं कार्यों को रंजीत कुमार उप कमांडेंट की निगरानी में 9वीं बटालियन एन०डी०आर०एफ० की टीम ने डेमों के माध्यम से बखूबी समझाया है। इस कार्यक्रम के दौरान सभी लोग बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा लाभान्वित हुए हैं।इस कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन अपर समाहर्ता, आपदा कुमार पंकज द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया है। इसके साथ में जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी दीपक चंद्र देव, डीपीओ शिक्षा, केंद्र प्रबंधक, वन स्टॉप सेंटर आरती कुमारी उपस्थित रहे हैं। रंजीत कुमार उप कमांडेंट ने बताया कि 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ० की टीम दवारा भूकम्प आने पर अपनाये जाने वाले सुरक्षात्मक पहलूओं तथा रेस्पांस मैकेनिज्म को भी बताया गया तथा इसका अभ्यास करवाया गया है। उन्होंने आगे बताया कि आपदा को रोका नहीं जा सकता लेकिन आपदा से पूर्व हमारी तैयारी प्रशिक्षण तथा जागरूकता निश्चित तौर पर आपदा से होने वाले नुकसान को रोक सकता है। किसी भी प्रकार के आपदा आने पर घबराएं नहीं बल्कि सूझबूझ के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाये।

उन्होंने आगे बताया कि सर्वप्रथम डेमो के माध्यम से आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलूओं की जानकारियों दी गई है। तत्पश्चात भूकंप आने पर झुके , ढके तथा पकड़े डील का प्रशिक्षण एवं अभ्यास कराया गया और आपदा में फंसे लोगों को बचाते हैं।किस तरह से सुरक्षा उपाय अपनाना चाहिए और इससे होने वाले नुकसान को कैसे कम किया जाये एवं साथ ही एन०डी०आर०एफ० दवारा आपदा प्रबंधन उपकरणों का एक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया और कार्यक्रम के अन्त में श्री रंजीत कुमार उप कमांडेंट 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ० के दिशा-निर्देश पर भूकंप सुरक्षा एवं भगदड़ पर आधारित मॉक ड्रील के दौरान किए जाने वाले निष्काशन ड्रिल का आयोजन किया गया है।

आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में बिहार के नागरिक व छात्रों को जागरूक करने के दिशा में 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ० द्वारा लगातार इस प्रकार के अभ्यास किए जा रहें है।

गया नगर निगम में स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 पर कार्यशाला का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

गया। नगर निगम में स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 से संबंधित एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इस कार्यशाला में स्वच्छ भारत मिशन के विशेषज्ञ बी.के. संजय कुमार ने मुख्य वक्ता के रूप में प्रतिभाग किया है।

इस कार्यशाला के दौरान स्वच्छता संबंधी विषयों पर चर्चा करते हुए बताया गया कि सफाई और अतिक्रमण प्रबंधन में जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है। लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना निगम की प्राथमिकता है। ताकि गया नगर निगम स्वच्छ सर्वेक्षण में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त कर सके। इस कार्यक्रम में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम 2016 की मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया है। बताया गया कि सड़क पर कचरा डालना तो दूर,

निजी जमीन पर भी कचरा फेंकना कानूनन अपराध है। जो लोग बार-बार ऐसा करते हैं, उन पर जुमार्ना लगाया जाएगा।

इसके साथ ही बिना लाइसेंस चल रहे कबाड़ी और मांस-मुर्गा की दुकानों पर राजस्व विभाग के अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। विदित हो कि नगर निगम द्वारा वार्ड-वार जुमार्ना समिति फाइन कमेटी का गठन किया गया है।

जो स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। यह समिति अनधिकृत कचरा फेंकने, अतिक्रमण, स्वच्छता संबंधित नियमों का उल्लंघन जैसे मामलों पर नजर रखेगी और जुमार्ने की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाएगी। सभी सफाई जमादारों को निर्देशित किया गया कि वे प्रतिदिन घर-घर से कचरा उठाव सुनिश्चित करें, जिससे लोग सड़क या अन्य स्थानों पर कचरा फेंकने को मजबूर न हों। इसके अतिरिक्त, निगम के कर्मियों को अपने घरों में गीले कचरे से खाद बनाने की प्रेरणा दी गई है जिससे वे आम नागरिकों के लिए एक आदर्श प्रस्तुत कर सकें।

इस कार्यशाला में उप नगर आयुक्त श्यामनंदन प्रसाद ने मुख्य अतिथि प्रशिक्षक का स्वागत किया है। स्वच्छता पदाधिकारी शुभम कुमार एवं मोनू कुमार ने सभी निगम कर्मियों को स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी गई है।इस कार्यक्रम में लगभग 100 निगम कर्मियों ने भाग लिया और स्वच्छता से संबंधित नई जानकारी प्राप्त की। यह आयोजन गया नगर निगम की स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

नागपुर विश्वविद्यालय के प्रो. वर्षा धुर्वे ने गया कॉलेज का किया परिभ्रमण

प्रातः किरण संवाददाता

गया। नागपुर विश्वविद्यालय नागपुर के जूलॉजी विभाग के विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर वर्षा धुर्वे का आज गंया महाविद्यालय, गया परिसर का भ्रमण किया गया।

साथ ही साथ उन्होंने बायोटेक्नोलॉजी विभाग में जाकर लैबोरेट्री प्रयोगशाला पुस्तकालय एवं क्लासरूम का भ्रमण किया, साथ ही साथ पूरे महाविद्यालय परिसर का परिभ्रमण किया और कहा कि

मैंने गया कॉलेज गया का दौरा किया व्यावसायिक पाठ्यक्रम जैव प्रौद्योगिकी विभाग प्राणीशास्त्र विभाग

और पूरे परिसर का दौरा किया है।

मैंने पाया कि परिसर में जीवंत वातावरण है और छात्र, शिक्षक और अन्य कर्मचारी काफी अच्छे हैं मैंने प्रिंसिपल प्रोफेसर सतीश सिंह चंद्रा से मुलाकात की जिन्होंने मेरा दिल से स्वागत किया और कर्मचारियों के साथ उनका समन्वय काफी अच्छा है। यह एक अच्छी यात्रा थी।

प्रोफेसर वर्षा का स्वागत प्राचार्य कक्ष में किया गया और भविष्य में नागपुर विश्वविद्यालय और गया कॉलेज के बीच बच्चों को अपने ज्ञान का आदान-प्रदान अवसर मिले ऐसा कार्यक्रम आयोजित करने की बातों पर चर्चा हुई है। इस विदाई के समय डॉ वर्षा काफी प्रफुल्लित होकर सभी शिक्षक एवं कर्मचारियों का दिल से धन्यवाद किया और पुनः प्राचार्य के द्वारा महाविद्यालय में आने का निमंत्रण भी स्वीकार किया है। मौके पर डॉ अर्चना, डॉ राजेश मिश्रा, डॉ, धर्मेंद्र कर्मचारी संघ के अध्यक्ष मनीष प्रताप सिंह, सचिव संतोष कुमार सिंह मौजूद थे।

जदयू जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में की गई फोल्डर अध्ययन कार्यक्रम की शुरूआत

प्रातः किरण संवाददाता

गया ।गया जिला रमण सेक्टर स्थित पितामहेश्वर में रमना सेक्टर अध्यक्ष मानिकचंद गुप्ता की अध्यक्षता एवं 6 सेक्टरों, 53 वार्डो के जदयू जिलाध्यक्ष महानगर गया राजू बरनवाल के नेतृत्व में 11:00 दिन में फोल्डर अध्ययन कार्यक्रम की शुरूआत की गई है।वर्ष 2005 से अभी यानी 2025 तक की राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी तरह की योजनाओं का अलग-अलग 23 प्रकार की फोल्डर में सूची बद्ध है जिसे पार्टी की जदयू महानगर 6 सेक्टरों के लिए अलग अलग कार्टून में 53 वार्ड के लिए एक एक बंडल के हिसाब से जिसमें 23 प्रकार का फोल्डर, पार्टी की दो बड़ा झंडा एवं पट्टा रबर द्वारा बैंड किया हुआ है। बरनवाल ने पार्टी के दिशा निर्देश के अनुसार 6 सेक्टर में बांट दी हैं। बरनवाल ने सैकड़ो लोगों को संबोधित कर कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जन कल्याणकारी 23 प्रकार की योजनाओं से बनी फोल्डर अध्ययन चर्चा के माध्यम से लोगों को बिहार में चल रही प्रत्येक योजनाओं को धरातल पर उतारने का काम मिलकर करेंगें।हमारी सरकार बिना किसी भेदभाव के राज्य के हर नागरिक की भलाई के लिए काम कर रही है। सरकार सभी समाजिक, आर्थिक और जातीय वर्गों के लिए समान अवसर और सेवाएं प्रदान कर रही है, ताकि सभी का समग्र विकास हो सके। यह नीति सामाजिक समानता और समावेशिता को बढ़ावा देती है, जिससे प्रत्येक नागरिक को उसके अधिकारों का समान रूप से लाभ मिल सके।इसीलिए अपने लिए,अपने परिवार और बिहार के सुरक्षित भविष्य के लिए अनुभव, विश्वास और मजबूत इरादों का रास्ता चुनें।इस कार्यक्रम के दौरान विधानसभा चुनाव में 225 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम के दौरान नेताओं ने कार्यकताओं को एकजुट कर स्पष्ट रूप से कहा कि इस साल हो रहे विधानसभा चुनाव को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा और विकास पुरुष नीतीश कुमार जी के हाथों को मजबूत करने का काम करेंगे।जदयू का यह अभियान केवल चुनावी तैयारी नहीं, बल्कि कार्यकताओं और जनता के बीच यह संदेश देने की कोशिश है कि आपसी मतभेदों को भुलाकर एकजुट हैं, चुनावी रणनीति और संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के इस प्रयास का प्रभाव आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में साफ दिखाई देगा। उक्त कार्यक्रम में लालजी प्रसाद,सेक्टर अध्यक्ष गोपाल प्रसाद, अमर दास, अमर चंद्रवंशी, रंजन कुमार, अजय कुमार, सरस्वती देवी, कांछी देवी, माया देवी, रामविलास राम, धर्मवीर मांझी, सीताराम पासवान आदि थे।

10 साल के बच्चे ने हासिल की हफीज ए कुरान की उपाधि

कम उम्र में बच्चे ने दिखाया करिश्मा

प्रातः किरण संवाददाता

गया।शहर के मखदुमपुर डीह स्थित जामिया दारुल फलाह मदरसे में 10 साल का बच्चा मोहम्मद इकरमा ने मंगलवार को हफीज ए कुरान की उपाधि हासिल की है। अपने शिक्षक कारी मोहम्मद मुस्लिम सहित काफी लोगो के सामने कुरान शरीफ को सुना कर मुकम्मल किया है। मदरसा जामिया दारुल फलाह के संचालक कारी मुस्लिम शिक्षक मौलाना अब्दुल हमीद की देख रेख में बच्चे ने कुरान को कंठस्थ पूरा किया गया

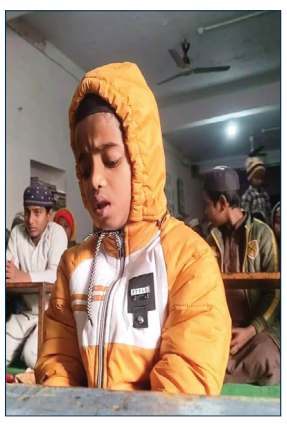

है। इस मौके पर कारी मुस्लिम ने कहा कि पूरी दुनिया में कुरान ही एक ऐसी किताब जो लोगो के सीने में महफूज होती है इसे पढ़ने से दुनिया में भी चैन और सुकून मिलता है और आखिरत में भी। इसके हर लफ्ज पर अल्लाह नेकी आता फरमाते है। लोगो के लिए कुरान पढ़ना भी जरूरी है, समझना भी जरूरी और अमल करना भी जरूरी है। इस दौरान बच्चे की हौसला अफजाई करते हुए लोगो के द्वारा उसे पृस्कृत किया है। इस मौके पर शिक्षक अब्दुल हमीद, मोहम्मद हबीब सहित अन्य लोग मौजूद रहें हैं।

दुसाध महासंघ संगठन को वार्ड स्तर पर विस्तार करके ही समाज को न्याय दिलवाया जा सकता है :अशोक भारती

प्रातः किरण संवाददाता

गया। मंगलवार को बुद्ध की धरती गया में अखिल भारतीय दुसाध कल्याण परिषद और अंतर्राष्ट्रीय दुसाध महासंघ के संयुक्त बैनर तले मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया है । जहां बिहार के कोने कोने से परिषद के कार्यकर्ता शिक्षाविद, इंजीनियर, डॉक्टर, बैंकर और समाजसेवीयो का बड़ा जमावड़ा लगा है ।इस कार्यक्रम में कई ज्वलंत मुद्दे पर चर्चा हुई है ।इस कार्यक्रम के आयोजक ई हेमंत कुमार ने का इस बार के विधानसभा चुनाव 15 से 20 युवाओं को उतरेंगे।युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष ई संजय माही ने कहा की देश को सकारात्मक दिशा में ले जाना है तो युवा ही कर सकते है संगठन के सचिव अशोक भारती ने कहा की संगठन को वार्ड स्तर पर विस्तार करके ही समाज को न्याय दिलवाया जा सकता है। इस कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व विधायक अजय पासवान,मुंन्द्रिका पासवान,डॉक्टर प्रसाद पासवान,रीता पासवान, रामप्रवेश पासवान जादूगर , गौतम कुमार, अरुण पासवान, जीतेन्द्र पासवान जद्दू पासवान बिनोद पासवान,मोहन पासवान,बिन्देश्वर पासवान, कमलेश पासवान, कृष्ण कुमार ज्योति,अभिराम पासवान, घनश्याम पासवान, केदार पासवान, कर्तव्य ज्योति, रामानंद पासवान, अजित कुमार, प्रमोद कुमार, बबन पासवान राजामोहन पासवान, नागेश कुमार, अर्चना पासवान, नंदिता पासवान,धर्मेंद्र कुमार,सहित समाज के गन्यमान्य लोग उपस्थित हुए,मंच का संचालन विपिन पासवान ने किया धन्यवाद ज्ञापन इंजिनियर संजय माहि के द्वारा किया गया है।

गरीब संकल्प सभा में शामिल होंगे केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी

औरंगाबाद। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सेक्युलर (हम पार्टी) के द्वारा 25 जनवरी को डुमरी हाई स्कूल के खेल मैदान (बालूगंज) में गरीब संकल्प सभा का आयोजन किया गया है। इसमें मुख्य अथिति के रूप में हम पार्टी के संस्थापक सह केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सह औरंगाबाद जिला के प्रभारी मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन शामिल होंगे। कुटुम्बा विधानसभा के पूर्व विधायक प्रत्याशी सह हम पार्टी के राष्ट्रीय सचिव श्रवण भुईया के द्वारा गरीब संकल्प सभा से संबंधित रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि गरीबों को उत्थान के लिए, छात्र, नौजवान के उज्जवल भविष्य के लिए, किसानों को उचित सामान के लिए, बेहतर शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य के लिए गरीब संकल्प सभा का आयोजन किया गया है। मौके पर हम पार्टी के जिला प्रधान महासचिव भीम प्रताप सिंह, एससीझएसटी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष प्रेम भुइया, जिला उपाध्यक्ष राजेश कुशवाहा, भोला सिंह, विजय मांझी, जितेंद्र कुमार, रवि रंजन भुईया, अशोक भुईया, राजबली भुईया, सुनील भुईया, संतोष कुशवाहा, रंजीत भुईया आदि मौजूद रहे।

छोटे उस्ताद आर्यन पाठक के भक्ति गीत पर झूम उठे लोग

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद की महत्वपूर्ण संगीतिक संस्था दानिका संगीत महाविद्यालय के प्रांगण में छोटे उस्ताद कार्यक्रम के अगली कड़ी में आज के छोटे उस्ताद आर्यन राज पाठक को घोषित किया गया।इस निमित आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ रविंद्र कुमार ने की।कार्यक्रम का उद्घाटन पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट के संयोजक जगदीश सिंह,कोषाध्यक्ष विकास कुमार सिंह, समाजसेवी अवधेश सिंह, रायपुरा निवासी नन्हक सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।उद्घोषक की जिम्मेवारी दानिका की छात्रा अमिषा गायकवाड़ ने निभाई।कार्यक्रम की शुरूआत में छोटे उस्ताद आर्यन राज पाठक ने हरमोनियम एवं तबले के संगत में राग में आवाज दुहराई तो उसके बाद लोकप्रिय भजन सांवली सूरत पे मोहन दिल दिवाना हो गया गाया तो दर्शक दीर्घा में बैठे लोग भक्ति भावना से ओत-प्रोत हो गए।दानिका द्वारा संचालित कार्यक्रम छोटे उस्ताद में मगध प्रमंडल के सात जिलों की सहभागिता होगी।7 जिलों के प्रतिभागी इसमें भाग ले सकेंगे यह एक संगीत के माध्यम से बढ़ने का प्लेटफार्म है।आज के प्रतिभागी गया जिले के शेरघाटी से आए आर्यन राज पाठक ने छोटे उस्ताद के रूप में सराहनीय भूमिका निभाई।मुख्य अतिथि संयोजक जगदीश सिंह ने कहा कि जिस तरह का कार्यक्रम दानिका द्वारा चलाया जा रहा है वह संगीत के दुनिया में एक सराहनीय पहल है जिसके माध्यम से लोग संगीत को जानेंगे समझेंगे एवं कम उम्र से ही संगीत के क्षेत्र में बढ़ने का प्रयास करेंगे।मौके पर शिक्षक वेद प्रकाश,मोहित सिंह ,अंजली सिंह,शिवांगी सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

दिल्ली पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर ने उठाया सड़क दुर्घटना में अनाथ हुए बच्चे की शिक्षा का जिम्मा

अरवल दिल्ली पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर धर्मेंद्र कुमार ने हाल ही में सड़क दुर्घटना में अपने पिता को खो चुके चट्टान सिंह के बच्चे की पूरी शिक्षा का खर्च उठाने का वादा किया है। कुछ दिन पहले एक सड़क हादसे में चट्टान सिंह की दुखद मृत्यु हो गई, जिससे उनके परिवार पर संकट का पहाड़ टूट पड़ा। इस घटना के बाद, धर्मेंद्र कुमार ने व्यक्तिगत रूप से रामनगर स्थित उनके घर जाकर परिवार को सांत्वना दी। उन्होंने न केवल उनके दुःख में शामिल होने की बात कही, बल्कि बच्चे की पढ़ाई-लिखाई का पूरा जिम्मा उठाने का भी ऐलान किया। धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है और कोई भी बच्चा इसे आर्थिक कारणों से नहीं खोना चाहिए। उन्होंने समाज से भी अपील की कि लोग जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में योगदान दें। इस पहल ने समाज में एक सकारात्मक संदेश दिया है और अन्य लोगों को भी इस दिशा में प्रेरित किया है। धर्मेंद्र कुमार का यह कदम न केवल एक परिवार को सहारा देगा बल्कि समाज में शिक्षा के महत्व को भी रेखांकित करेगा। उनके इस उदारता भरे कदम ने दिखाया है कि यदि हम सब मिलकर समाज की भलाई के लिए कदम उठाएं, तो एक बड़ा बदलाव संभव है।

गौतम अदाणी सपरिवार पहुंचे महाकुंभ बोले : अद्भुत, अद्वितीय, अलौकिक

प्रातः किरण संवाददाता

पटना प्रयागराज। दुनिया के जानेमाने उद्योगपति गौतम अदाणी मंगलवार को प्रयागराज पहुंचे। महाकुंभ के पुण्य दर्शन के लिए गौतम अदाणी अपने पूरे परिवार के साथ पहुंचे। उनके साथ उनकी पत्नी डॉक्टर प्रीति अदाणी, चेयरपर्सन अदाणी फाउंडेशन, उनके बेटे करण अदाणी, बहू परिधि अदाणी और उनकी पोतियां भी थीं। उनके साथ जीत अदाणी भी कुंभ में मौजूद रहे। इस मौके पर गौतम अदाणी ने अपने छोटे बेटे जीत अदाणी के विवाह की तिथि की भी घोषणा की, उन्होंने बताया कि उनके बेटे की शादी 7 फरवरी 2025 को होगी। जब उनसे पत्रकारों ने पूछा कि क्या जीत अदाणी की शादी पर सेलेब्रिटीज का महाकुंभ होगा? इस पर उन्होंने बताया कि यह एक पारिवारिक कार्यक्रम है और इसे

परिवार के साथ ही सादगी के साथ संपन्न किया जाएगा।गौतम अदाणी सुबह तकरीबन 12:30 बजे इस्कॉन में पहुंचे जहां पर उन्होंने इस्कॉन की रसोई में प्रसाद बनाने में भी हिस्सा लिया। डॉक्टर प्रीति अदाणी ने अपनी बहू परिधि अदाणी के साथ रोटियों पर घी लगाया और मटर छीलीं। उसके बाद उन्होंने प्रसाद वितरण किया और सपरिवार प्रसाद ग्रहण किया। उसके बाद वह नाव से संगम स्थल पहुंचे जहां उन्होंने स्नान एवं पूजा अर्चना की। संगम दर्शन के बाद वह अभिभूत नजर आए। स्नान एवं पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने मीडिया से बीतचीत की। उन्होंने कहा अद्भुत, अद्वितीय, एवं अलौकिक ! प्रयागराज आकर ऐसा लगा मानो पूरी दुनिया की आस्था, सेवाभाव और संस्कृतियां यहीं मां गंगा की गोद में आकर समाहित हो गयी हैं। कुंभ की भव्यता और दिव्यता सजीव बनाए रखने वाले सभी साधु, संत, कल्पवासी एवं श्रद्धालुओं की सेवा में तत्पर शासन-प्रशासन, सफाई कर्मियों और सुरक्षा बलों को मैं हृदय से धन्यवाद देता हूँ।

पंडित शिवनारायण ने जन्म कुंडली निर्माण के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित किया

औरंगाबाद। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं चाणक्य परिषद के अध्यक्ष रामानुज पांडेय ने 10000 कुंडली निर्माण करने वाले विद्वान ज्योतिषाचार्य शिवनारायण सिंह जी को चाणक्य परिषद की ओर से उनका अभिनंदन किया। भारतीय समाज में प्राचीन काल से कर्म की प्रधानता रही है। भगवान श्री कृष्ण ने स्वयं ही गीता में कहा है की कम से ही व्यक्ति का वर्णन तय होता है। राजवंश में जन्म लेने वाले महर्षि विश्वामित्र को संत समाज राजर्षि कहा करता था लेकिन उन्होंने अपने तपोबल से जो स्थान प्राप्त किया है तो वह राजर्षि से ब्रह्म ऋषि बन गए वैसे ही 35 वर्षों तक शिक्षक और प्रधानाचार्य रहने के बाद ज्योतिष के क्षेत्र में अपना कीर्तिमान स्थापित करने वाले शिवनारायण सिंह जी ने अपने कर्म से अपनी योग्यता समाज में स्थापित करने का काम किया है ।

आईआईएम बोधगया कर रहा है हैप्पी पीरियड्स कार्यक्रम के माध्यम से लड़कियों को शिक्षित

प्रातः किरण संवाददाता

गया।आईआईएम बोधगया ने बोधगया के नजदीकी स्कूलों में युवा लड़कियों के लिए मेन्स्ट्रुअल जागरूकता सत्र किया आयोजित हुई है। यह कार्यक्रम संस्थान की सीएसआर समिति प्रगति के चेयरपर्सन प्रो. सुरेश केजी, और प्रो. गार्गी रॉय के मार्गदर्शन में 12 सदस्यों द्वारा आयोजित किया गया है । इस पहल का उद्देश्य जागरूकता फैलाने के साथ ही यह सुनिश्चित करना रहा कि इसका प्रभाव अधिकतम युवा लड़कियों तक पहुंचे।यह कार्यक्रम नाइन इंडिया के सहयोग से दो स्कूलों में चलाया गया है। प्रारंभिक सत्र रामपुर सरकारी स्कूल में सुबह 11:00 बजे लगभग 200 लड़कियों

के साथ आयोजित किया गया है। कार्यक्रम की शुरूआत प्रगति सदस्यों द्वारा प्रस्तुत एक जानकारीपूर्ण नुक्कड़ नाटक से हुई, जिसमें मेन्स्ट्रुअल स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया गया है। आयोजन एक विस्तृत प्रस्तुति, प्रश्नोत्तरी, खेल और मेन्स्ट्रुअल चक्र के प्रबंधन पर चर्चा के साथ आगे बढ़ा है।

छात्रों में से एक, प्रज्ञा ने कहा, यह सत्र अच्छा और जानकारीपूर्ण था और हमें पीरियड्स के बारे में कई तथ्य सीखने को मिले हैं। अब हम बिना किसी झिझक के अपने माता-पिता और दोस्तों से इस बारे में बात करने के लिए प्रेरित होने के साथ ही उन्हें जागरूक भी कर पाएंगे।

स्कूल के प्रिंसिपल मोहम्मद साहब उद्दीन ने इस पहल की सराहना की, जिसका उद्देश्य अक्सर सामाजिक वर्जित माने जाने वाले विषय पर खुली बातचीत को बढ़ावा देना है। उन्होंने युवा लड़कियों के लिए एक सहायक वातावरण के महत्व पर जोर दिया, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि वे स्वीकार्य और सुरक्षित महसूस करें।दूसरा चरण दोपहर 2:00 बजे केंद्रीय विद्यालय नंबर 2, ओटीए में शुरू हुआ, जिसमें 300 युवा लड़कियां शामिल हुईं है। पहले सत्र के जैसे ही इसमें भी प्रेजेंटेशन और सवाल जवाब सत्र शामिल था। जिसने युवा लड़कियों को खुलकर बोलने और अपनी गलतफहमियों और शंकाओं को दूर करने के लिए प्रेरित किया है। इसके अलावा, इसमें मेन्स्ट्रुअल चक्र के दौरान स्वच्छता और देखभाल के महत्व पर लड़कियों को शिक्षित करने वाला एक वृत्तचित्र वीडियो भी दिखाया गया है।

सत्र का समापन नाइन इंडिया द्वारा प्रायोजित सैनिटरी पैड बाटने के साथ हुआ है। इस कार्यक्रम ने युवा लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा को ठोस समर्थन के साथ एकीकृत करने की पहल के प्रमाण के रूप में कार्य किया है।

अखिल भारतीय कवि-सम्मेलन में औरंगाबाद के काव्यकारों ने मचाई धूम

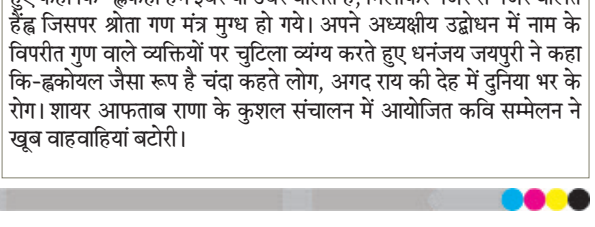

औरंगाबाद। अखिल भारतीय कवि- सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें देश के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे कवि-कवित्रियों ने अपनी दमदार प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों-श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि के रूप में मंचस्थ राज्यसभा सदस्य श्रीमती महुआ माजी, ओमप्रकाश प्रीत एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। आयोजक का दायित्व समृद्ध झारखंड एवं सेट फाउंडेशन ने सम्हाला। आगत अतिथियों का स्वागत अंग-वस्त्र, पुष्पगुच्छ, प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति-पत्र देकर किया गया। चर्चित कवयित्री डा विभा सिंह की सरस्वती-वंदना के साथ कवि-सम्मेलन की विधिवत शुरूआत हुई। उन्होंने ह्मुट्ठी में बंद ताबिरो तकदीर हो गई, हटती नहीं निगाह वह तस्वीर हो गईह्व नामक गजल की प्रस्तुति देकर दर्शकों-श्रोताओं का मन मोह लिया। युवा साहित्य अकादमी पुरस्कार से पुरस्कृत कवि नीलोत्पल मृड़ाल ने ह्मस्कूलों की दीवारों पर जां दिल बनाने वाले लड़के, चलती तीरों को हंसके अपने दिल पर खाने वाले लड़केह्व नामक गीत की प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया। हास्य-व्यंग्य के बादशाह बादशाह प्रेमी के मुक्तक - ह्मसुना है इश्क में गधे भी सूखी घास खाते हैं, वे पागल लोग हैं जो प्यार में सल्फास करते हैंह्व की प्रस्तुति पर पूरा सदन तालिया की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। नागेंद्र केसरी की कविता- ह्मइक नन्हा बच्चा सोया था, मीठे सपनों में खोया थाह्व को सुनकर दर्शक भाव-विह्वल हो गये। कवि चंदन द्विवेदी की पंक्तियां- ह्मतुमको पाना तुम तक जाना अच्छा लगता है, हर दिन का हर एक बहाना अच्छा लगता हैह्व ने उपस्थित दर्शकों को खूब गुदगुदाया। मशहूर शायर इकबाल अख्तर दिल ने गजल की प्रस्तुत देते हुए कहा कि- ह्मकहां हम इधर या उधर बोलते हैं, मिलाकर नजर से नजर बोलते हैंह्व जिसपर श्रोता गण मंत्र मुग्ध हो गये। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में नाम के विपरीत गुण वाले व्यक्तियों पर चुटिला व्यंग्य करते हुए धनंजय जयपुरी ने कहा कि-ह्मकोयल जैसा रूप है चंदा कहते लोग, अगद राय की देह में दुनिया भर के रोग। शायर आफताब राणा के कुशल संचालन में आयोजित कवि सम्मेलन ने खूब वाहवाहियां बटोरी।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

अज्ञात अपराधियों ने दिया बाइक सवार युवक के साथ लूट की घटना को अंजाम

मसौढ़ी। थाना क्षेत्र के मसौढ़ी पितामस पथ पर सोमवार की रात्रि में बाइक सवार तीन अपराधियों ने बाइक सवार युवक के साथ मारपीट कर मोबाइल छीन लिया। जानकारी के मुताबिक मसौढ़ी थाना क्षेत्र छाता गांव निवासी मुकेश मिस्त्री के पुत्र मोलू कुमार वर्तमान में कुम्हारटोली मुहल्ले में किराए के मकान में रहता था। सोमवर की रात्रि में नौबतपुर से बाइक से मसौढ़ी लौट रहा था।उसी समय धनीचक मोड़ के पास पहले से घात लगाए बाइक सवार तीन अपराधियों ने मोलू कुमार के साथ मारपीट कर बाइक व मोबाइल छीनकर पश्चिम की ओर फरार हो गया। पीड़ित व्यक्ति घटना की सूचना मसौढ़ी पुलिस को दी,जिसके बाद पुलिस जांच में जुटी हुई है।घटित घटना के संबंध में मसौढ़ी डीएसपी नभ बैभव ने बताया कि पीड़ित व्यक्ति के दिए गए आवेदन के आधार पर आसपाप के सीसीटीवी कैमरे को खंगाला जा रहा है। जल्द ही सभी अपराधी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

डीएम की अध्यक्षता में किया गया उद्यमी वार्ता सम्मेलन का आयोजन

सम्मेलन में विभिन्न प्रखंडों से आए उद्यमियों ने भाग लिया

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । जिला पदाधिकारी, भोजपुर तनय सुल्तानिया(भा.प्र.से.)की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में उद्यमी वार्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में भोजपुर जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए उद्यमियों ने भाग लिया, जो मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, बिहार लघु उद्यमी योजना, स्टार्ट-अप योजना एवं रक्ढइ के लाभुक थे।

जिला पदाधिकारी ने इन उद्यमियों से उनके कार्य, उत्पादन और बिक्री के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही, उनके सामने आने वाली समस्याओं को भी गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार स्व-रोजगार को बढ़ावा देने के लिए उद्योग क्षेत्र पर विशेष ध्यान दे रही है, लेकिन पहली किस्त प्राप्त करने के बाद यूनिट स्थापित नहीं करना एक बड़ी चुनौती बन रही है, जिससे योजनाओं का अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य उद्यमियों से संवाद कर उनकी समस्याओं को समझना और जिले में उद्योगों की संभावनाओं का आकलन करना था। जिला पदाधिकारी ने भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन उद्यमियों की हरसंभव मदद करेगा। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि जो इकाइयाँ बेहतर उत्पादन कर रही हैं लेकिन फंड की कमी से जूझ रही हैं, उन्हें बैंकों से ऋण दिलाने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा।इस अवसर पर महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र, वरीय कोषागार पदाधिकारी-सह-सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, अग्रणी बैंक प्रबंधक और नाबार्ड के प्रतिनिधि (डीडीएम) एवं अन्य उपस्थित थे।

पंचायत समिति सदस्य एवं उनके सहयोगी को मारी गोली, जख्मी

प्रातः किरण संवाददाता

चौसा (मधेपुरा)। शादी समारोह की भोज खाकर बाइक से लौट रहे पंचायत समिति सदस्य को करीब डेढ़ सौ मीटर दौड़ा- कर अपराधियों ने गोली मारी जिसमें पंचायत समिति सदस्य मिथलेश कुमार सहित दो लोग जख्मी हो गए। जिसे परिजनों की मदद से चौसा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। डॉक्टर ने उपचार के बाद दोनों जख्मी को भागलपुर मायागंज रेफर कर दिया है। घटना चौसा थाना क्षेत्र के अरजपुर पुर्वी पंचायत वार्ड संख्या 13 में सोमवार की रात्रि करीब 10 की बताई जा रही है। घटना के बाद चौसा पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर घटना की पड़ताल कर रही है। जख्मी पंचायत समिति सदस्य मिथिलेश कुमार ने बताया कि गांव में अनिल यादव की पुत्री की शादी समारोह का भोज खाकर घर की तरफ लौट रहे थे कि रास्ते में घर से करीब डेढ़ सौ मीटर पहले पुर्व से घात लगाए पांच की संख्या में अपराधियों ने मुझे पहुंचते ही गोली चला दी। पहला गोली बाइक चालक दयानंद यादव 45 वर्षीय को बाएं कंधे में लगी। गोली की आवाज सुनकर अक्का बक्का हो गए और मुझे चालक ने कहा आप पहले भागीए। मैं तुरंत चलते बाइक से कूदते ही मुझ पर गोली चला दी गोली मुझे बाएं कमर से ऊपर कमर को छूते हुए गोली निकल गई मैं होश में करीब डेढ़ सौ मीटर इधर-उधर भागकर घर के बगल में टट्टी को फाड़कर अपने घर में जा घुसा और किसी तरह मेरी जान बच गई। जख्मी पंचायत समिति सदस्य मिथिलेश कुमार ने बताया कि दोनों लोग अगर बाइक पर रहते तो दोनों की जान जा सकती थी। क्यों कि अपराधियों को मुझे मारना था मुझे बाइक से कूदने के बाद बाइक चालक के तरफ एक भी अपराधी पिछा नहीं कर सभी अपराधी मेरे पिछे दौड़ने लगे। मैं भी भागते समय सीधा नहीं भाग कर इधर-उधर भोकी काटते हुए भागते रहे पिछे से अपराधियों ने लगातार गोली चलाते गए लेकिन मुझे पहला गोली लगने के बाद पिछे से चार पांच गोली चलाई जो मुझे नहीं लगा। मुझे तकरीबन डेढ़ सौ मीटर दौड़ा दौड़ा कर पिछा किया लेकिन अपने घर के बगल में झोपड़ी टटिया फाड़ कर घर के घुसकर जान बचाई। जब तक मैं गांव के बहुत सारे लोग इकट्ठा हो गए मुझे खून से लथपथ देख कर मेरे घर वालों और ग्रामीण की मदद से दोनों लोगों को चौसा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

एडमिड कार्ड से वंचित 217 बच्चों का स्कूलों में प्रदर्शन जारी, स्कूल में तालाबंदी कर किया प्रदर्शन

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा । जिले के कुमारखण्ड और मुरलीगंज प्रखंड के तीन ऐसे स्कुल हैं जहाँ करीब 217 बच्चे एडमिड कार्ड से बंचित है इन दोनों जगहों पर मैट्रिक के अभ्यर्थियों का प्रदर्शन और हंगामा लगातार हो रहा है वहीं मंगलवार को जिले के मुरलीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत वृंदावन हाई स्कूल के छात्रों ने विद्यालय में तालाबंदी कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने बताया कि विद्यालय के करीब 70 छात्रों का फॉर्म भरने के बावजूद भी एडमिट कार्ड नहीं आया है लिहाजा आगामी 17 फरवरी से जिले में मैट्रिक परीक्षा आयोजित की जाएगी ऐसे में यह सभी छात्र परीक्षा से वंचित रह जाएंगे, प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने कहा कि जब तक जिला प्रशासन इस मामले में संज्ञान लेकर कोई ठोस विकल्प नहीं निकलेंगे तब तक हम सभी छात्र का आंदोलन और विद्यालय में तालाबंदी जारी हीं रहेगा। गौरतलाप हो कि परीक्षा फॉर्म भरने के बावजूद भी जिले के कुमारखंड के एक और मुरलीगंज के दो हाई स्कूल के कुल 217 छात्रों का भविष्य अधर मे लटक रहा है इन बच्चों का एडमिड कार्ड जारी नही हुआ है जिस वजह से ये सभी बच्चे परीक्षा से बंचित हीं रह जाएंगे। हालांकि इस मामले में तीनों हाई स्कूल के एचएम को विभागीय कार्यवाही करते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी ने सस्पेंड कर दिया है। लेकिन छात्र एडमिड कार्ड की मांग को लेकर लगातार प्रदर्शन कर रहें हैं। वहीं मधेपुरा डीएम तरणजोत सिंह के आदेश पर करीब 5 घंटे बाद मौके वारदात पर पहुंचे जिला शिक्षा पदाधिकारी एमडी शाहिद अंसारी ने आक्रोशित बच्चों को समझा बूझकर शांत करवाया और समस्या के समाधान करने के लिए आश्वासन भी दिया जिसके बाद बच्चे शांत हुए और प्रदर्शन तथा ग्रामीण मुख्य सड़क जाम समाप्त किया गया। वहीं इस मामले को लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि संबंधित प्रधान शिक्षक को तत्काल निलंबित कर प्राथमिकी दर्ज की गयी साथ हीं इस मामले में जो ऑन लाइन करने वाले साइबर कैफे के संचालक है उन पर भी प्राथमिकी दर्ज की जाएगी और इन बच्चों का पुनः ऑन लाइन करवाकर स्पेशल परीक्षा भी दिलवाया जाएगा इस संबंध मे विभागीय वरीय अधिकारी से वार्ता की जा रही है।

अंगिका की पढ़ाई जल्द ही शुरू करायी जायेगीः कुलपति

कुलपति प्रो डॉ संजय को बुके, चादर व कलम देकर अंगिका छात्र संघर्ष समिति ने किया सम्मानित

प्रातः किरण संवाददाता

बरियारपुर (मुंगेर)। मुंगेर विश्वविद्यालय मुंगेर में अंगिका विषय की पढ़ाई स्नातक और स्नातकोत्तर में शुरू कराते हुए पद सृजन करने को लेकर पूर्ववर्ती-वर्तमान अंगिका छात्र संघर्ष समिति के अध्यक्ष डॉ. विभुरंजन के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने नवनियुक्त कुलपति प्रो. डॉ. संजय कुमार से मुलाकात की। शिष्टमंडल ने कुलपति को बुके व चादर देकर सम्मानित किया। वहीं महिला अध्यक्ष सरस्वती कुमारी ने कुलपति को कलम भेंट की। शिष्टमंडल ने आवेदन देते हुए कुलपति को बताया कि अंगिका की पढ़ाई स्नातक और स्नातकोत्तर में कराने के लिए जनवरी 2022 में ही अकेडमिक कॉसिंल, सिंडीकेट व सीनेट में प्रस्ताव पास है। इसकी पढ़ाई शुरू कराने के लिए 6/3/23 को रेखा कुमारी, निदेशक, उच्च शिक्षा बिहार सरकार ने अपने पत्र के माध्यम से कुलसचिव को आदेशित किया है।

वहीं शिक्षा मंत्री बिहार के कोषांग से प्रे.स. 350, दिनांक 3/4/23 के माध्यम से समुचित कार्रवाई के लिए लिखा गया। राज्यपाल सचिवालय के पत्रांक एमजीआर.यू.-01/2023-737 दिनांक 24/5/2023 के माध्यम से एक सप्ताह के अंदर कार्रवाई कर सूचित करने को कहा है। इतने आदेश और निर्देश के बाद भी पढ़ाई शुरू नहीं करायी गई।निदेशक उच्च शिक्षा रेखा कुमारी ने पुनः 23/12/2024 को कुलसचिव के नाम पत्र भेजकर कार्रवाई करने को कहा है। नवनियुक्त कुलपति प्रो. डॉ. संजय ने शिष्टमंडल को भरोसा दिलाया कि बहुत जल्द अंगिका की पढ़ाई शुरू करा दी जाएंगी। इस समृद्ध भाषा की उपेक्षा नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा की इतिहास में अंग क्षेत्र को जो गौरव प्राप्त है इसके वजह से यहां की साहित्यिक व सांस्कृतिक पहचान है। अंगिका यहां की अति प्राचीन भाषा है और इसके समृद्धि के लिए हर उपाय विश्वविद्यालय स्तर पर की जायेगी।

शिष्टमंडल में पूर्ववर्ती वर्तमान अंगिका छात्र संघर्ष समिति के अध्यक्ष डॉ. विभुरंजन, पूर्ववर्ती-वर्तमान अंगिका छात्र संघर्ष समिति की महिला अध्यक्षा सरस्वती कुमारी ह्लशाहकुण्डह्व, संतोष चैरिटेबल ट्रस्ट, बलहा खगड़िया के संस्थापक संतोष कुमार, नशा मुक्त भारत के संस्थापक सह राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेम कुमार यशवंत, पत्रकार नरेश आनंद शामिल थे।

विधुत संबंधी शिकायतों के निपटारे के लिए किया जाएगा शिविर का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा)। अनुमंडल क्षेत्र में विधुत से संबंधि शिकायतों का निपटारा और बकाया वसूली को लेकर विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। लोग पंचायत वार शिविर के माध्यम से शिकायतों का निपटारा कर सकेंगे। विभाग के सहायक अभियंता विजय कुमार ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024- 25 में निर्धारित लक्ष्य के साथ शत प्रतिशत वसूली को लेकर विशेष शिविर लगाया जा रहा है। विद्युत विभाग द्वारा अनुमंडल अंतर्गत विभिन्न पंचायतों में विशेष शिविर के माध्यम से शिकायतों का निपटारा होगा। वहीं लोग बकाया राशि जमा कर पाएंगे।।पंचायतवार विशेष शिविर में उपभोक्ता के विद्युत विपत्र सुधार, खराब मीटर को बदलने, बकाया राशि का भुगतान, एक ही मीटर नंबर से दो बिल, एक ही नाम से दो बिल तथा नाम एवं पता सुधार आदि से संबंधित शिकायत का निवारण किया जायेगा। अधिकारी ने उपभोक्ताओं से अपील किया है कि अपने-अपने बकाया विद्युत विपत्ति की राशि का भुगतान करें साथ ही अपने शिकायत का निवारण कराकर लाभ उठाएं।

तिथिवार शिविर का आयोजन

विभाग ने बकाया वसूली और शिकायतों के निपटारे के लिए तिथिवार शिविर लगाने की तिथि तय की है। तय तिथि के मुताबिक 22 जनवरी 2025 को उदाकिशुनगंज प्रखंड अंतर्गत शाहजादपुर पंचायत के शेखपुर चमन गांव गोसाईं टोला में, 23 जनवरी 2025 को आलमनगर प्रखंड क्षेत्र के सिंहार मधेली चौंक पर शिविर लगाया जाएगा।

शाहजादपुर वरिष्ठ नागरिक मंच का अध्यक्ष बने गजेंद्र सिंह, ग्रामीणों ने दी बधाई

प्रातः किरण संवाददाता

नयानगर (मधेपुरा)। उदाकिशुनगंज प्रखंड क्षेत्र के शाहजादपुर पंचायत में वर्षों से संचालित वरिष्ठ नागरिक मंच का अध्यक्ष का चुनाव आम बैठक कर किया गया। बैठक की अध्यक्षता दिनेश्वर प्रसाद सिंह ने किया। बैठक मंगलवार के दिन के करीब 2 बजे दिन में संस्था के सचिव अनिल कुमार सिंह के दरवाजे पर रखी गई।

बताते चलें कि वरिष्ठ नागरिक मंच जो कि बिहार सरकार के संस्था निबंधन अधिनियम 21/1860 के अधीन 2006-2007 में निबंधित है। मिल रही जानकारी से यह संस्था 2003 से शाहजादपुर में संचालित है। ज्ञात हो कि संस्था के पूर्व के अध्यक्ष शशिशेखर सिंह उर्फ लालन बाबू के नवम्बर 24 में अकस्मात निधन के बाद अध्यक्ष का पद रिक्त हो गया था। अध्यक्ष के निधन के पश्चात पूर्व में गठित 11 सदस्यों की कमिटी के उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह को सभी ने सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना। अध्यक्ष के चुनाव के पश्चात कमिटी के सदस्यों का भी गठन किया गया।कमिटी में नए उपाध्यक्ष के रूप में श्री देवेन्द्र मिश्र और एक सदस्य संजय मिश्रा का भी चुनाव किया गया। नए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्य के चुनाव पर रामानंद प्रसाद सिंह, परमानंद प्रसाद सिंह, हीरा प्रसाद सिंह, सी.के.झा, नरेश यादव ने बधाई दी है।बैठक में अनिल प्रसाद सिंह, मुन्ना प्रसाद सिंह, मणि प्रसाद सिंह, नरेश यादव, संजय सिंह आदि मौजूद थे।

गंगा आरती में शामिल हो भक्तिमय हुए लोस व अन्य विस के अध्यक्ष

तख्तश्री पटना साहिब के दरबार साहिब में भी जाकर टेका मत्था

प्रातः किरण संवाददाता

पटना सिटी। बिहार विधान मंडल के विस्तारित भवन स्थित सेंट्रल हॉल में आयोजित दो दिवसीय 85वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन कार्यक्रम में देश भर के अन्य राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष, पीठासीन अधिकारियों, संसदीय पदाधिकारियों ने मंगलवार को खाजेकलां घाट स्थित गंगा आरती में शामिल हुए। यहां पहुंचने पर सभी गण्मान्य जनों का स्वागत बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। आरती मनोज भट्ट और चिंटू बाबा की टीम के द्वारा कराया गया। इसके पूर्व विभिन्न राज्यों से आए विधानसभा अध्यक्ष व पीठासीन अधिकारियों का जत्था तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब पहुंचा। यहां दरबार साहिब में मत्था टेका और आशीर्वादस्वरूप सिरोपा पाया। यहां के इतिहास से सभी अवगत हुए। बाद में कार्यालय में कमेटी के पदाधिकारी ने सबों को तख्तश्री पटना साहिब के इतिहास से जुड़ी पुस्तक व प्रतीक चिन्ह प्रदान किया।

छात्र जदयू बीएनएमयू अध्यक्ष के नेतृत्व में कुलसचिव को छात्रहित में सौंपा गया 10 सूत्री मांग पत्र

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा। छात्र जदयू बीएनएमयू मधेपुरा के अध्यक्ष निखिल सिंह यादव के नेतृत्व में बीएनएमयू कुलसचिव डॉ. विपिन कुमार राय को छात्र हित के लिए विभिन्न मांगों के संबंध में 10 सूत्री मांग पत्र सौपा गया। सौंपे गए मांग पत्र के माध्यम से छात्र जदयू विश्वविद्यालय अध्यक्ष निखिल सिंह यादव ने कहा कि स्नातक चार वर्ष कोर्स में तृतीय सेमेस्टर का हजारों छात्र छात्राओं का परीक्षा फॉर्म फ्लिप नहीं हो पाया है एवं स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने से कई छात्राओं का गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अनेको छात्राओं का आपार कार्ड में त्रुटि हो गया। नाम मिस मेच के कारण अपने परीक्षा फॉर्म जमा नहीं कर पाए है। यह समस्या तकनीक त्रुटि उत्पन्न होने के कारण हुई और इसके लिए छात्राओं के लिए अधिक समय की आवश्यकता जरूरी थी। इन समस्याओं के कारण अनेक छात्राओं का परीक्षा फॉर्म भरने का कार्य लंबित रह गया है, यदि अंतिम तिथि वृद्धि नहीं की गई तो कई छात्र परीक्षा से वंचित हो सकते है। परीक्षा फॉर्म विलंब शुल्क के साथ भरने की कम से कम एक दिन बढ़ा दिया जाए ताकि छात्र परीक्षा में शामिल हो सके। छात्र जदयू सहरसा जिला अध्यक्ष सुभाष कुमार यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में पीजी के सभी विभागों में छात्र एवं छात्रा पढ़ाई करते हैं कर्मचारियों रहते है छात्राओं के अभिभावक आते रहते है लेकिन सुध पेय एवं जल एवं शौचालय की व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा मेरे संगठन से कई बार मांग कर चुके है लेकिन आश्वासन मिलता है व्यवस्था नहीं हो पाता है। जिसके कारण छात्राओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। छात्र जदयू विश्वविद्यालय प्रधान महासचिव नीरज कुमार ने कहा छठे दीक्षांत समारोह का शुल्क कम करें या पूर्व की तरह शुल्क रखें। विश्वविद्यालय प्रशासन विश्वविद्यालय में चतुर्थ एवं पंचम दीक्षांत समारोह के समय आवेदन शुल्क स्नातकोत्तर के लिए 12 सौ रुपये, एमलिस एवं एमएड 1500, पीएचडी के लिए 2000 निर्धारित शुल्क किया गया था। 18 फरवरी को दीक्षांत समारोह का आयोजन सुनिश्चित है इस बार आवेदन शुल्क में अधिक वृद्धि किया गया है। अधिक आवेदन शुल्क होने के कारण सैकड़ो छात्राएं चाह कर भी दीक्षांत समारोह में भाग नहीं ले पा रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रधान महासचिव नीरज कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय कैंपस में लोकपाल कार्यालय में कंप्यूटर के साथ सहायक कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं शिकायत निवारण समिति कार्यालय एवं कंप्यूटर सिस्टम सहित कर्मचारी की व्यवस्था की जाए। विश्वविद्यालय उपाध्यक्ष सनोज कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के अधीन ईस्ट केंपस एवं पीजी सेंटर सहरसा के सभी विभागों में शुद्ध पेयजल एवं शौचालय नहीं है छात्र / छात्रा को शुद्ध पेय जल एवं शौचालय की बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है उसे अभिलंब व्यवस्था किया जाय।

सड़क के दोनों तरफ अतिक्रमण से आवागमन में हो रही परेशानी

प्रातः किरण संवाददाता

पुरैनी (मधेपुरा)। प्रखंड मुख्यालय के मुख्य बाजार में अतिक्रमण के कारण आम लोगों को रोजाना जाम की समस्या से जुझना पड़ रहा है। सड़क पर दुकानों का सामान फैले रहने से वाहन चालकों को आवाजाही करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए प्रशासनिक अधिकारी भी दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। देखा जाए तो पुरैनी डुमरैल बस स्टैंड से समाज कल्याण चौक, थाना चौक से मारवाड़ी शिव मंदिर, विवाह भवन से अंबेडकर चौक और मारवाड़ी मोहल्ला होते हुए राय ब्रदर दुर्गा मंदिर तक थोड़े-थोड़े देर में जाम लग जाती है यू कहे तो पूरे दिन लोग जाम की समस्या से जूझते रहते हैं। अगर मुख्य बाजार में किसी भी सड़क पर आमने-सामने से चार पहिया वाहन सहित छोटी बड़ी वाहने आ जाए तो घंटों आवागमन वर्धित हो जाता है।

बता दे की इस बाजार में प्रखंड क्षेत्र के 9 पंचायत से प्रतिदिन लोग अपनी रोजमर्रा की काम के लिए छोटी बड़ी वाहने के सहारे बाजार आते रहते हैं तभी इस दौरान अतिक्रमण के करण छोटी बड़ी वाहने की संख्या बढ़ने से सड़क जाम हो जाती है खास तौर पर पर्व त्यौहार वाले दिनों में यह समस्या और भी बढ़ जाती है।

वहीं स्थानीय व राहगीरों ने बताया कुछ स्थायी दुकानदारों के द्वारा अतिक्रमण फैला दिया जाता है साथ हीं सड़क पर दुकानों के आगे यत्र- तत्र आटो और अन्य वाहनो के लगने से प्रतिदिन जाम की समस्या उत्पन्न होती है। एम्बुलेंस, स्कूली वाहन सहित अन्य आवश्यक कार्यों से आवाजाही करने वालो को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उक्त संबंध में अंचलाधिकारी हरिनाथ राम ने बताया कि अतिक्रमण खाली करने के लिए

सक्षम पंचायत बनाने को ले किया गया ग्राम पंचायत योजना सुविधा दल का गठन

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा। जिले के बिहारीगंज प्रखंड के ग्राम पंचायत लक्ष्मीपुर लालचंद में संदीप कुमार यादव की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम पंचायत योजना एवं सुविधा दल का गठन किया गया। इस दल का उद्देश्य शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में सुधार करना और पंचायत के समग्र विकास के लिए ठोस कदम उठाना है। इस बैठक में फाइलेरिया मुक्त पंचायत बनाने को लेकर विशेष रूप से चर्चा की गई, जो इस दल के प्रमुख लक्ष्यों में से एक है। फाइलेरिया एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक प्रचलित है और इसे समाप्त करने के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता और प्रयासों की आवश्यकता है। पंचायत ने इस बीमारी के उन्मूलन के लिए निर्णायक कदम उठाने का संकल्प लिया। बैठक में पीरामल से प्रोग्राम लीडर त्रिलोक मिश्रा ने भी भाग लिया और उन्होंने फाइलेरिया के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि इस बीमारी को निर्यंत्रित करने के लिए समुदाय को जागरूक करना, नियमित दवाइयों का सेवन कराना और स्वच्छता को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि पंचायत स्तर पर ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए, जिससे अधिक से अधिक लोग इस बीमारी के प्रति जागरूक हो सकें।इस बैठक में आशा कार्यकर्ता, सेविका, प्रधानाध्यापक, वार्ड सदस्य, एएनएम, वरिष्ठ नागरिक और अन्य पंचायत सदस्य भी शामिल हुए। सभी ने मिलकर फाइलेरिया मुक्त पंचायत बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जताई कि सभी ग्रामीणों को इस बीमारी के प्रति जागरूक किया जाएगा और उन्हें नियमित रूप से दवाइयों का सेवन करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। बैठक में शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य के अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा की गई। शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष योजनाएं बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। पोषण के क्षेत्र में, कुपोषण को दूर करने के लिए महिलाओं और बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के उपायों पर विचार किया गया। स्वास्थ्य के क्षेत्र में, नियमित स्वास्थ्य जांच और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के प्रयासों पर चर्चा की गई। इस बैठक के दौरान सभी प्रतिभागियों ने एकजुट होकर काम करने और पंचायत को एक आदर्श ग्राम पंचायत बनाने का संकल्प लिया। संदीप कुमार यादव कहा कि यह दल पंचायत के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और फाइलेरिया मुक्त पंचायत के लक्ष्य को प्राप्त करेगा।

केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री ने आकांक्षी की जिला कार्यक्रम में जिला की प्रशंसा

प्रातः किरण संवाददाता

गया। पंकज चौधरी, केंद्रीय राज्य मंत्री (वित्त) भारत सरकार की अध्यक्षता में आकांक्षी जिला कार्यक्रम गया की समीक्षा बैठक की गई है। इस बैठक के पूर्व जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम केंद्रीय राज्य मंत्री का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करते हुए गया जिले में केंद्रीय सहायता योजना अर्थात आकांक्षी जिले के संबंध में विस्तार से बिंदुवार किए गए कार्यों के संबंध में अवगत कराया गया है। जिला पदाधिकारी ने बताया कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में गया जिले में बड़े पैमाने पर अनेकों कार्य किए गए हैं विशेष कर गर्भवती महिलाओं को एएनसी चेकअप के संबंध में बताया कि गर्भवती महिलाओं का अलग-अलग माह में कुल चार बार जांच किया जाता है जो 100% अचीवमेंट है। केंद्रीय मंत्री ने खुशी प्रकट करते हुए कहा कि गर्भवती महिलाओं को काफी गया जिले में स्वास्थ्य क्षेत्र में ध्यान दी जाती है जो एक अच्छी पहल है।गर्भवती महिलाओं को पोषण युक्त खाना भी दी जाती है इसके अलावा 100% महिलाओं को एनीमिया का जांच भी कराई जाती है हर माह इसकी डोर टू डोर जांच भी की जाती है। बोधगया में मॉडल के रूप में 500 महिलाओं जो एनीमिया से अत्यंत ग्रसित थी उन्हें आईसीटीएस एवं जीविका के माध्यम से पोषण युक्त खाना खिलाने एवं आयरन का टेबलेट खिलाने के लिए एक अभियान चलाया गया जिसका परिणाम काफी सकारात्मक मिला। उन सभी महिलाओं को एनीमिया में काफी सुधार आई है।संस्थागत प्रशव भी लगातार बढ़ाने का भी कार्य किया जा रहे हैं। इसके लिए गया जिले के पहाड़ी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर एल-वन सेंटर का भी निर्माण करवाया जा रहा है। यहां भी चिकित्सकों की उपस्थिति रखी जाती है। आईपीएचसी के तर्ज पर सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को इंटीग्रेटेड किया जा रहा है। लक्ष्य गाइडलाइन के अनुरूप सरकारी अस्पतालों को और सुदृढ़ बनाया जा रहा है। शिक्षा विभाग के क्षेत्र में जिला पदाधिकारी ने बताया कि पहले की तुलना में अब बच्चों के ड्रॉपआउट की संख्या में बेहद कमी आई है, जो काफी खुशी की बात है। राज्य सरकार द्वारा जिले में प्राथमिकता के आधार पर नए विद्यालय भवन का भी निर्माण करवाए जा रहे हैं। सभी विद्यालयों में पेयजल टॉयलेट की व्यवस्था रखी गई है।

इसके अलावा अतिरिक्त क्लासरूम किचन इत्यादि का भी निर्माण करवाया जा रहा है। सभी विद्यालयों में बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई है। 100% बच्चों को टेक्सबुक वितरण की जा चुकी है। मंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में गया जिला काफी अव्वल कार्य किया है, जो प्रशंसा के पात्र हैं। कृषि विभाग के समीक्षा के दौरान जिला पदाधिकारी ने कहा कि गया जिला सुखाड़ ग्रसित क्षेत्र है। यहां ड्रिप इरिगेशन की अत्यंत आवश्यकता है, इसके लिए बड़े पैमाने पर प्रचार प्रसार कराए जा रहे हैं। किसानों को जागरूक किये जा रहे हैं। वर्षा के जल को हर स्तर पर संरक्षित रखने का कार्य किया जा रहा है।

महाकुंभ में पहुंची फर्राटा धाविका हिमा दास, गंगा में लगाई डुबकी

प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) (एजेंसी)। स्टार फर्राटा धाविका हिमा दास ने महाकुंभ नगर आकर गंगा में डुबकी लगाई। धिंग एक्सप्रेस के नाम से मशहूर हिमा यहां अपने दोस्तों के साथ आई थी और अपने अध्यात्मिक गुरू केशव दास जी महाराज से आशीर्वाद लिया। महाराज ने कहा, 'जब हिमा को महाकुंभ में पूर्वोत्तर शिविर के बारे में पता चला तो वह आए बिना रह नहीं सकी। वह अपने दोस्तों के साथ आई, गंगा में डुबकी लगाई और रविवार को चली गई। उन्होंने कहा, 'वह इस अनुभव को लेकर काफी रोमांचित थी और नामघर देखने भी आई।

जकार्ता एशियाई खेल 2018 की स्वर्ण पदक विजेता हिमा 16 महीने का निलंबन खत्म होने के बाद वापसी की तैयारी में है। उनका निलंबर 22 जुलाई 2023 से 21 नवंबर 2024 तक था।

बिना हार्दिक पांड्या टीम इंडिया अधूरी: कामरान अकमल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने हार्दिक पंड्या को अगले महीने होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय प्लेइंग इलेवन में शामिल करने वाले खिलाड़ी के रूप में नामित किया है। वनडे विश्व कप 2023 के दौरान हार्दिक भारतीय टीम का अहम हिस्सा थे लेकिन बीच में चोट के कारण वह बाहर हो गए थे। उन्होंने विस्फोटक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करने के साथ गेंद को सहजता से उछालने की क्षमता के कारण सबका ध्यान खींचा था।कामरान ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि भारतीय टीम में मुख्य खिलाड़ी हार्दिक पंड्या हैं, उनके बिना प्लेइंग इलेवन अधूरी है। वह मेरे पसंदीदा हैं, वह बल्ले और गेंद से उल्लेखनीय हैं। वह खेल को खत्म भी करते हैं। हार्दिक ने भारत के लिए 86 वनडे मैचों में 34.01 की औसत से 1,769 रन बनाए हैं, जिसमें 92* के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ 11 अर्द्धशतक शामिल हैं। गेंद के साथ उन्होंने 35.23 की औसत से 84 विकेट लिए हैं, जिसमें 4/24 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। कामरान के अलावा, भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने हाल ही में कहा था कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान स्टार ऑलराउंडर भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा।

आज इंग्लैंड के खिलाफ नए सिरे से शुरूआत करने उतरेगी टी-20 टीम इंडिया

शमी की वापसी पर फोकस

कोलकाता (एजेंसी)। फिट होकर टीम में लौटे मोहम्मद शमी की वापसी पर सभी की नजरें होंगी जब सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टी20 टीम इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार से पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट दौरे पर शर्मनाक हार से मिले जख्मों पर मरहम लगाने का भी होगा। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टी20 और तीन वनडे मैच खेले जाएंगे जो अगले महीने होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले दोनों टीमों के लिये खुद को आंकने का सुनहरा मौका है। शमी वनडे विश्व कप 2023 में चार मैचों से बाहर रहने के बावजूद भारत के सबसे कामयाब गेंदबाज रहे जिन्होंने 24 विकेट लिए थे। उन्होंने वानखेड़े स्टेडियम पर न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 57 रन देकर 7 विकेट चटकाए थे। वह टी20 क्रिकेट में कुल 24 विकेट ले चुके हैं और इसमें अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाहेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 नवंबर 2023 को फाइनल में मिली हार के बाद से टखने की चोट के कारण शमी टीम से बाहर हैं। इसके बाद उनके बाएं घुटने में सूजन आ गई थी। स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमर में चोट होने से चैम्पियंस ट्रॉफी में उनका खेलना तय नहीं है जिससे शमी पर

काफी दारोमदार होगा। शमी ने बंगाल के लिए रणजी ट्रॉफी में वापसी की और सात विकेट लेकर सत्र की पहली जीत दिलाई। इसके बाद सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 11 और विजय हजारे ट्रॉफी में पांच विकेट लिए। शमी ने टी20 करियर में 2014 में पदार्पण के बाद से सिर्फ 23 मैच खेले हैं। उन्होंने आखिरी बार इंग्लैंड के खिलाफ 2022 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल खेला था। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम आस्ट्रेलिया दौरे पर मिली हार को अभी तक भुला नहीं पाई है जिसके बाद टीम में अनुशासन बहाल करने के लिए बीसीसीआई ने कड़े दिशा निर्देश जारी किए हैं। हरफनमौला अक्षर पटेल को भारतीय टीम का उप-कप्तान बनाया गया है जिन्होंने पिछले साल वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप में खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

अक्षर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में 31 गेंद में 47 रन बनाए और आठ मैचों में नौ विकेट भी लिये थे। भारत की चैम्पियंस ट्रॉफी टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे विकेटकीपर संजू सैमसन पर अच्छे प्रदर्शन का दबाव होगा। मध्यप्रदेश के खिलाफ रणजी मैच में उन्हें केरल टीम में जगह नहीं मिली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में लगातार दो टी20 शतक जड़ने वाले सैमसन कई बार खुद को साबित कर चुके हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में दिसंबर में बॉक्सिंग डे टेस्ट में शतक जमाने वाले नीतिश रेड्डी को भी टीम में जगह मिली है। वह हार्दिक पंड्या के साथ तेज गेंदबाजी का एक और विकल्प दे सकते हैं। जोस बटलर की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम के लिए मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के साथ यह नए सत्र की शुरूआत है। टी20 विश्व कप से इंग्लैंड के बाहर होने के बाद मैथ्यू मोट ने इस्तीफा दे दिया जिसके बाद मैकुलम ने तीन साल का करार किया। टेस्ट क्रिकेट को आक्रामक खेल (बैजबॉल) की नयी परिभाषा देने वाले मैकुलम सीमित ओवरों के प्रारूप में भी उसे दोहराना चाहेंगे। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेल चुके मैकुलम के लिये ईडन गार्डन नया नहीं है। इंग्लैंड को रीसे टॉपली, सैम कुरेन और विल जैक की कमी खलेगी लेकिन 21 वर्ष के जैकब बेथेल अपनी उपयोगिता साबित करना चाहेंगे। उन्होंने अब तक सात टी20 मैचों में 167 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। शमी की ही तरह इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी चोट से उबरकर वापसी कर रहे हैं। वैसे भारत में शाम को पड़ने वाली ओस से तेज गेंदबाजों को दिक्कत हो सकती है। इसके बाद 25 जनवरी को दूसरा टी20 चेन्नई में, 28 जनवरी को राजकोट, 31 जनवरी को पुणे और दो फरवरी को मुंबई में खेला जाएगा।

टीमें

भारत – सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अक्षर पटेल, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह, नीतिश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी, वरूण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, वॉशिंगटन सुंदर, ध्रुव जुरेल।

इंग्लैंड – जोस बटलर (कप्तान), हैरी ब्रूक, फिल साल्ट, जैकब बेथेल, लियाम लिविंगस्टोन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गुस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स, बेन डकेट, जैमी ओवरटन, जैमी स्मिथ, आदिल रशीद, साकिब महमूद, मार्क वुड।

मैच का समय – शाम 7 बजे से।

सूर्यकुमार ने ईडन गार्डन्स में बिताए अपने समय को किया याद

कहा- वह भी खूबसूरत दिन थे

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के पहले टी20 मैच से पहले भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने उस समय को याद किया जब वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के समय कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला करते थे। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज बुधवार को प्रतिष्ठित ईडन गार्डन्स में शुरू होगी। दूसरा और तीसरा मैच क्रमश : 25 और 28 जनवरी को चेन्नई और राजकोट में खेला जाएगा। सीरीज का चौथा मैच 31 जनवरी को पुणे में खेला जाएगा और अंतिम मैच 2 फरवरी को मुंबई में होगा।

सूर्यकुमार यादव ने बीसीसीआई द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, यह एक पुरानी तरह की भावना है। जब आप यहां आते हैं तो अच्छा लगता है। इसके बारे में सोचना अच्छा लगता है। जब मैं कमरे में बैठता हूं और सोचता हूं कि जब मैं 2014, 2015, 2016, 2017 में यहां मैच खेलता था, तो वह भी खूबसूरत दिन थे।

सूर्यकुमार 2014 में मुंबई इंडियंस से कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में शामिल हुए जिस साल यह फ्रेंचाइजी खिताब जीतना चाहती थी। 2014 से 2017 तक चार साल तक नाइट राइडर्स के लिए खेलते हुए 34 वर्षीय खिलाड़ी ने 54 मैचों में सिर्फ 608 रन बनाए। इसके अलावा मुंबई में जन्मे क्रिकेटर ने कहा कि ईडन गार्डन्स में कोलकाता स्थित फ्रैंचाइजी के लिए खेलते हुए उन्होंने कभी भी उसी मैदान पर मेन इन ब्लू का नेतृत्व करने के बारे में नहीं सोचा था।

दाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा, मुझे याद है कि 2014 में जब मैं पहली बार केकेआर में आया था। तब से लेकर आज तक 10-11 साल बाद, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं कभी भारत का नेतृत्व करूंगा। लेकिन आज इस मैदान पर खड़े होकर, यह सोचकर कि मैं नेतृत्व करने जा रहा हूं क्योंकि यह एक ऐतिहासिक स्टेडियम भी है। इसके बारे में सोचना मजेदार है और यह एक खूबसूरत यात्रा रही है।

भारत-इंग्लैंड -टी-20 मैच

इंग्लैंड ने पहले टी20 मैच के लिए प्लेइंग 11 की घोषणा की, इन प्लेयर्स को मिला मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने मंगलवार को कोलकाता के प्रतिष्ठित ईडन गार्डन्स में भारत के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल मैच के लिए अपनी प्लेइंग 11 की घोषणा की। इंग्लैंड और भारत के बीच पहला टी20 मैच बुधवार को ईडन गार्डन्स में शाम 7 बजे खेला जाएगा।

कोलकाता में इंग्लैंड के लिए फिल साल्ट और बेन डकेट ओपनिंग करेंगे। 20 ओवर की सीरीज के पहले मैच में कप्तान जोस बटलर की जगह साल्ट विकेट कीपिंग करेंगे। इससे पहले दिन में ईसीबी ने भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए हैरी ब्रूक को अपना उप-कप्तान घोषित किया। लियाम लिविंगस्टोन, बटलर और ब्रूक मध्य क्रम में बल्लेबाजी करेंगे।

पिछले साल नवंबर में अपना

आखिरी टी20 मैच खेलने वाले जैकब बेथेल को भी थ्री लायंस की प्लेइंग 11 में शामिल किया गया है। ईडन गार्डन्स में होने वाले 20 ओवर के मैच में बॉलिंग ऑलराउंडर जेमी ओवरटन भी हिस्सा लेंगे। गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड तीन लॉयन्स के लिए पेसर की पसंद होंगे। इस बीच आदिल राशिद प्लेइंग इलेवन में एकमात्र स्पिनर होंगे।

ईसीबी ने टीम की घोषणा करते हुए एक्स पर लिखा, बल्ले और गेंद से दमदार। ब्रेंडन मैकुलम ने कल भारत के खिलाफ होने वाले पहले टी20 मैच के लिए अपने शासनकाल की पहली व्हाइट-बॉल टीम की घोषणा की है। गौर हो कि सीरीज 22 जनवरी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शुरू होगी। दूसरा मैच 25 जनवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। तीसरा मैच 28 जनवरी को राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में खेला जाएगा। चौथा और पांचवां मैच क्रमशः 31 जनवरी और 2 फरवरी को पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम और मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा।

भारत के खिलाफ पहले टी20आई के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग 11

बेन डकेट, फिल साल्ट (विकेट कीपर), जोस बटलर (कप्तान), हैरी ब्रूक, लियाम लिविंगस्टोन, जैकब बेथेल, जेमी ओवरटन, गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, मार्क वुड।

बीसीसीआई के दिशा निर्देशों पर बोले बटलर

परिवार के साथ रहने से खेल पर बहुत फर्क नहीं पड़ता

कोलकाता (एजेंसी)। लंबे विदेश दौरों पर परिवार के साथ समय में कटौती के बीसीसीआई के दिशा निर्देशों के बीच इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने मंगलवार को कहा कि लंबे विदेश दौरों पर परिवार का साथ बहुत महत्वपूर्ण है और इससे प्रदर्शन पर ज्यादा असर नहीं पड़ता। बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के लिए हाल ही में दस बिंदुओं की अनुशासन नीति जारी की है जिसमें दौरों पर परिवार के साथ सीमित समय बिताने के प्रावधान पर बहस छिड़ी हुई है। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा ने इसे लेकर आंशका जताई है। बोर्ड के दिशा निर्देश के अनुसार खिलाड़ी 45 दिन से अधिक के दौरे पर परिवार के साथ दो सप्ताह से ज्यादा नहीं बिता सकते। बटलर ने भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला से पहले कहा, 'यह काफी भारी सवाल है। यह अहम है। हम आधुनिक जगत में रह रहे हैं और दौरों पर परिवार का साथ रहना बहुत अच्छा है। उन्होंने कहा, 'आजकल इतना क्रिकेट खेला जा रहा है और खिलाड़ी घर से बाहर काफी समय बिताते हैं। कोरोना के बाद इस पर काफी चर्चा भी हुई है। मुझे नहीं लगता कि परिवार के साथ रहने से खेल पर बहुत फर्क पड़ता है। बटलर ने कहा कि परिवार की मौजूदगी से पेशेवर प्रतिबद्धताओं में दखल नहीं पड़ता।

आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20

भारत ने मेजबान मलेशिया को 35 रन पर किया ढेर, तीन ओवर में जीता मैच

कुआलालंपुर (एजेंसी)। गत चैंपियन भारत ने आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप में अपना दबदबा जारी रखते हुए मंगलवार को ग्रुप ए में मेजबान मलेशिया को 10 विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत हासिल की। भारत ने टॉस जीतकर एक बार फिर बादलों से घिरे मौसम का फायदा उठाने के लिए पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। वैष्णवी शर्मा की शानदार गेंदबाजी की बदौलत भारत ने मेजबान टीम को 14.3 ओवर में मात्र 31 रन पर आउट कर दिया। उन्होंने हैट्रिक भी बनाई और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। जवाब में सलामी बल्लेबाज जी त्रिशा (नाबाद 27) और कमलिनी जी (नाबाद चार) ने भारत को तीन ओवर में ही लक्ष्य हासिल करने में मदद की और सभी विकेट बरकरार रहे। पहले गेंदबाजी करते हुए तेज गेंदबाज जोशीथा वीजे ने अपनी कप्तान के फैसले का समर्थन करते हुए मलेशिया की सलामी बल्लेबाज नूनी को शून्य पर पगबाधा आउट किया। नो-बॉल पर रन आउट ने नूर आलिया को क्रीज पर बने रहने से रोक दिया, लेकिन पांचवें ओवर में आयुषी शुक्ला के दोहरे स्ट्राइक ने मलेशिया को 15 रन के पार जाने से पहले चार विकेट पर पहुंचा दिया। वैष्णवी ने बाएं हाथ की स्पिन का दबदबा जारी रखा, उन्होंने अपनी पहली सात गेंदों पर कप्तान नूर दानिया स्यूहादा (1) को कैच और नूरीमन (2) को बोल्ड किया।

नीरज चोपड़ा की हिमानी मोर से मुलाकात कैसे हुई, ऐसी है नव विवाहित जोड़े की लव स्टोरी

मुंबई (एजेंसी)। भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा की हिमानी मोर से शादी की खबर ने कई लोगों को चौंका दिया और 19 जनवरी की शाम को इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। ओलंपियन नीरज चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर अपनी शादी की कुछ तस्वीरें पोस्ट करते हुए यह खबर साझा की। नीरज चोपड़ा ने पोस्ट में लिखा, अपने परिवार के साथ जीवन का एक नया अध्याय शुरू किया। हर उस आशीर्वाद के लिए आभारी हूं जिसने हमें इस पल तक साथ लाया। प्यार से बंधे, हमेशा खुश।

27 वर्षीय नीरज चोपड़ा अपनी निजी जिंदगी को निजी रखना पसंद करते हैं, इसलिए हिमानी से उनकी निजी शादी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। वास्तव में रिपोर्ट्स बताती हैं कि हिमानी से नीरज की शादी उनके कई करीबी दोस्तों के लिए भी एक सरप्राइज थी! रिपोर्ट्स के मुताबिक नीरज चोपड़ा और हिमानी मोर ने सोलन के

पास कुमारहट्टी में सूर्यविलास रिजॉर्ट में एक निजी शादी समारोह में शादी की। उनकी शादी एक निजी मामला था जिसमें केवल कुछ करीबी परिवार के सदस्य ही शामिल हुए थे।

नीरज चोपड़ा की हिमानी मोर से मुलाकात कैसे हुई – नीरज चोपड़ा की हिमानी मोर से मुलाकात कैसे हुई, कैसे इस जोड़े ने शादी का फैसला किया? इस बारे में जानकारी साझा करते हुए नीरज के चाचा सुरेंद्र चोपड़ा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में जानकारी दी। सुरेंद्र चोपड़ा ने कहा कि नीरज और हिमानी की मुलाकात अमेरिका में हुई थी और जल्द ही दोनों के बीच प्यार हो गया। नीरज और हिमानी दोनों के परिवारों ने भी उनके रिश्ते को मंजूरी दे दी और तभी दो महीने पहले उनकी शादी की योजना बनाई गई।

शादी इतने कम समय में क्यों हुई? सुरेंद्र चोपड़ा ने कहा कि दोनों परिवार लॉस एंजिल्स में 2028 ओलंपिक तक नीरज के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए दो और साल इंतजार नहीं करना चाहते थे। और चूंकि यह नीरज के लिए ऑफ-सीजन था, इसलिए उन्होंने जनवरी 2025 को उपयुक्त माना। नीरज और हिमानी की शादी तीन दिवसीय समारोह था और यह शिमला में 14 से 16 जनवरी 2025 तक हुआ।

शादी से पहले की रस्मों के लिए हिमानी नीरज के गांव गई थीं जहां वह 14 घंटे तक रहीं। दंपति अपनी शादी को पूरी तरह से निजी रखना चाहते थे, इतना कि उनकी शादी कराने वाले 'पंडित' को भी नहीं पता था कि दूल्हा नीरज चोपड़ा हैं, उनके चाचा ने खुलासा किया! साथ ही, शादी में आए मेहमानों को शादी समारोह के दौरान अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने से मना किया गया था। नीरज के चाचा सुरेंद्र चोपड़ा ने यह भी बताया कि ओलंपियन ने शादी के लिए लड़की के परिवार से कोई दहेज नहीं लिया। इसके बजाय नीरज ने सम्मान और शुभकामनाओं के निशान के रूप में हिमानी के पिता से केवल एक रुपया लिया।

जंगल की आग क्या करेगी लॉस एंजिल्स ओलिम्पिक खेलों 2028 को प्रभावित

वाशिंगटन (एजेंसी)। लॉस एंजिल्स ओलिम्पिक की आयोजन समिति के प्रमुख कैसी वासरमैन ने बीते दिनों फ्लोरिडा के मार-ए-लागो में अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात की। यह बैठक 2028 ओलिम्पिक को एल.ए. से डलास या मियामी में स्थानांतरित करने मांग के बीच हुई। जब बैठक खत्म हुई तो ट्रम्प ने वासरमैन से कहा कि यह ओलिम्पिक अमरीका के हैं। अब यह एल.ए. के लिए पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं, और मैं हर संभव तरीके से उनका समर्थन करूंगा और उन्हें सबसे महान खेल बनाऊंगा।

ट्रम्प का समर्थन क्यों मायने रखता है – एल.ए. ओलिम्पिक 14 जुलाई, 2028 को शुरू होने वाले हैं। ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान साल 2017 में अमरीका को इसकी मेजबानी मिली थी। लॉस एंजिल्स ने आखिरी बार 1984 में ओलिम्पिक की मेजबानी की थी। एल.ए. गेम्स के लिए ट्रम्प का समर्थन ऐसे समय में आया है जब मीडिया हस्ती चार्ली किर्क जैसी कई रूढ़िवादी आवाजों ने खेलों को स्थानांतरित करने का आह्वान किया है। किर्क ने एक्स पर पोस्ट किया- लॉस एंजिल्स ओलिम्पिक रद्द कर दिया

जाना चाहिए। यदि आप फायर हाइड्रैंट नहीं भर सकते हैं, तो आप ओलिम्पिक की मेजबानी के लिए योग्य नहीं हैं। उन्हें डलास या मियामी ले जाएं, ताकि दुनिया के एथलीट वास्तव में सुरक्षित रूप से कुछ बनाने और चलाने में सक्षम जगह पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। लॉस एंजिल्स सिटी कौंसिल के पूर्व सदस्य माइक बोनिन, जिन्होंने ओलिम्पिक के समर्थन में मतदान किया था, को न्यूयॉर्क टाइम्स ने यह कहते हुए उद्धृत किया था- यह शहर की ओलिम्पिक आयोजित करने की क्षमता पर सवाल उठाता है। यह निर्वाचित अधिकारियों के लिए खुद से सवाल पूछने का कारण है- क्या यह कुछ ऐसा है जिसे हम संभाल सकते हैं?

खेलों को रद्द या स्थानांतरित करना – जंगल की आग ने 150 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र को तबाह कर दिया है और साथ ही प्रशासन की जिम्मेदारियों पर सवाल उठाए हैं। पुनर्निर्माण की लागत 135 बिलियन डॉलर से ज्यादा होने का अनुमान है। ऐसे में 17 दिन तक चलने वाले ओलिम्पिक पर लगभग 7 बिलियन डॉलर लगेंगे जोकि 15 मिलियन दर्शकों को आकर्षित करेगा, को फिलहाल टाल देना चाहिए। हालांकि एल.ए. में ओलिम्पिक के 50 नियोजित स्थानों में से कोई भी प्रभावित नहीं हुआ है। रिवेरा कंट्री क्लब में ओलिम्पिक गोल्फ टूर्नामैंट की मेजबानी होनी है। इसी तरह सेपुलवेडा बेसिन मनोरंजन क्षेत्र, जो तीरंदाजी, बी.एम.एक्स. और स्केटबोर्डिंग कार्यक्रमों की मेजबानी करेगा, जंगल की आग से तबाह हुए क्षेत्रों के पास थे।

खेलों को पुनःब्रांड करना

लॉस एंजिल्स में अगले साल फीफा विश्व कप के मैच भी होने हैं। यह स्थल जंगल की आग से प्रभावित क्षेत्रों के करीब है, लेकिन मैचों को बाहर स्थानांतरित करने के लिए कोई बातचीत नहीं हुई है। इस दौरान सुपर बाउल 2027 पर भी नजरें होंगी। कैलिफ़ोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसोम कहते हैं कि हमारे पास ओलिम्पिक, सुपर बाउल और फीफा विश्व कप की मेजबानी है। हमारे पास टीम है जोकि एल.ए. 2.0 की रूपरेखा तैयारी कर रही है। बता दें कि यह पहली बार नहीं है कि ओलंपिक का उपयोग किसी आपदा से तबाह हुए क्षेत्र को बदलने के माध्यम के रूप में किया जाएगा।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रात:किरण
पटना, बुधवार, 22 जनवरी, 2025
देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

तुर्की के होटल में आग लगने से 10 लोगों की मौत

अंकारा। तुर्की के पश्चिमोत्तर प्रांत बोलू में मंगलवार को एक होटल में भीषण आग लगने से 10 लोगों की मौत हो गई और 32 अन्य घायल हो गए। गृह मंत्री अली येरलिकाया ने सोशल मीडिया पर मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रांतीय गवर्नर अब्दुलअजीज आयडिन ने बताया कि कार्तल्काया स्की रिसॉर्ट के एक होटल में स्थानीय समयानुसार मंगलवार तड़के करीब 03:30 बजे भीषण आग लग गई। इस दौरान घबराहट में इमारत से कूदने के कारण दो लोगों की मौत हो गई। आग बुझाने का काम जारी है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में सेमेस्टर की छुट्टी होने के कारण इलाके के होटलों में भारी भीड़ थी। एनटीवी प्रसारक के अनुसार कोरोग्लू पर्वत की चोटी पर स्थित होटल भीषण आग की चपेट में आ गया। फिलहाल आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। सूचना मिलने पर शहर और आसपास के इलाकों तथा जिलों से अग्निशमन दल, खोज एवं बचाव इकाइयां और चिकित्सा दल मौके पर पहुंचे।

सुपरबग से लड़ने में मदद करता है ऑयस्टर रक्त प्रोटीन : स्टडी

सिडनी। मंगलवार को प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार, ऑस्ट्रेलियाई सीपों के रक्त में पाया जाने वाला प्रोटीन एंटीबायोटिक प्रतिरोधी सुपरबग्स के खिलाफ लड़ाई में मददगार हो सकता है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया के साउदर्न क्रॉस विश्वविद्यालय (एससीयू) की एक टीम द्वारा किए गए स्टडी में पता चला है कि सिडनी रॉक ऑयस्टर के रक्त में एक प्रोटीन बैक्टीरिया को मारने के साथ-साथ कई प्रकार के बैक्टीरिया के खिलाफ कुछ एंटीबायोटिक दवाओं की प्रभावशीलता को बढ़ाने में सक्षम है। प्रयोगशाला परीक्षणों में उन्होंने पाया कि यह प्रोटीन स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनिया और स्ट्रेप्टोकोकस पायोजेंस नामक जीवाणुओं को मारने में प्रभावी था, जो क्रमशः निमोनिया और स्ट्रेप थ्रोट का कारण बनते हैं। एंटीबायोटिक्स के साथ प्रयोग करने पर यह प्रोटीन स्टैफिलोकोकस ऑरियस और स्यूडोमोनस एरुगिनोसा बैक्टीरिया को मारने में दो से 32 गुना अधिक प्रभावी हो जाता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि स्टडी ने जीवाणु संक्रमण के इलाज के लिए सीपों से प्राप्त प्राकृतिक उत्पादों के संभावित उपयोग का समर्थन किया है। उन्होंने पाया कि प्रोटीन मानव कोशिकाओं के लिए विषाक्त नहीं है, जो दर्शाता है कि सीप के रक्त से सुरक्षित एंटीबायोटिक का अनुकूलन करना संभव होना चाहिए। रोगाणुरोधी प्रतिरोधी (एएमआर) सुपरबग, बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी, जो अब उन्हें मारने के लिए डिजाइन किए गए एंटीबायोटिक दवाओं पर प्रतिक्रिया नहीं करते हैं, उन्हें वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक बड़े खतरे के रूप में पहचाना गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, एएमआर से प्रभावित संक्रमण का इलाज करना कठिन या असंभव हो सकता है, जिससे रोग फैलने, गंभीर बीमारी, विकलांगता और मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। अनुसंधान टीम ने पाया कि सीप प्रोटीन बायोफिल्म्स में जीवाणु रोगजनकों को मार सकता है, जीवों के समुदाय जो एक साथ रहते हैं, जिससे वे एंटीबायोटिक दवाओं और मानव प्रतिरक्षा प्रणाली से बच सकते हैं।

ट्रंप ने विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका के हटने की घोषणा की

प्रात : किरण/एजेंसी

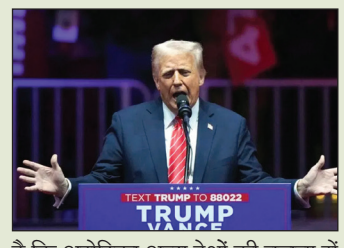

न्यूयॉर्क। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को घोषणा की कि वह विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका को अलग कर रहे हैं। यह एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि पदभार संभालने के पहले ही दिन उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी के साथ अपने संबंध समाप्त कर लिए हैं। ट्रंप लंबे समय से डब्ल्यूएचओ के आलोचक रहे हैं और उनका प्रशासन जुलाई 2020 में औपचारिक रूप से संगठन से हट गया था क्योंकि कोविड-19 महामारी फैल रही थी। कार्यकारी आदेश में अमेरिका के हटने के कारणों के रूप में चीन के वुहान में उत्पन्न कोविड-19 महामारी और अन्य वैश्विक स्वास्थ्य संकटों से संगठन द्वारा ठीक से न निपटना, तत्काल आवश्यक सुधारों को अपनाने में इसकी विफलता और डब्ल्यूएचओ के सदस्य देशों के अनुचित राजनीतिक प्रभाव से स्वतंत्रता प्रदर्शित करने में इसकी असमर्थता का हवाला दिया गया है। ट्रंप ने कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करते समय एक सहयोगी से कहा, ह्लयह बहुत बड़ी बात है। उन्होंने अपने 2020 के निर्णय की ओर इशारा किया और कहा कि उनका मानना

है कि अमेरिका अन्य देशों की तुलना में संगठन को बहुत अधिक धनराशि दे रहा है। आदेश में यह भी कहा गया कि डब्ल्यूएचओ अमेरिका से अनुचित रूप से भारी भुगतान की मांग करना जारी रखता है। यह संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी की ट्रंप की लंबे समय से चली आ रही आलोचना के अनुरूप है। यह कदम अमेरिकी वैश्विक स्वास्थ्य नीति में एक नाटकीय बदलाव को चिह्नित करेगा और वाशिंगटन को महामारी से लड़ने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों से अलग कर देगा। ट्रंप ने संगठन के कई आलोचकों को सार्वजनिक स्वास्थ्य के शीर्ष पदों पर नामित किया है, जिनमें रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर भी शामिल हैं तथा स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव के पद के लिए उम्मीदवार हैं, जो कि सीडीएस और एफडीए सहित सभी प्रमुख अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसियों की देखरेख करता है। ट्रंप ने 2020 में डब्ल्यूएचओ से एक साल लंबी वापसी की प्रक्रिया शुरू की थी, लेकिन छह महीने बाद उनके उत्तराधिकारी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस फैसले को पलट दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने तर्क दिया है कि एजेंसी कोविड-19 के शुरूआती प्रसार के लिए चीन को जवाबदेह ठहराने में विफल रही। उन्होंने बार-बार डब्ल्यूएचओ को बीजिंग की कठपुतली कहा है। डब्ल्यूएचओ के प्रवक्ता ने सीधे तौर पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, लेकिन 10 दिसंबर को एक प्रेस ब्रीफिंग में डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस द्वारा मीडिया में की गई टिप्पणियों का हवाला दिया, जिसमें उनसे पूछा गया था कि क्या उन्हें इस बात की चिंता है कि ट्रंप प्रशासन संगठन से हट जाएगा। टेड्रोस ने उस समय कहा था कि डब्ल्यूएचओ को बदलाव के लिए यूएस अमेरिका को समय और स्थान देने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि स्टेट्स मई 2025 तक महामारी समझौते को अंतिम रूप दे सकते हैं। आलोचकों ने चेतावनी दी है कि अमेरिका के हटने से वैश्विक रोग निगरानी और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली कमजोर हो सकती है।

अमेरिका का स्वर्णिम युग अब से शुरू हुआ : ट्रम्प

देश के 45वें राष्ट्रपति रह चुके श्री ट्रम्प ने मैक्सिको की सीमा पर आपातकाल लगाने की घोषणा की और मैक्सिको ड्रग कार्टेल को आतंकवादी संगठन घोषित किया जो अमेरिका में अपराध एवं आतंकवाद फैलाते हैं। उन्होंने घुसपैठ को रोकना और महंगाई को रोकना अपनी प्राथमिकता बतायी और तेल के उत्खनन को बढ़ावा देने का भी एलान किया। आयात निर्यात को संतुलित बनाने की भी घोषणा की। शुल्क लगाने के बारे में उन्होंने कहा कि अमेरिका जैसे को तैसा की तर्ज पर व्यवहार करेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका में कोई सेंसरशिप नहीं होगी और राजनीतिक विरोधियों को गैर कानूनी तरीकों से निशाना बनाने की प्रथा बंद होगी। देश में ऐसे समाज को बनाएंगे जो रंगभेद को दूर करके प्रतिभा को बढ़ावा दे।

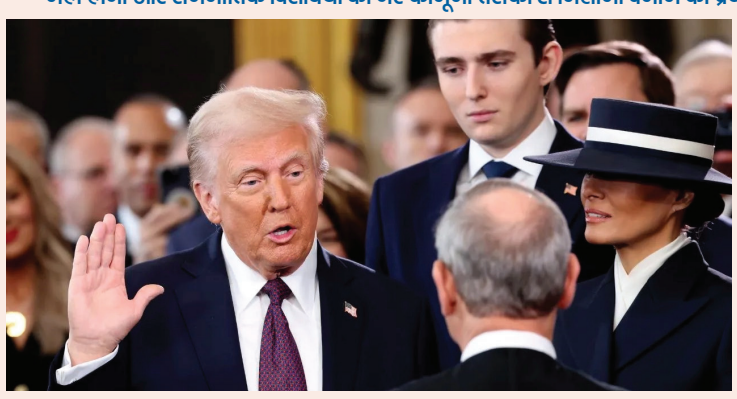

प्रात : किरण/एजेंसी

वाशिंगटन। श्री डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद अमेरिका प्रथम के नारे पर जोर देते हुए एलान किया कि अमेरिका के इतिहास का स्वर्णिम युग शुरू हो गया है और उनका देश फिर से समृद्धि के शिखर पर पहुंचेगा। देश के 45वें राष्ट्रपति रह चुके श्री ट्रम्प ने मैक्सिको की सीमा पर आपातकाल लगाने की घोषणा की और मैक्सिको ड्रग कार्टेल को आतंकवादी संगठन घोषित किया जो अमेरिका में अपराध एवं आतंकवाद फैलाते हैं। उन्होंने घुसपैठ को रोकना और महंगाई को रोकना अपनी प्राथमिकता बतायी और तेल के उत्खनन को बढ़ावा देने का भी एलान किया। आयात निर्यात को संतुलित बनाने की भी घोषणा की। शुल्क लगाने के बारे में उन्होंने कहा कि अमेरिका जैसे को तैसा की तर्ज पर व्यवहार करेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका में कोई सेंसरशिप नहीं होगी और राजनीतिक विरोधियों को गैर कानूनी तरीकों से निशाना बनाने की प्रथा बंद होगी। देश में ऐसे समाज को बनाएंगे जो रंगभेद को दूर करके प्रतिभा को बढ़ावा दे। उन्होंने शपथ ग्रहण करने के बाद देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा, अमेरिका का स्वर्ण युग अभी शुरू होता है। अमेरिका जल्द ही पहले से कहीं अधिक महान, मजबूत और कहीं अधिक असाधारण होगा। मैं इस विश्वास और आशा के साथ राष्ट्रपति पद पर लौटा हूं कि हम राष्ट्रीय सफलता के एक रोमांचक नए युग की शुरूआत में हैं। देश में परिवर्तन की लहर चल रही है। संपूर्ण विश्व पर सूर्य का प्रकाश बरस रहा है। और अमेरिका के पास इस अवसर का लाभ उठाने का ऐसा मौका है जैसा पहले कभी नहीं था, लेकिन सबसे पहले, हमें अपने सामने आने वाली चुनौतियों के प्रति ईमानदार होना चाहिए। हालांकि वे काफी संख्या में हैं, वे इस महान गति से नष्ट हो जाएंगे जिसे दुनिया अब अमेरिका में देख रही है। श्री ट्रम्प ने कहा, इस दिन से, हमारा देश फलेगा-फूलेगा और दुनिया भर में फिर से सम्मानित होगा। हम हर देश से ईर्ष्या करेंगे और हम अब खुद का फायदा नहीं उठाने देंगे। ट्रम्प प्रशासन के हर एक दिन के दौरान, मैं बहुत सरलता से अमेरिका को पहले रखूंगा। हमारी संप्रभुता पुनः प्राप्त की जाएगी। न्याय के पैमाने को फिर से संतुलित किया जाएगा और न्याय विभाग और हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी ऐसा राष्ट्र बनाना होगा गौरवान्वित, समृद्ध और स्वतंत्र है। अमेरिका के नये राष्ट्रपति ने कहा, इस क्षण से, अमेरिका का पतन समाप्त हो गया है... मेरा हालिया चुनाव एक भयानक विश्वासघात और इतने सारे विश्वासघातों को पूरी तरह से उलटने और लोगों को उनका विश्वास, उनकी संपत्ति, उनका लोकतंत्र, और वास्तव में, उनकी स्वतंत्रता वापस देने का जनादेश है। उन्होंने अपने पूर्ववर्ती जो बाइडेन के प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए कहा, आज हमारी सरकार विश्वास के संकट का सामना कर रही है।

कई वर्षों से, एक कट्टरपंथी और भ्रष्ट प्रतिष्ठान ने हमारे नागरिकों से शक्ति और धन छीन लिया है, जबकि हमारे समाज के स्तंभ टूटे हुए और पूरी तरह से जर्जर हो गए हैं। अब हमारे पास एक ऐसी सरकार है जो प्रबंधन भी नहीं कर सकती है घर पर एक साधारण संकट, जबकि साथ ही विदेश में विनाशकारी घटनाओं की एक सतत सूची में ठोकर खाता है, यह हमारे शानदार, कानून का पालन करने वाले अमेरिकी नागरिकों की रक्षा करने में विफल रहता है, लेकिन खतरनाक अपराधियों, जिनमें से कई जेलों और मानसिक संस्थानों से हैं, को आश्रय और सुरक्षा प्रदान करता है। अवैध रूप से प्रवेश किया है हमारे देश में दुनिया भर से एक ऐसी सरकार है जिसने विदेशी सीमाओं की रक्षा के लिए असीमित धन दिया है लेकिन अमेरिकी सीमाओं या, अधिक महत्वपूर्ण रूप से, अपने ही लोगों की रक्षा करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा, हाल ही में लॉस एंजिल्स, जहां हम आग को अभी भी दुखद रूप से जलते हुए देख रहे हैं।

कई सप्ताह पहले से बिना किसी बचाव के संकेत के, वे घरों और समुदायों में भड़क रहे हैं, यहां तक कि कुछ सबसे धनी और सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों को भी प्रभावित कर रहे हैं हमारे देश में, जिनमें से कुछ अभी यहां बैठे हैं। उनके पास अब कोई घर नहीं है, यह दिलचस्प है, लेकिन हम ऐसा नहीं होने दे सकते, हमारे पास एक सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली है जो आपदा के समय में मदद नहीं करती है। फिर भी इस पर किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक पैसा खर्च किया जाता है दुनिया में और हमारे पास एक ऐसी शिक्षा प्रणाली है जो हमारे बच्चों को कई मामलों में खुद पर शर्म महसूस करना सिखाती है और प्यार के बावजूद हमारे देश से नफरत करना सिखाती है, यह सब आज से बदल जाएगा और यह बहुत तेजी से बदल जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ह्लमुद्रास्फीति संकट बड़े पैमाने पर अधिक खर्च करने और ऊर्जा की बढ़ती कीमतों के कारण हुआ था, और यही कारण है कि आज मैं राष्ट्रीय ऊर्जा आपातकाल की भी घोषणा करूंगा। हम ड्रिल, बेबी, ड्रिल करेंगे।ह्व उन्होंने घुसपैठियों के बारे में नीतिगत जानकारी देते हुए कहा, ह्लहम पकड़ने और छोड़ने की नीति को छोड़ देंगे। मैं अपने देश पर विनाशकारी आक्रमण को विफल करने के लिए दक्षिणी सीमा पर सेना भेजूंगा। आज मैंने जिन आदेशों पर हस्ताक्षर किए हैं, उनके तहत हम कार्टेल को विदेशी आतंकवादी संगठनों के रूप में भी नामित करेंगे। उन्होंने कहा, आज मार्टिन लूथर किंग दिवस है और उनके सम्मान में, हम उनके सपने को साकार करने के लिए मिलकर प्रयास करेंगे। हम उनके सपने को साकार करेंगे। इस सप्ताह मैं उन सभी सेवा सदस्यों को पूरे वेतन के साथ बहाल करूंगा, जिन्हें वैक्सीन जनादेश पर आपत्ति जताने के लिए हमारी सेना से अन्यायपूर्ण तरीके से निष्कासित कर दिया गया था। और मैं हमारे योद्धाओं को ड्यूटी के दौरान कट्टरपंथी राजनीतिक सिद्धांतों और सामाजिक प्रयोगों के अधीन होने से रोकने के आदेश पर हस्ताक्षर करूंगा। यह तुरंत समाप्त होने वाला है।

ट्रम्प ने पेरिस जलवायु समझौते से बाहर निकलने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार देर रात अमेरिका को पेरिस जलवायु समझौते से बाहर निकालने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। इस कदम से अमेरिका दूसरी बार पेरिस जलवायु समझौते से बाहर निकल जाएगा। अपने उद्घाटन भाषण के दौरान, श्री ट्रम्प ने जीवाश्म ईंधन को निकालने और उपयोग करने के प्रयासों को दोगुना करने का भी प्रण लिया। उन्होंने कहा, मैं राष्ट्रीय ऊर्जा आपातकाल की भी घोषणा करूंगा। हम ड्रिल करेंगे, बेबी, ड्रिल करेंगे। श्री ट्रंप ने दावा किया, हमारे पास कुछ ऐसा है जो किसी अन्य विनिर्माण देश के पास कभी नहीं होगा, पृथ्वी पर किसी भी देश की तुलना में सबसे बड़ी मात्रा में तेल और गैस है तथा हम इसका उपयोग करने जा रहे हैं। गौरतलब है कि दिसंबर 2015 में अपनाया गया, पेरिस समझौता मानव-जनित ग्लोबल वार्मिंग और संबंधित संकटों से निपटने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय प्रयास है, जिसमें अमेरिका औपचारिक रूप से सितंबर 2016 में शामिल हुआ। पिछले ट्रम्प प्रशासन ने आधिकारिक तौर पर नवंबर 2020 में अमेरिका को पेरिस जलवायु समझौते से बाहर निकाल लिया था, जिससे जलवायु संकट से निपटने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को एक बड़ा झटका लगा। पूर्ववर्ती अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कार्यालय में अपने पहले दिन 20 जनवरी, 2021 को ही अमेरिका को पेरिस जलवायु समझौते में वापस लाने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के कुछ ही घंटों बाद, श्री ट्रम्प ने वाशिंगटन डी.सी. में कैपिटल वन एरेना में लोगों के सामने कुछ अन्य कार्यकारी आदेशों पर भी हस्ताक्षर किए, जिसमें बाइडेन प्रशासन के लगभग 80 कार्यकारी आदेशों को रद्द करना भी शामिल था। उन्होंने समारोह में लोगों से कहा, 'मैं पिछले प्रशासन की लगभग 80 विनाशकारी कट्टरपंथी कार्यकारी कार्रवाइयों को रद्द कर रहा हूं।'

कोलम्बिया में बढ़ती हिंसा के बीच आपातकाल की स्थिति घोषित

प्रात : किरण/एजेंसी

बोगाटो। कोलम्बिया में बढ़ती हिंसा और उग्रवाद के कारण राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने उत्तर-पूर्वी क्षेत्र कैटाटुम्बो में आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है। श्री पेट्रो ने सोमवार को यह कदम हाल ही में नेशनल लिबरेशन आर्मी (ईएलएन) के उग्रवादियों की ओर से किए गए हमलों के बाद उठाया, जिनमें करीब 80 लोगों की मौत हो गई और 11 हजार से अधिक लोग विस्थापित हो गए। उन्होंने इन हमलों की निंदा की और कहा कि ईएलएन अब एक ऐसा सशस्त्र समूह बन गया है जो ड्रग तस्करी और अर्धसैनिक संस्कृति से अधिक प्रभावित है। श्री पेट्रो ने कहा कि यह हिंसा और आतंकवाद देश की सुरक्षा एवं स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बन गई है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस संकट को समाप्त करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाने होंगे। राष्ट्रपति के इस फैसले के बाद से सशस्त्र बलों ने ईएलएन द्वारा धमकी दिए गए नागरिकों को बचाने के लिए अपने प्रयासों को तेज कर दिया है। खासकर, उन समुदायों को निशाना बनाया गया है जिनमें शांति समझौतों के तहत हिंसा से बचने वाले लोग और उनके परिवार शामिल हैं। इन समुदायों में टिओरामा, एल तारा, कंवेंसन, सान कैलिक्स्टो, हकारी और टिबू जैसे नगर पालिकाएं शामिल हैं, जहां ईएलएन के हमलों और धमकियों से नागरिकों की सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। सशस्त्र बलों ने इस स्थिति से निपटने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य, प्रभावित नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना है। इन प्रयासों में शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने वालों और उनके परिवारों को विशेष सुरक्षा प्रदान की जा रही है। साथ ही, नागरिकों को संघर्षरत क्षेत्र से सुरक्षित निकालने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

उषा वेंस दूसरी महिला के रूप में सेवा देने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी और हिंदू बनी

प्रात : किरण/एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति शपथ ग्रहण समारोह के दौरान, जहां सभी की निगाहें डोनाल्ड ट्रंप और ओहायो के सीनेटर जेडी वेंस पर थीं, वहीं उनके साथ खड़ी कोई महिला अपने तरीके से इतिहास रच रही थीं वह थी उषा वेंस। सोमवार को 39 वर्षीय उषा वेंस दूसरी महिला के रूप में सेवा करने वाली पहली भारतीय अमेरिकी और हिंदू बन गईं। एक वकील के रूप में, जो भारतीय अप्रवासियों की बेटी है। उषा वेंस इस पद को संभालने वाली सबसे कम उम्र की दूसरी महिलाओं में भी एक हैं। एबीसी न्यूज के अनुसार वह पूर्व राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन के उपराष्ट्रपति एल्बेन बार्कले की पत्नी, 38 वर्षीय जेन हैडली बार्कले के बाद सबसे कम उम्र की दूसरी महिला हैं। यूएसए टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, दूसरी महिला के रूप में उषा वेंस का उदय तब हुआ है जब भारतीय अमेरिकी हाल के चुनाव चक्रों के दौरान राजनीतिक रूप से अधिक सक्रिय हो गए हैं और राष्ट्रीय मंच पर उम्मीदवार के रूप में खड़े हुए हैं, जिनमें 2024 में राष्ट्रपति पद के लिए दौड़ने वाले कई लोग भी शामिल हैं। उन्होंने जुलाई में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में कहा, मेरी पृष्ठभूमि जेडी से बहुत अलग है। मैं सैन डिएगो में एक मध्यमवर्गीय समुदाय में पली-बढ़ी हूं, जहां मेरे दो प्यारे माता-पिता, दोनों भारत से आए आप्रवासी और एक अद्भुत बहन हैं। जेडी और मैं कभी मिल सके, प्यार करना और शादी करना, यह इस महान देश के लिए एक प्रमाण है। द वाशिंगटन पोस्ट और द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार कथित तौर पर एक पंजीकृत डेमोक्रेट होने से लेकर रिपब्लिकन टिकट पर अपने पति के उपराष्ट्रपति अभियान का समर्थन करने तक, उषा वेंस के विचार विकसित हुए हैं। उषा वेंस कैलिफोर्निया में पली-बढ़ीं और जेडी वेंस से उनकी मुलाकात तब हुई जब दोनों येल लॉ स्कूल में पढ़े। उन्होंने 2014 में शादी की।

गाजा सीजफायर समझौता टिकेगा या नहीं? ट्रंप का चौंकाने वाला जवाब

वाशिंगटन/एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि उन्हें इस बात का 'विश्वास नहीं है' कि पिछले दिन लागू हुआ गाजा युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई का समझौता तीनों चरणों में बरकरार रहेगा। हालांकि उन्होंने गाजा में हुई तबाही पर बात करते हुए कहा कि इस क्षेत्र को फिर से बनाना होगा। ट्रंप ने कहा, ₹यह हमारा नहीं उनका युद्ध है। मुझे भरोसा नहीं है। इजरायली मीडिया के मुताबिक अपने शपथग्रहण के तुरंत बाद ओवल ऑफिस में कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर करते समय पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह बात कही। हालांकि ट्रंप ने हमास का स्पष्ट रूप से जिक्र किया। उन्होंने कहा, ₹लेकिन मुझे लगता है कि वे दूसरी तरफ बहुत कमजोर हैं। यूएस प्रेसिडेंट ने गाजा में 15 महीनों के युद्ध की वजह से मची तबाही पर भी बात की। उन्होंने कहा, यह एन्क्लेव 'एक विशाल विध्वंस स्थल की तरह है' जिसे 'एक अलग तरीके से फिर से बनाना होगा।' रियल एस्टेट दिग्गज ने कहा कि गाजा भूमध्य सागर के किनारे एक 'अद्भुत स्थान' पर है, जहां 'सबसे अच्छा मौसम' है।

बांग्लादेश के सुंदरबन में एक साथ दिखे तीन बाघ

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के सुंदरबन के कोटका वन्यजीव अभयारण्य में पर्यटकों ने एक साथ तीन बाघों को देखा। इस दौरान दो बाघों ने तीसरे पर हमला कर उसे नदी में धकेल दिया। पर्यटकों ने अभयारण्य के बेटमोर क्षेत्र के इस वाकये को रविवार दोपहर कैमरे में कैद कर लिया। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, गाइड एमडी अल अमीन ने बताया कि पर्यटकों ने सुंदरबन से लौटते समय इन बाघों (दो नर और एक मादा) को देखा। दो बाघ कोटका कार्यालय क्षेत्र से आए थे और एक बाघ उनके साथ शामिल होने के लिए बेटमोर नदी पार कर गया था। बेटमोर क्षेत्र से आए बाघ पर अन्य दो बाघों ने हमला किया और उसे नदी में धकेल दिया। कोटका वन्यजीव अभयारण्य केंद्र के अधिकारी एमडी सोहेबुर रहमान सुमन ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि 15 जनवरी को कोटका वन गश्ती दल के सदस्यों ने कोटका-कोचिखली सीमा के बादामतला क्षेत्र में चार बाघों को देखा था। उनमें से दो वयस्क और दो शावक थे। पिछले साल फरवरी में चंदेश्वर वन कार्यालय के पास तीन बाघ एक साथ देखे गए थे। वन विभाग के अनुसार, सुंदरबन का बांग्लादेशी हिस्सा 6,017 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है। इसमें 4,832 वर्ग किलोमीटर जंगल और 1,185 वर्ग किलोमीटर आर्द्रभूमि है। 2015 की गणना में सुंदरबन में 106 बाघ दर्ज किए गए थे। 2018 में यह संख्या बढ़कर 114 हो गई। 2024 में गणना में इनकी संख्या बढ़कर 125 पहुंच गई। अधिकारियों के अनुसार, सुंदरबन के चार रेंजों में से शरणखोला में बाघों की संख्या सबसे अधिक है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129